@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 14 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 71 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अब 10 मिनट में नहीं होगी डिलीवरी

● श्रम मंत्री के दखल के बाद क्विक कॉमर्स कंपनियों ने डेडलाइन खत्म की

एजेंसी

नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने अपने सभी ब्रांड प्लेटफॉर्म्स और विज्ञापनों से

'10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा लिया है।केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया के हस्तक्षेप के बाद ब्लिंकिट ने अपने सभी प्लेटफॉर्म और प्रचार सामग्री से '10 मिनट में डिलीवरी' का टैग हटा दिया है। डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा और उन पर बढ़ते मानसिक दबाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। सरकार के साथ हुई बैठक में स्विगी, जोमैटो और जेप्टो जैसी प्रमुख फूड और क्विक कॉमर्स कंपनियों ने भी यह भरोसा दिलाया कि वे आगे से ग्राहकों को किसी तय समय सीमा में डिलीवरी का वादा नहीं करेंगी। हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इन कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इसमें डिलीवरी पार्टनर्स पर पड़ने वाले दबाव, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन और बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि सख्त समय सीमा की वजह से राइडर्स जोखिम उठाने को मजबूर होते हैं।

बैठक के बाद कंपनियों ने सरकार को आश्वस्त किया कि वे अपने ऐप, लोगो और सोशल मीडिया प्रचार से 'टाइम-बाउंड डिलीवरी' जैसे दावों को हटा देंगी। ब्लिंकिट ने इसकी शुरुआत करते हुए अपने प्लेटफॉर्म से 10 मिनट डिलीवरी का उल्लेख हटाना शुरू कर दिया है।

कंपनियों का कहना है कि अब उनका फोकस तय समय सीमा की बजाय सुरक्षित और तेज डिलीवरी पर रहेगा, ताकि डिलीवरी पार्टनर्स की सुरक्षा से कोई समझौता न हो

'10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग हटाने पर राघव चड्ढा ने केंद्र का आभार जताया

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम डिलीवरी राइडर्स और सड़कों पर चलने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेगा। सांसद राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सत्यमेव जयते। साथ मिलकर हमने जीत हासिल की है। मैं केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से '10-मिनट डिलीवरी' ब्रांडिंग को हटाने के लिए समय पर निर्णायक और संवेदनशील कदम उठाया। यह एक बहुत जरूरी कदम था, क्योंकि जब राइडर की टी-शर्ट, जैकेट और बैग पर '10 मिनट' लिखा होता है और ग्राहक की स्क्रीन पर टाइमर चलता है तो दबाव असली, लगातार और खतरनाक होता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'पिछले कुछ महीनों में मैंने सैकड़ों गिग वर्कर्स से बात की है। उनमें से कई ज्यादा काम करते हैं, कम पैसे मिलते हैं और एक अवास्तविक वादे को पूरा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। मैं हर उस नागरिक को धन्यवाद देता हूं जो हमारे साथ खड़ा रहा। आप इंसान की जिंदगी, सुरक्षा और गरिमा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहे।' उन्होंने गिग वर्कर्स से कहा, 'आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं।'

कुत्तों के काटने पर मुआवजा देना होगा

● डॉग लवर्स की जिम्मेदारी होगी तय: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

श्रीनगर। नई दिल्ली । कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, डॉग लवर्स की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणियां की। अदालत ने कहा कि वह कुत्तों के काटने पर मौत या चोट के लिए राज्य सरकारों पर मुआवजा तय करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मामले में सुनवाई के दौरान आवारा कुत्तों को खुले में खाना खिलाने वालों के रवैये पर सवाल खड़ा किए। कोर्ट ने कहा कि क्या उनके जज्बात सिर्फ कुतों के लिए है , इंसान के लिए नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि अगर किसी आवारा कुत्ते के हमले में नौ साल के बच्चे की मौत हो जाती है, तो इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों में पाए जाने वाले वायरस का जिक्र किया और कहा, 'जब बाघ आवारा कुत्तों पर हमला करके खाते हैं, उन्हें डिस्टेंपर की बीमारी हो जाती है और

आखिरकार वे मर जाते हैं।' सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने दलील दी कि इस मामले को कुत्ते बनाम इंसान के मुद्दे के तौर पर नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे जानवर बनाम इंसान का मुद्दा देखना चाहिए। पिछले साल सांप के काटने से 50 हजार लोगों की मौत हुई थी। बंदरों के काटने के मामले भी होते हैं। चूहे कंट्रोल करने के लिए भी कुत्ते जरूरी हैं। इसलिए इकोसिस्टम को बैलेंस करना होगा। मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि आवारा कुत्तों को मारने से उनकी आबादी कम नहीं होगी, और नसबंदी ही एकमात्र प्रभावी समाधान है। उन्होंने

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हर कुत्ते के काटने और हर मौत पर हम राज्यों पर जरूरी इंतजाम न करने के लिए भारी मुआवजा तय करेंगे। कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर भी जिम्मेदारी तय करेंगे। आप उन्हें अपने घर ले जाएं और वहां रखें। उन्हें घूमने, काटने, पीछा करने की इजाजत क्यों दी जानी चाहिए? कुत्ते के काटने का असर जिंदगी भर रहता है।'

कहा कि अगर रेगुलेटर ने अपना काम ठीक से किया होता, तो आज हम इस स्थिति का सामना नहीं कर रहे होते। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कोर्ट की कार्यवाही के बजाय एक पब्लिक प्लेटफॉर्म बन गया है।

जम्मू-कश्मीर टेररिज्म से टूरिज्म की ओर

● 31 आतंकी हुए ढेर: आर्मी चीफ

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील है लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में यहां 31 आतंकवादी मारे गए, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के आतंकी थे। यहां मारे गए आतंकियों में पहलगाम हमले के तीनों मुख्य अपराधी भी शामिल हैं। ये आतंकी जम्मू कश्मीर में शुरू किए गए ऑपरेशन 'महादेव' में मारे गए थे। मंगलवार को दिल्ली में एक वार्षिक प्रेसवार्ता में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि जम्मू कश्मीर में अब स्थानीय सक्रिय आतंकवादी न के बराबर है। उन्होंने बताया कि इनकी संख्या अब एकल अंक (सिंगल डिजिट) में रह गई है। यहां आतंकवादी भर्ती लगभग समाप्त हो चुकी है। सेनाध्यक्ष ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के ये स्पष्ट संकेत मिलते हैं। जम्मू कश्मीर में विकास गतिविधियां, पर्यटन का

फिर से शुरू होना और शांतिपूर्ण श्री अमरनाथ यात्रा मजबूत सकारात्मक बदलावों को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा में इस वर्ष 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आए। जम्मू कश्मीर में टेररिज्म टू टूरिज्म की थीम धीरे-धीरे आकार ले रही है।

सेनाध्यक्ष ने यहां पूर्वोत्तर में, विशेष रूप से मणिपुर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की निष्पक्ष, पारदर्शी और निर्णायक कार्रवाई तथा सरकार की सक्रिय पहलों के कारण वर्ष 2025 में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्वोत्तर की प्रमुख उपलब्धियों में शांतिपूर्ण डुरंड कप का आयोजन शामिल हैं। यहां सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे कि शिरुई लिली और संगाई जैसे सांस्कृतिक उत्सवों की वापसी हुई।

सितंबर 2025 में उग्रवादी समूहों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) का नवीनीकरण किया गया। सेनाध्यक्ष ने बताया कि म्यांमार में अस्थिरता के मद्देनजर, असम राइफल्स, भारतीय सेना और गृह मंत्रालय के समन्वय से एक व्यापक बहु-एजेंसी सुरक्षा तंत्र स्थापित किया गया है। यह तंत्र इसलिए है ताकि पूर्वोत्तर को किसी भी प्रकार के सीमा-पार प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके। म्यांमार में चुनावों के सफल आयोजन के बाद आपसी सहयोग और प्रभावी होने की संभावना जताई गई। थल सेनाध्यक्ष ने बताया कि भारतीय सेना ने वर्ष 2025 में दो पड़ोसी देशों और देश के 10 राज्यों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों को अंजाम दिया। इन अभियानों में 30,000 से अधिक लोगों को बचाया गया। वहीं पंजाब में बाढ़ के दौरान पटियाला में ढहती इमारत से सीआरपीएफ कर्मियों को सेना के हेलीकॉप्टर द्वारा बचाने की साहसिक कार्रवाई का विशेष उल्लेख किया गया। इस कार्रवाई ने सेना की त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय प्रतिबद्धता को दर्शाया।

भगवंत मान सरकार द्वारा सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक सुधार प्रस्तुत

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 13 जनवरी। संपत्ति अधिकारों की रक्षा और लंबे समय से चली आ रही कानूनी अनिश्चितता को दूर करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक फैसले में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में रहने वाले निवासियों के हित में बड़े नागरिक-केंद्रित सुधार प्रस्तुत किए हैं। मुख्यमंत्री, जिनके पास सहकारिता विभाग भी है, के निर्देशों के अनुरूप सरकार ने सहकारी हाउसिंग संपत्तियों के पंजीकरण को किफायती, सुरक्षित और कानूनी रूप से मजबूत बनाने हेतु व्यापक ढांचे को मंजूरी दी है। साथ ही राज्य के लिए स्टांप ड्यूटी की वैध वसूली भी सुनिश्चित की गई है। इस फैसले का विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब सरकार ने सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में संपत्ति के हस्तांतरण को कानूनी रूप देने के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं। इनमें से अनेक सोसायटियां दशकों से बिना पंजीकरण के रही हैं। प्रवक्ता ने कहा, मुख्यमंत्री ने कई सुधारों को मंजूरी दी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में संपत्ति के हस्तांतरण औपचारिक रूप से पंजीकृत हों, कानूनी रूप से सुरक्षित हों और नागरिकों के लिए

वित्तीय रूप से लाभकारी भी हों। साथ ही राज्य के राजस्व हितों की भी रक्षा हो सके। मुख्य प्रस्तावों का विवरण देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि सहकारी हाउसिंग सोसायटियों द्वारा उनके मूल सदस्यों के पक्ष में किए गए मूल आवंटन के दस्तावेजों को स्टांप ड्यूटी से पूर्णतः मुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया, ऐसी रजिस्ट्रेशनों को घोषित मूल्य पर केवल एक मामूली पंजीकरण शुल्क के साथ अनुमति दी जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा परिभाषित और अधिसूचित अनुसार यह छूट कानूनी वारिसों, जीवनसाथी और पात्र पारिवारिक सदस्यों को भी दी गई है, ताकि वास्तविक उत्तराधिकार के मामलों में पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। हजारों परिवारों को अपने घरों के लिए स्पष्ट कानूनी स्वामित्व प्राप्त करने में सक्षम बनाने हेतु सरकार ने 12 जनवरी, 2026 को अधिसूचित गैर-मूल आवंटियों और ट्रांसफर मामलों के लिए अत्यंत रियायती, समयबद्ध स्टांप ड्यूटी दरें लागू की हैं। प्रवक्ता ने बताया, इस निर्णय के तहत 31 जनवरी, 2026 तक पूर्ण हुई रजिस्ट्रेशनों पर स्टांप ड्यूटी 1 प्रतिशत, 28 फरवरी, 2026 तक की रजिस्ट्रेशनों पर 2 प्रतिशत और 31 मार्च, 2026 तक की रजिस्ट्रेशनों पर 3 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

शेष पृष्ठ 3 पर

मशहूर गायक समर हजारिका का निधन

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के दिग्गज गायक भूपेन हजारिका के छोटे भाई और मशहूर गायक-संगीतकार समर हजारिका का निधन हो गया है। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। परिवार की ओर से उनके निधन की पुष्टि की गई है। हाल ही में अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद मंगलवार 13 जनवरी को गुवाहाटी के निजारापार स्थित अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। 75 वर्षीय समर हजारिका अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। उनके निधन से असम की सांस्कृतिक दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जताया शोक

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने समर हजारिका के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि समर की भावपूर्ण आवाज हर मंच और अवसर को रोशन करती थी। उन्होंने असम के सांस्कृतिक परिदृश्य में अहम योगदान दिया और डॉ. भूपेन हजारिका की विरासत को आगे बढ़ाने

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समर हजारिका के जाने से असम ने एक और अनमोल और सुनहरी आवाज खो दी है। उन्होंने दिवंगत कलाकार के परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ओम शांति कहा।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नितिन नबीन 19 जनवरी को भरेंगे नामांकन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में एक अहम संगठनात्मक बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके

20 को होगी घोषणा

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन फाइल करने वाले हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहने की उम्मीद है, जो पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच नबीन के नेतृत्व में मजबूत समर्थन और विश्वास को दिखाता है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी को भाजपा की संगठनात्मक

और वैचारिक दिशा में निरंतरता और स्थिरता पर जोर देने के तौर पर देखा जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए उसके स्थापित आंतरिक संगठनात्मक ढांचे का हिस्सा है। कई वरिष्ठ नेता, केंद्रीय नेतृत्व के सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं, जिससे यह पार्टी के संगठनात्मक कैलेंडर में एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम बन जाएगा।

नामांकन प्रोसेस पूरा होने के बाद, नए भाजपा अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा 20 जनवरी को होने वाली है। उम्मीद है कि इस घोषणा से आने वाली चुनावी चुनौतियों से पहले पार्टी के नेतृत्व संरचना के बारे में स्पष्टता मिलेगी और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की संगठनात्मक रणनीति को आकार मिलेगा। राजनीतिक जानकार इन घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह नियुक्ति ऐसे अहम समय पर हो रही है जब भाजपा अपनी संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने और अपनी नेतृत्व को लंबे समय के शासन और चुनावी लक्ष्यों के साथ जोड़ने पर ध्यान दे रही है। 20 जनवरी को आधिकारिक घोषणा के बाद और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, लेकिन खरमास (अशुभ समय) के कारण पार्टी अध्यक्ष के तौर पर उनका औपचारिक पदभार ग्रहण रुका हुआ था, जो 14 जनवरी को खत्म हो रहा है।

2027 में हिमाचल में बनेगी भाजपा सरकार : अनुराग ठाकुर

● अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय युवा सम्मेलन कार्यक्रम में शिरकत की

एजेंसी

हरिद्वार। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को हरिद्वार पहुंचकर राष्ट्रीय युवा सम्मेलन कार्यक्रम में शिरकत की। हर की पैड़ी पहुंचकर उन्होंने गंगा पूजन किया और सायंकालीन आरती में भाग लिया। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने बातचीत के दौरान कहा कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व पंजाब सहित कई राज्यों में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ आएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश तेजी के साथ तरक्की कर रहा है और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। मनरेगा योजना का नाम बदलकर जी राम जी किए जाने पर उन्होंने कहा मनरेगा की जगह केंद्र सरकार जी राम जी विकसित भारत योजना लेकर आई। वह गरीब मजदूर और बेरोजगारों के लिए मनरेगा से बेहतर है, जिसमें 125 दिन मजदूरों को रोजगार मिलेगा और सीधे उनके खाते में पैसा जाएगा। ऐसे में बिचौलियों का कोई काम नहीं होगा।

आतंकियों से रिश्तों पर सख्त कार्रवाई

● सरकार ने 5 कर्मचारियों को किया बर्खास्त

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर में आतंकी संबंधों के आरोप में एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली सरकार ने पांच सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें शिक्षक, लाइनमैन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग का एक ड्राइवर भी शामिल है। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में शिक्षक मोहम्मद इश्तियाक, प्रयोगशाला तकनीशियन तारिक अहमद शाह, सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर, वन विभाग में फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट और स्वास्थ्य विभाग में ड्राइवर मोहम्मद यूसुफ शामिल हैं। मोहम्मद इश्तियाक एक शिक्षक था और उसे रेहबर-ए-तालीम के रूप में नियुक्त किया गया था तथा 2013 में उसे शिक्षक के रूप में स्थायी किया गया था। जांचकर्ताओं ने पाया कि वह पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करता था और लश्कर कमांडर मोहम्मद अमीन उर्फ अबू खुबैब, जो भारत सरकार द्वारा नामित एक व्यक्तिगत

आतंकवादी है और पाकिस्तान से काम करता है, उसके साथ नियमित संपर्क में था। अप्रैल 2022 में उसे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मरीन में एक घटना को अंजाम देने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके साथी से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया था। लैब टेक्नीशियन तारिक अहमद राह को 2011 में एक संविदा लैब टेक्नीशियन के रूप में नियुक्त किया गया था और 2016 में सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, बिजबेहरा, अनंतनाग में स्थायी किया गया था। वह शुरू में हिजबुल मुजाहिदीन के प्रभाव में आया। तारिक के लिंक उसके चाचा अमीन बाबा के 2005 में पाकिस्तान भागने की राज्य जांच एजेंसी की जांच के दौरान सामने आए। तारिक ने अमीन बाबा को अनंतनाग में रहने की सुविधा दी और अटारी-वाघा सीमा तक उसके परिवहन की व्यवस्था की। सूत्रों ने बताया, 'तारिक ने एक वांछित आतंकवादी के देश से बाहर निकलने को सुनिश्चित किया, जिससे अमीन बाबा इस्लामाबाद पहुंचा और वहां आतंकियों को प्रशिक्षण देने में सफल हुआ।' सहायक लाइनमैन बशीर अहमद मीर 1988 में पीएचई में शामिल हुआ और 1996 में नियमित हुआ। अपनी भूमिका के बावजूद, वह गुरेज, बांदीपोरा में लश्कर-ए-तैयबा का एक सक्रिय ऑन-ग्राउंड वर्कर बन गया, जो आतंकवादी गतिविधियों का मार्गदर्शन करता था, लॉजिस्टिक्स और पनाह देता था तथा सुरक्षा बलों की जानकारी साझा करता था।

उसकी भूमिका सितंबर 2021 में सामने आई, जब पुलिस ने इनपुट के आधार पर उसके घर पर एक एंटी-टेरर ऑपरेशन चलाया, जिसमें दो लश्कर आतंकवादियों को मार गिराया गया और दो एके-47 व गोला-बारूद बरामद किए गए। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के फील्ड वर्कर फारूक अहमद भट ने पहले अनंतनाग में काम किया और हिजबुल मुजाहिदीन का सक्रिय रूप से समर्थन किया।

कांग्रेस का 'मनरेगा बचाओ संग्राम' तेज, जयराम रमेश ने लोगों से आंदोलन में जुड़ने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस विकसित भारत-जी राम जी बिल (वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025) का विरोध कर रही है, जिसे केंद्र सरकार

● यह बिल दिसंबर 2025 में संसद से पास हुआ और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया।

ने मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) की जगह लाकर पारित किया है। इस बीच कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और लोगों से इस अधिनियम के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। यह बिल दिसंबर 2025 में संसद से पास हुआ और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून बन गया। कांग्रेस का आरोप है कि यह मनरेगा को कमजोर करता है और ग्रामीण मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कर

लिखा, 'मनरेगा बचाओ संग्राम देश के 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और करोड़ों लोगों तक पहुंच रहा है। भारत के करोड़ों लोगों की जीवनरेखा बन चुकी मनरेगा योजना पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया है। इसी के खिलाफ यह देशव्यापी संघर्ष काम के अधिकार, मजदूरी के अधिकार और जवाबदेही के संवैधानिक अधिकार की बहाली के लिए है। आप भी इस आंदोलन से जुड़िए।' यह पोस्ट कांग्रेस के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान का हिस्सा है, जो 10 जनवरी 2026 से शुरू हुआ और 25 फरवरी तक चलेगा। पार्टी ने संसद से पंचायत स्तर तक विरोध की योजना बनाई है, जिसमें चौपाल, रैलियां, उपवास और जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। कांग्रेस ने एक समन्वय समिति भी गठित की है, जिसमें अजय माकन संयोजक हैं और जयराम रमेश जैसे नेता शामिल हैं। कांग्रेस का कहना है कि 'विकसित भारत-जी राम जी' बिल में रोजगार की गारंटी सिर्फ नाम की है। मनरेगा में 100 दिनों का काम कानूनी हक था, केंद्र 90 प्रतिशत फंड देता था और पंचायतों को काम तय करने का अधिकार था।

केरल की पूर्व माकपा विधायक पी. आयशा पोट्टी कांग्रेस में शामिल

तिरुवनंतपुरम। केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता एवं कोट्टारक्कारा विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुकीं पी. आयशा पोट्टी मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सन्नी जोसेफ ने यहां आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल पर पोट्टी को औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष सतीशन के साथ हुई बैठक में अपनी मांगें माने जाने के बाद पोट्टी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का फैसला लिया। उनकी मांग थी कि आगामी विधानसभा चुनाव में कोट्टारक्कारा विधानसभा क्षेत्र से उन्हें पार्टी का उम्मीदवार बनाया जाए।

चार साल में 3 राज्यों में ईडी चुनाव से कुछ समय पहले कर चुकी है बड़ी कार्रवाई

–पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले ईडी की बढ़ती सक्रियता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला कोलकाता में आई-पीएसी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी का है, जिसमें सीएम ममता बनर्जी और ईडी आमने-सामने आ गए हैं। बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होना हैं। इससे पहले 4 साल में 3 राज्यों झारखंड, दिल्ली, महाराष्ट्र में ऐसा हो चुका है, जब ईडी ने पुराने मामलों में चुनाव से कुछ समय पहले बड़ी कार्रवाई की है।

इस साल बंगाल समेत तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होना हैं। इसके साथ इन राज्यों में ईडी ने पुराने मामलों की फाइलें खोलना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु में शराब, रियल एस्टेट और शेल कंपनियों से जुड़े मामले सत्ताधारी डीएमके के लिए परेशानी बन गए हैं। वहीं असम में बीजेपी की सरकार है। विपक्षी कांग्रेस और एआईयूडीएफ से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई का डर चुनावी फंडिंग नेटवर्क पर असर डाल रहा है। केरल में सोना तस्करी और सहकारी बैंक मामलों से एलडीएफ सरकार घिरी हुई है। पुडुचेरी में कारोबारी और राजनीतिक गठजोड़ पर एजेंसी की नजर है।

बता दें झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद दबाव बना था। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आप का ताना-बाना बिगाड़ दिया था। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी से जुड़े मामलों के बीच दल टूटे और सरकारें गिरीं। कई बार चार्जशीट से पहले ही राजनीतिक समीकरण बदल गए। हालांकि इडी का कहना है कि उसका काम केवल कानून के तहत जांच करना है, चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में आई-पीएसी मामला 5 साल पुराना, लेकिन पहला छापा चुनाव से 2-3 महीने पहले मारा गया। ईडी ने कोयला तस्करी से जुड़े 2,742 करोड़ के मनी-लॉन्डरिंग मामले के तहत 8 जनवरी को इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के कार्यालय और निर्देशक प्रतीक जैन के घर छापेमारी की थी। सीबीआई ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। यह मामला अब 5वें साल में है, लेकिन कार्रवाई ठीक उस वक्त सामने आई, जब बंगाल में मार्च-अप्रैल 2026 में चुनाव होने हैं।

आई-पीएसी भारत की पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है, जो राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। आरोप है कि 20 करोड़ हवाला के जरिए आई-पीएसी तक ट्रांसफर हुए। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने जांच में बाधा डाली और सबूत नष्ट किए। दिल्ली में 2022 के मामले में 2024 में सीएम अरेस्ट हुए, 2025 में चुनाव थे। 2022 में शराब नीति मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में सीबीआई और ईडी जांच की शुरुआत हुई। फरवरी 2023 में इस मामले में मनीष सिसोदिया और मार्च 2024 में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई। फरवरी 2025 में विधानसभा चुनाव हुए और बीजेपी सत्ता पर काबिज हो गई।

वहीं झारखंड में अगस्त 2023 में ईडी ने भूमि और मनी-लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। दिसंबर में पूछताछ हुई। जनवरी 2024 में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को इस मामले में गिरफ्तार कर

लिया। इसके बाद उन्हें अपना सीएम पद छोड़ना पड़ा था। नवंबर 2024 में चुनाव हुए। हालांकि, हेमंत सोरेन की पार्टी जीती और वे फिर सीएम बन गए।

महाराष्ट्र में 2021 के मामले में 3 साल बाद चुनाव से 6 दिन पहले छापेमारी की। 14 नवंबर 2024 को ईडी ने महाराष्ट्र और गुजरात में 23 स्थानों पर छापेमारी की और व्यापारी सिराज अहमद हारुन मेमन से जुड़े 125 करोड़ रुपए के मनी-लॉन्ड्रिंग और चुनावी फंडिंग ट्रेल को खंगाला। 20 नवंबर 2024 को चुनाव से छह दिन पहले इस मामले में विपक्षी दलों पर नोट और वोट जिहाद के आरोप लगे। इस चुनाव में बीजेपी ने जी हासिल की।

डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की जांच करेगी सीबीआई, सरकार ने पेश की स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान मामले में केंद्र सरकार ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश कर दी है। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया है कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों की गंभीरता को देखते हुए जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसके लिए एक ठोस, समन्वित योजना बनाई जा रही है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि कोर्ट के 16 दिसंबर 2025 के आदेश के मुताबिक दिल्ली पुलिस की एफआईआर को अब सीबीआई को सौंप दिया गया है। इसके बाद सीबीआई ने 9 जनवरी को इस मामले में नई एफआईआर दर्ज की है। इसका उद्देश्य डिजिटल अरेस्ट से जुड़े नेटवर्क और अपराध के पूरे ढांचे की गहराई से जांच करना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टेटस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट की समस्या से निपटने के लिए एक हाई–लेवल इंटर–डिपार्टमेंटल कमेटी का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा के विशेष सचिव कर रहे हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, विदेश मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, कानून मंत्रालय, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, आरबीआई, सीबीआई, एनआईए, दिल्ली पुलिस और इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक समिति की पहली बैठक 29 दिसंबर को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और एमिकस क्यूरी के सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके बाद 2 जनवरी को एमिकस क्यूरी के साथ एक विशेष बैठक हुई, जिसमें दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, आरबीआई और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के प्रतिनिधि शामिल थे। वहीं, 6 जनवरी को आईटी इंटरमीडियरीज जैसे गूगल, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और माइक्रोसॉफ्ट के साथ भी बैठक की गई। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि सभी विभागों से सुझाव लेकर एक ठोस और व्यापक योजना तैयार करने के लिए उसे कम से कम एक महीने का समय दिया जाए, ताकि डिजिटल अरेस्ट जैसी गंभीर समस्या से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।

उत्तरप्रदेश में 15 जनवरी को मकर संक्रांति का अवकाश... योगी सरकार का ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मकर संक्रांति 2026 के मौके पर 15 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी सरकारी कार्यालय, स्कूल और राज्य संचालित संस्थान में 15 को अवकाश रहेगा। आमतौर पर मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाती है, लेकिन इस वर्ष सूर्य देव 14 को दोपहर 3ः13 बजे मकर राशि में प्रवेश कर रहे है। चूंकि संक्रांति के धार्मिक अनुष्ठान प्रायः सुबह होते हैं, इसलिए सही शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी को पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। इस मौके पर प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, उन्नाव, मेरठ और बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। लोग गंगा और सरयू में पवित्र स्नान और दान करने वाले है। इसी तरह, ऋषिकेश और हरिद्वार में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलेगी। मकर संक्रांति को खिचड़ी त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है और इस सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के दिन मनाया जाता है। इस बार शुभ मुहूर्त और धार्मिक परंपराओं के आधार पर 15 जनवरी को उत्सव मनाना उचित माना गया है।

अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत मंजूर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत देकर गैंगस्टर एक्ट के मामले में नियमित जमानत मंजूर कर ली है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी किया। इससे पहले कोर्ट ने मार्च 2024 में उन्हें अंतरिम जमानत दी थी और सितंबर 2024 में जमानत की कुछ शर्तों में ढील भी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि अंसारी के सार्वजनिक रूप से बोलने पर कोई पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। अंसारी जनप्रतिनिधि होने के नाते वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन अपने खिलाफ चल रहे विचाराधीन मामलों पर सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकते है। कोर्ट ने अनुमति दी थी कि वे लखनऊ स्थित अपने पुराने पते के बजाय किसी अन्य स्थान पर रह सकते हैं, बशर्ते इसकी सूचना यूपी पुलिस और निचली अदालत को दी जाए। अब्बास अंसारी पर अगस्त 2024 में मारपीट और जबरन वसूली के आरोपों के तहत उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी–सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले वे अन्य आपराधिक मामलों में पहले ही जमानत पा चुके थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिसंबर 2024 में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें बड़ी कानूनी राहत मिली है।

डिलीवरी बॉय से बदसलूकी का वीडियो वायरल, स्टोर मालिक पर केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के ओल्ड कोंडली इलाके में एक क्विक–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाले 18 वर्षीय डिलीवरी बॉय के साथ दुकान मालिक द्वारा की गई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। आरोप है कि डिलीवरी बॉय ने दुकान से परफ्यूम निकालकर खुद पर छिड़क लिया था, जिससे नाराज होकर स्टोर मालिक ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया। पीड़ित की पहचान ओल्ड कोंडली निवासी ऋषा कुमार के रूप में हुई है, जो जेप्टो कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता है। वायरल वीडियो के मुताबिक, 6 जनवरी की इस घटना में स्टोर मालिक ने पहले ऋषा कुमार को दुकान में ही फ्रमुर्गाफ्र बनाकर खड़ा रखा और बाद में सबके सामने उसे कई थप्पड़ मारे। यह पूरी घटना दुकान में मौजूद लोगों के सामने हुई, जिसका 43 सेकंड का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस स्टोर मालिक से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि ऋषा कुमार उर्फ लाला बाबू अपने परिवार के साथ हरिजन बस्ती, ओल्ड कोंडली में रहता है और गिग वर्कर के रूप में काम करता है। इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस और दिल्ली यूथ कांग्रेस ने वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर शर्मनाक बताकर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 4 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट सोशल सिक्योरिटी रूल्स जारी किए हैं। इन नियमों के लागू होने से गिग वर्कर्स को जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाएं गिग वर्कर्स की सुरक्षा और सम्मान को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

केंद्र ने एनआईए को सौंपी अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हाथों में सौंप दी है। यह मामला दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से एनआईए को स्थानातंरित किया है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए भारत में बांग्लादेशी नागरिकों की अवैध घुसपैठ कराने वाले पूरे नेटवर्क, उसके ऑपरेटर्स और मनी ट्रेल की गहराई से जांच करेगी। एजेंसी इस मामले में जल्द एक नई एफआईआर भी दर्ज कर सकती है। दरअसल यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर की गई है, इसके बाद देशभर में अवैध घुसपैठ के खिलाफ सख्ती बढ़ाई गई है। जांच एजेंसियों का फोकस उन संगठित सिंडिकेट्स पर है, जो बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, ठहराने और उन्हें फर्जी दस्तावेज उपलब्ध करने की साजिश में लगे हुए है। सूत्रों ने बताया कि जांच के दायरे में फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य पहचान पत्र बनवाने वाला पूरा नेटवर्क है।

इन दस्तावेजों के द्वारा घुसपैठियों को भारतीय नागरिक सुविधाएं और वोटिंग का अधिकार दिलाने की कोशिश की जाती है, बहुत हद तक सिंडिकेट को इसमें सफलता भी मिल जाती है। इसके लिए संगठित गिरोहों द्वारा मोटी रकम वसूली जाती है, जिसकी मनी ट्रेल की जांच एनआईए करेगी। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने मामले में पहले एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आपराधिक साजिश, जालसाजी और विदेशी अधिनियम से जुड़ी धाराएं लगाई गई थीं। खुफिया इनपुट के आधार पर कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी की गई हैं, जिससे यह साफ हुआ कि यह नेटवर्क सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं है।

फडणवीस के बयान पर संजय राउत का पलटवार... मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, भाजपा से खतरा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर तीखा पलटवार कर कहा है कि मराठी मानुष को ठाकरे परिवार से नहीं, बल्कि भाजपा से खतरा है। सीएम फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं के ÷अस्तित्व खतरे में÷ होने की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री को ठाकरे परिवार की नहीं, बल्कि अपनी राजनीति की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ठाकरे परिवार किसी भी तरह की धमकियों का सामना करने में सक्षम है और डरने वाला नहीं है।

दरअसल प्रेसवार्ता में सांसद संजय राउत ने कहा, 'देवेंद्र भाऊ, हमारी चिंता मत कीजिए। हम आपकी तरह डरे हुए नहीं हैं। हम न फर्जी मतदाता सूची बनाते हैं और न ही चुनाव जीतने के लिए पैसा बांटते हैं।' राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ही मराठी मानुष के अस्तित्व के लिए खतरा बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 'भूमिपुत्र' का मुद्दा बीते 60 वर्षों से महाराष्ट्र में प्रासंगिक रहा है और यह केवल ठाकरे बंधुओं का नहीं, बल्कि पूरे मराठी समाज का सवाल है। राउत ने कहा कि शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने ही भाजपा को महाराष्ट्र में मजबूती दी। यदि बालासाहेब न होते, तब भाजपा को कोई नहीं जानता। उन्होंने आरोप लगाया कि फडणवीस द्वारा ठाकरे बंधुओं पर सवाल उठाना, दरअसल बालासाहेब ठाकरे को चुनौती देने जैसा है।

इसके पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवाजी पार्क में संयुक्त रैली को संबोधित कर ठाकरे बंधुओं पर हमला बोला था। फडणवीस ने सवाल किया था कि यदि मराठी मानुष खतरे में है, तब पिछले 30 वर्षों में ठाकरे बंधुओं ने उसके लिए क्या किया। उन्होंने दावा किया कि मराठी मानुष का नहीं, बल्कि ठाकरे बंधुओं का अस्तित्व खतरे में है और बीएमसी का नया मेयर महायुति से, हिंदू और मराठी होगा।

अगर कुत्ते के काटने से कोई मौत या घायल होता है तो सरकार पर होगा मुआवजा तय

–सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई करते हुए की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले पर मंगलवार को अहम टिप्पणी की। बेंच ने चेतावनी दी कि अगर किसी कुत्ते के काटने से कोई मौत होती है या कोई घायल होता हैं, तो राज्य सरकार पर हर ऐसे मामले के लिए मुआवजा तय किया जाएगा, क्योंकि उन्होंने कुछ नहीं किया। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जो लोग कुत्तों को खाना खिलाने का दावा करते हैं, उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। बेंच ने पूछा कि अगर आप कुत्तों को इतना चाहते हैं तो इन्हें अपने घर ले जाइए। कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमें, लोगों को काटें और डराएं?

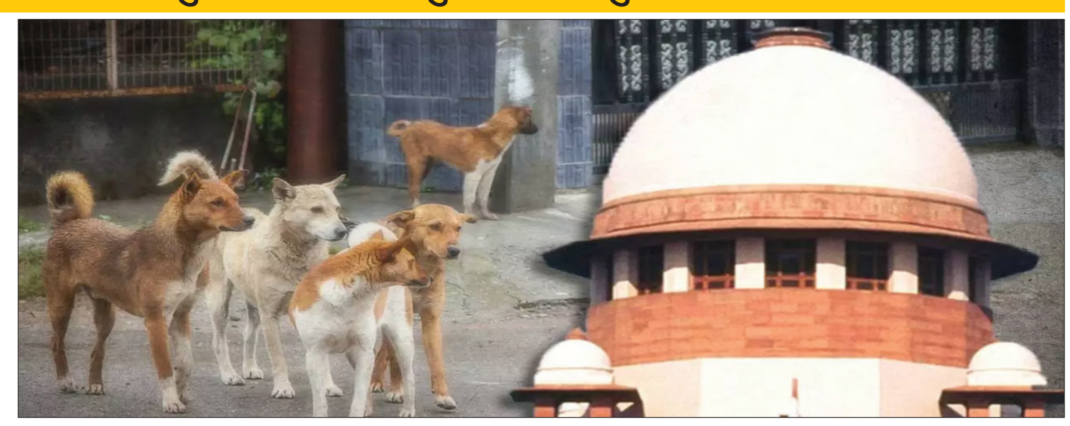

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के उस बयान के जवाब में आई, जिन्होंने कहा था कि आवारा कुत्तों का मुद्दा भावनात्मक है। बेंच ने उनसे कहा कि भावनाएं अब तक सिर्फ कुत्तों के लिए ही लग रही हैं। इस पर गुरुस्वामी ने जवाब दिया कि ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतना ही चिंतित हूं। कुत्ते के काटने की शिकार एक महिला ने भी कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मैं इस बात से सहमत हूं कि एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को सही से लागू करने पर कुत्तों की आक्रामकता और उनकी संख्या को कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन मुझे एक कुत्ते ने बिना किसी उकसावे के काट लिया था। महिला ने बेंच को बताया कि वह कुत्ता लंबे समय से क्रूरता का शिकार था। यह डर के कारण होने वाली रक्षात्मक आक्रामकता थी। मैं किसी और के किए हुए कार्यों की सजा भुगत रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा था कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए कोर्ट ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं। सीनियर वकील ने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और दिल्ली में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। जज मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

अंकिता भंडारी हत्याकांडः सरकार ने सीबीआई जांच के लिए भेजा पत्र, पूर्व विधायक नार्को टेस्ट के लिए तैयार

देहरादून (एजेंसी)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग और वीआईपी की भूमिका को लेकर जारी विवाद के बीच उत्तराखंड सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को सरकार ने इस संवेदनशील मामले की सीबीआई जांच के लिए औपचारिक पत्र भेज दिया है। वहीं पूर्व विधायक भी नार्को टेस्ट कराने के लिए सहमत हो गए हैं। मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगौली ने इस कदम की पुष्टि करते हुए बताया कि अंकिता के माता-पिता की भावनाओं और उनकी मांग का सम्मान करते हुए, विशेष रूप से उस वीआईपी की भूमिका की जांच का अनुरोध किया गया है जिसका नाम बार-बार इस प्रकरण में सामने आता रहा है। सरकार द्वारा भेजे गए इस पत्र में हत्याकांड का पूरा ब्योरा दिया गया है और केंद्रीय जांच एजेंसी से गहन पड़ताल का आग्रह किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी ने हाल ही में देहरादून में मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने वीआईपी की संलिप्तता की जांच सीबीआई से और सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में कराने की गुहार लगाई थी। कानूनी

पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, मुख्यमंत्री ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अंकिता को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और जांच की आंच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस मामले से जुड़े एक कथित ऑडियो-वीडियो के वायरल होने के बाद कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। इस प्रकरण में आरोपों के घेरे में आए पूर्व विधायक सुरेश राठौर सोमवार देर रात नेहरू कॉलोनी थाने पहुंचे, जहां पुलिस अधिकारियों ने उनसे लंबी पूछताछ की। पुलिस का मुख्य ध्यान उस ऑडियो क्लिप पर रहा जिसमें कथित तौर पर पूर्व विधायक की आवाज होने का दावा किया जा रहा है। पूछताछ के दौरान राठौर ने स्वीकार किया कि आवाज उनकी हो सकती है, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि उस समय वे पूरी तरह होश में नहीं थे। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों और नींद की दवाओं के सेवन का हवाला देते हुए कहा कि यह बातचीत उनकी सहमति के बिना रिकॉर्ड की गई थी, इसलिए इसे प्रमाणित नहीं माना जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन पूर्व विधायक के जवाबों से पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आया, जिसके बाद जांच को वैज्ञानिक दिशा देने की कवायद शुरू की गई। पुलिस ने सुरेश राठौर के सामने वॉयस सैंपल देने और नार्को टेस्ट कराने का विकल्प रखा। पूर्व विधायक ने नार्को टेस्ट के लिए अपनी लिखित सहमति दे दी है। अब पुलिस फॉरेंसिक लैब के माध्यम से आवाज के मिलान और नार्को टेस्ट की प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाएगी। सरकार और पुलिस दोनों ही इस मामले में निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच का भरोसा दे रहे हैं, ताकि लंबे समय से चले आ रहे इस हत्याकांड के रहस्य से पर्दा उठ सके और असल दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से कैसे कटे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया के तहत पश्चिम बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इस पर राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी ने घोर आपत्ति उठाई है। टीएमसी ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस पर न्यायालय ने साफ कहा है कि चुनाव आयोग ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों के नाम कैसे काट दिए। इस पर एक हफ्ते के भीतर जवाब दें। याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई और एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस मामले को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता की एक बड़ी चुनौती करार दिया है।

सांसद डोला सेन द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान वैध दस्तावेजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों मतदाताओं के नाम अवैध रूप से हटा दिए गए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में दलील दी कि चुनाव आयोग जमीनी स्तर के अधिकारियों को व्हाट्सऐप मैसेज और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौखिक निर्देश दे रहा है, जो पूरी तरह से असंवैधानिक और गलत है। सिब्बल ने मांग की कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्देश लिखित रूप में होने चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जोयमल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील को सख्त निर्देश दिए कि वे शनिवार तक अपना पक्ष स्पष्ट करें। मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 19 जनवरी को तय की गई है। डोला सेन ने कोर्ट से 15 जनवरी की समयसीमा को आगे बढ़ाने की भी गुहार लगाई है, जो दावों और आपत्तियों को दर्ज करने की अंतिम तारीख है। याचिका में यह भी स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल में 16 दिसंबर को प्रकाशित ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में 58 लाख से अधिक नाम काट दिए गए। आरोप है कि यह कार्रवाई बिना किसी व्यक्तिगत सुनवाई या पूर्व नोटिस के की गई है, जिससे वोटर्स की कुल संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गई है। याचिका में मांग की गई है कि पंचायत निवास प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर और स्थायी निवास प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों को वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने के लिए वैध माना जाए। याचिकाकर्ता को आशंका है कि दोषपूर्ण फाइनल रोल के तुरंत बाद बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है, जिससे लाखों योग्य मतदाता अपने मताधिकार से वंचित रह जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अब आयोग से इस पूरी प्रक्रिया और विसंगतियों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

सत्ता की पटरी पर लौटेगी कांग्रेस या दक्षिण में विस्तार करेगी बीजेपी? 2026 की सियासी अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति के लिहाज से साल 2026 बेहद अहम माना जा रहा है। यह साल जहां बीजेपी के लिए अपने राजनीतिक विस्तार और मौजूदा राज्यों में सत्ता बचाने की कसौटी बनने जा रहा, वहीं कांग्रेस के लिए दोबारा सियासी पटरी पर लौटने का बड़ा इम्तिहान होगा। इसके साथ ही वामदलों के सामने अपने आखिरी गढ़ को बचाने की चुनौती है और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के लिए भी सत्ता में बने रहना आसान नहीं होगा।

साल 2026 में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव भी होने हैं। इन चुनावों के नतीजे न केवल राज्यों की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय सियासी दिशा भी तय करेंगे। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक–दोनों के सामने अलग-अलग लेकिन गंभीर चुनौतियां हैं। बीजेपी के सामने असम में सत्ता बरकरार रखने के साथ-साथ दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की चुनौती है। असम में लगातार तीसरी बार जीत की उम्मीद लगाए बीजेपी को इस बार कांग्रेस के मजबूत होते संगठन से कड़ी टक्कर मिल सकती है। पुडुचेरी में भी गठबंधन सरकार को दोहराना आसान नहीं माना जा रहा। वहीं केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में बीजेपी अब तक सीमित प्रभाव ही छोड़ पाई है। पश्चिम बंगाल में तमाम प्रयासों के बावजूद पार्टी अभी भी दूसरे नंबर पर है और ममता बनर्जी की मजबूत पकड़ उसके लिए बड़ी बाधा बनी हुई है।

कांग्रेस के लिए डगर है कठिन

कांग्रेस के लिए 2026 और भी कठिन माना जा रहा है। जिन पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें कांग्रेस सिर्फ तमिलनाडु में सत्ता गठबंधन का हिस्सा है। असम और केरल में उसे वापसी की उम्मीद है, लेकिन आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व को लेकर असमंजस उसकी राह कठिन बना रहा है। केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ और वामपंथी एलडीएफ के बीच सीधा मुकाबला होगा, जहां लेफ्ट पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में है।

वामदलों के लिए अस्तित्व की लड़ाई

वामदलों के लिए 2026 अस्तित्व की लड़ाई जैसा है। बंगाल और त्रिपुरा में सत्ता गंवाने के बाद अब केवल केरल ही उनका आखिरी मजबूत किला बचा है। यदि यहां भी हार मिली तो राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और सिमट सकती है।

वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को सत्ता विरोधी माहौल, बीजेपी के आक्रामक अभियान और कांग्रेस-लेफ्ट की चुनौती से जूझना होगा। तमिलनाडु में डीएमके की

स्थिति मजबूत दिखती है, लेकिन सत्ता विरोधी रुझान और विपक्षी गठजोड़ उसे सतर्क रहने को मजबूर कर रहे हैं।

कुल मिलाकर 2026 का चुनावी साल हर बड़े दल के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। अब देखना यह होगा कि कौन अपनी चुनौतियों पर खरा उतरता है और किसकी सियासी गाड़ी पटरी से उतरती है।

पूर्वी दिल्ली में मिलेगा आशियाना, डीडीए टावरिंग हाइट्स स्कीम लॉन्च; 23 जनवरी से शुरू होगी बुकिंग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए डीडीए खास मौका लेकर आया है। डीडीए ने कड़कड़डूमा इलाके में टॉवरिंग हाइट्स स्कीम शुरू कर दी है। ये योजना पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर लागू होगी। फ्लैटों की बुकिंग 23 जनवरी से शुरू होगी। इस योजना में कुल 848 दो बीएचके फ्लैट दिए जा रहे हैं। इनमें से 741 फ्लैट आम नागरिकों के लिए हैं, जबकि 107 फ्लैट सरकारी संस्थानों के लिए अलग रखे गए हैं। सभी फ्लैट कड़कड़डूमा ईस्ट दिल्ली हब में बनाए जा रहे हैं। इनका निर्माण 90 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है। आम खरीदारों के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन होगा। जो लोग घर खरीदना चाहते हैं, वे डीडीए के आवास पोर्टल eser-vices.dda.org.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल पर पहली बार पंजीकरण कराने के लिए 2,500 रुपये शुल्क देना होगा। जो लोग पहले से पंजीकृत हैं, उन्हें दोबारा शुल्क नहीं देना पड़ेगा। हर फ्लैट के लिए 4 लाख रुपये की बुकिंग राशि तय की गई है। यह राशि वापस नहीं होगी, लेकिन फ्लैट की कुल कीमत में जोड़ दी जाएगी। डीडीए ने स्पष्ट किया है कि एक व्यक्ति सिर्फ एक श्रेणी में एक से अधिक फ्लैट भी बुक कर सकता है। सरकारी संस्थानों के लिए कड़कड़डूमा के आरएच-2 ब्लॉक में पीरपंजाल, विंध्य, शिवालिक और सतपुड़ा टावरों के 107 फ्लैट तय किए गए हैं। थोक खरीद के लिए कम से कम 10 फ्लैट लेने होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालय, विभाग, विश्वविद्यालय, पीएसयू और स्वायत्त संस्थान इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन डीडीए के प्रधान आयुक्त (आवास) कार्यालय में जमा कराने होंगे। भुगतान को लेकर डीडीए ने बताया कि फिलहाल फ्लैट निर्माणाधीन हैं, इसलिए कुल कीमत का केवल 75 फीसदी ही देना होगा। शेष 25 फीसदी राशि तब ली जाएगी, जब फ्लैट पूरी तरह बनकर कब्जे के लिए तैयार हो जाएंगे। डीडीए के मुताबिक जुलाई तक फ्लैट तैयार होने की संभावना है। फ्लैट की घोषित कीमत में रखरखाव शुल्क, जीएसटी, कन्वर्जन शुल्क और पानी कनेक्शन शुल्क शामिल नहीं हैं। वर्तमान में फ्लैटों पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। योजना का विस्तृत ब्रोशर 8 जनवरी को मिलेगा। उसी दिन से पंजीकरण भी शुरू होगा।

बनारस में बनेगा प्रदेश का पहला संस्कृत गांव, पहले चरण में पांच का चयन

वाराणसी। सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा और शास्त्रीय ज्ञान की वैश्विक धरोहर काशी अब एक बार फिर इतिहास रचने जा रही है। इसके लिए पहले चरण में प्रदेश के पहले पांच संस्कृत गांव काशी में तैयार होंगे। संस्कृत भारती काशी प्रांत की टीम ने इसके लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। 14 जनवरी के बाद इसकी घोषणा होगी। संस्कृत भारती ने प्रदेश के पहले संस्कृत गांवों को बनाने की दिशा में सर्वे का काम शुरू कर दिया है। पांच गांवों को गोद लिया जाएगा। 14 जनवरी को बैठक के बाद पहले गांव के नाम की घोषणा की जाएगी। एक वर्ष के लिए गांव को संस्कृत भारती गोद लेकर संस्कृत गांव की तरह तैयार करेगी। चयन प्रक्रिया में उन गांवों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनकी आबादी लगभग एक हजार है, ताकि सीमित जनसंख्या के बीच संस्कृत के प्रयोग को प्रभावी और स्थायी बनाया जा सके। संस्कृत भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में बताया कि काशी की आत्मा संस्कृत में ही निहित है। ऐसे में संस्कृत गांव की अवधारणा केवल प्रतीकात्मक नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह व्यावहारिक होगी। इसे भी पढ़ें; पूजा के नाम पर ठगी' मटके में रखवाए गहने, मौका मिलते ही जेब में भरकर निकले; शक होने पर पकड़े गए दो फर्जी बाबा चयनित गांवों में दैनिक अभिवादन, सामान्य संवाद, सूचना आदान-प्रदान और सामाजिक आयोजनों में संस्कृत भाषा इस्तेमाल की जाएगी। गांवों के प्रवेश द्वार, गलियों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर संस्कृत में सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों को सरल और बोलचाल की संस्कृत का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि भाषा बोझ न बने, बल्कि सहज संवाद का माध्यम बने। एक वर्ष तक ग्रामीणों को संस्कृत का प्रशिक्षण देने के लिए संस्कृत भारती की टीम गांव में ही प्रवास करेगी। हम चाहते हैं कि बातचीत, अभिवादन और सार्वजनिक संवाद संस्कृत में सहज रूप से हो सके। शहरी स्तर पर भी संस्कृत को व्यापक पहचान देने की तैयारी है। वाराणसी के रेलवे स्टेशनों और लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संस्कृत में घोषणाएं कराने जाने की योजना है। इसके साथ ही स्टेशन, एयरपोर्ट और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नाम पट्ट और दिशासूचक बोर्ड संस्कृत भाषा में अंकित किए जाएंगे। बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। दुकानदारों को अपनी दुकानों के नाम संस्कृत में लिखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से काशी को संस्कृत नगरी घोषित करने की मांग की जाएगी। इसका खाका तैयार कर लिया गया है और जल्द ही इसे केंद्र सरकार को भी भेजा जाएगा। काशी पहले से ही काशी हिंदू विश्वविद्यालय, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुकुलों और वैदिक पाठशालाओं के माध्यम से संस्कृत अध्ययन का प्रमुख केंद्र रही है। प्रो. द्विवेदी के मुताबिक संस्कृत विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा संस्कृत है। हर सनातनी के घर में किसी न किसी रूप में संस्कृत का उच्चारण होता है। इसके लिए संस्कृत भारती अभियान शुरू करने जा रही है कि हर सनातनी अपनी भाषा के कालम में संस्कृत को दर्ज करे। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में डेढ़ लाख छात्र-छात्राएं संस्कृत का अध्ययन कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले पांच वर्षों में कम से कम 50 करोड़ लोग संस्कृत से जुड़ें। प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि संस्कृत को जनभाषा बनाने के लिए काशी के संतों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों के साथ लगातार बैठक हो रही है। 14 जनवरी के बाद काशी से संस्कृत को जनभाषा बनाने का अभियान शुरू होगा। संस्कृत भारती विश्व के 18 देशों के

प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को प्रेमी युगल ने ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। साथ ही उनके घरवालों को सूचना दे दी गई है। घटना तालकटोरा थाना इलाके के आलमनगर स्टेशन के पासकी है। युवक की पहचान निशातगंज के न्यू हैदराबाद निवासी सूर्यकांत (40) व युवती की पहचान अर्जुनगंज निवासी दीपाली (25) के रूप में हुई है। बताया गया कि सूर्यकांत पहले से विवाहित था, जबकि दीपाली अविवाहित थी। प्रारम्भिक जांच में पता चला कि दो दिन पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दीपाली की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

NAME CHANGE

I, Ruk Soni Sharma S/o Mahesh Chand Sharma R/o 2A/63, Second Floor, Faridabad-121001, Haryana have changed my name to Aditya Sharma for all future purposes

NAME CHANGE

I, Sarvashe Sharma W/o Mahesh Chand Sharma R/o H. No. 518/519, Sector-3, Ballabhgarh, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Sarvesh Devi for all future purposes

गन्ने के खेत में मजदूर पर बाघ ने किया हमला

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के दुधवा टाइगर रिजर्व के मझगईं वन रेंज के अंतर्गत आने वाले बेला कलां क्षेत्र में बाघ का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को गन्ना छीलने गए 60 वर्षीय मजदूर पर बाघ ने हमला कर दिया। किसानों के साहस और शोर-शराबे के कारण बाघ मजदूर को छो?कर जंगल की ओर भाग निकला। घायल मजदूर को गंभीर अवस्था में पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बेलाकलां निवासी वाजिद अली (60 वर्ष) गांव के ही अरुण सिंह के खेत में मजदूरी पर गन्ना छीलने गए थे। दोपहर के समय जब वह काम कर रहे थे कि तभी झाड़ियों से निकलकर आए बाघ ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। बाघ ने वाजिद की पीठ और हाथ पर अपने पंजों से गहरे घाव कर दिए। चीख-पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे अन्य मजदूर और किसान हाथों में गन्ना लेकर बाघ की ओर दौड़े और शोर मचाया। इस पर बाघ वाजिद को छो?कर गन्ने के खेत में ओझल हो गया। किसानों ने घायल के परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से घायल वाजिद अली को पलिया सीएचसी ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत फैली हुई है। किसान खेतों पर जाने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि बाघ को जल्द से जल्द पक? कर आबादी वाले क्षेत्र से दूर भेजा जाए ताकि लोग सुरक्षित होकर खेतीबाड़ी कर सकें। मझगईं रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को देखते हुए पहले से ही पिंजरा लगाया गया है। शनिवार सुबह भी बाघ को क्षेत्र में देखा गया था। वन विभाग की टीम लगातार गश्त कर रही है। घटनास्थल का निरीक्षण कर वहां भी पिंजरा लगाया जाएगा और ग्रामीणों को समूह में निकलने की सलाह दी गई है।

NAME CHANGE

I,RAVI S/o Ratan Mehto R/o A-239, Inder Enclave-2, Suleman Nagar, Kirari, Delhi-110086, changed my name to RAVI KUMAR permanently.

NAME CHANGE

I SONIA W/O VEDPAL TANWAR R/O A-5, ASOLA FATEHPUR BERI, MEHRAULI, DELHI-110074 have changed my name to SONIA TANWAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I VED PAL S/O KRISHAN LAL R/O A-5, ASOLA FATEHPUR BERI, MEHRAULI, DELHI-110074 have changed my name to VEDPAL TANWAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Qamar Ahmed Khan S/o Mohd Ahmed R/o H.No.289, Ahata Kambal, Posh Basti Hazrat Nizamuddin, Dargah Sharif, Delhi-110013 have changed my name to Mohammad Qamar.

NAME CHANGE

I AJAY PRASAD VERMA S/O MAHAVIR IAL R/o,HANS ENCLAVE,NAHARPUR RUPA,GURGAON,122001,HARYANA,INDIA HAVE CHANGED MY NAME TO AJAY PRASAD

NAME CHANGE

I NARENDAR KUMAR S/O PREM PRAKASH R/O H.NO -10588 STREET NO -4, 2 ND FLOOR NEAR KRISHNA GALI PRATAP NAGAR DELHI- 110007, I have changed my name to NARENDAR KUMAR DUGGAL Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF PLOT NO. 26 OF LAND AREA MEASURING 100 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 19, SITUATED IN VILLAGE KHANPUR JAPTI, GUNJAN GARDEN, PARGANA & TEHSIL LONI, GHAZIABAD, U.P. I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 23.10.2013 EXECUTED BY MR. NAKUL IN FAVOUR OF MRS. VEERWATI (DOC. NO. 42645, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 26109, ON PAGES 237-256, ON DT. 23.10.2013, SRO-4-GHAZIABAD). HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. MONI S/O MR. DHARMENDRA KHARI R/O, H NO-110 INDRA VIHAR KHANPUR JAPTI GHAZIABAD U.P. AND SAID OWNER MRS. MONI PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 19.02.2024 EXECUTED BY MRS. VEERWATI IN FAVOUR OF MRS. MONI. NOW MRS. MONI WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्री वेद प्रकाश, पुत्र श्री प्रहलाद सिह पता फलैट नं0 255, प्रथम तल, एम सी डी फलैट, ब्लाक-13, रोहिणी सेक्टर-20, नई दिल्ली-110086 ने अपने पुत्र विकास आयु करीब 28 वर्ष को उसके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्र नैतिक व अनैतिक कार्य करता है तो वह उनका स्वयं का जोखिम होगा इसमें मेरे मुविक्कल का कोई लेना देना नहीं होगा।

मनोज कुमार, अधिवक्ता
चैम्बर नं0 639, जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

NAME CHANGE

I, FAYYAZUDDIN S/o Naseeruddin R/o 5833/4, T.H.F.L, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi-110006, changed my name to FAIYAZUDDIN permanently.

NAME CHANGE

I, HEENA NAAZ W/o FAIYAZUDDIN R/o 5833/4, T.H.F.L, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi-110006, changed my name to HINA NAAZ permanently

NAME CHANGE

I, Mohd Kasim S/O Abdul Salam R/O P-5 Gaffar manjil Extn.2 jamia nagar Delhi 110025 Changed my name to Mohammad Kasim

NAME CHANGE

I,Kaikasha W/O Mohammad Kasim R/O P-5 Gaffar manjil Extn.2 jamia nagar Delhi 110025 Changed my name to Khakasa

NAME CHANGE

I, PRERANA W/o ARIHANT JAIN R/o H NO- D-1/51, GALI NO-3, ASHOK NAGAR, NAND NAGRI, DELHI-110093 have changed my name to PRERNA JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, AAISHA BANO W/O ISHAN GAUHAR, R/o VILLAGE BUDDHAKHERA (KATLA), NAKUR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH-247231 have changed my name to AYSHA BANO for all future purposes.

NAME CHANGE

I, TANJEEM / TAZNEEM BANO W/O MAHBOOB ALI, R/o H NO-116, MUSTAFABAD, PACHANDA KALAN, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001 have changed my name to TAJNEEM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHBOOB ALI / MAHBVOOB ALI S/O AYYUB ALI R/o H NO-116, MUSTAFABAD, PACHANDA KALAN, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251001 have changed my name to MAHBOOB ALI for all future purposes.

NAME CHANGE

I Neeraj S/0 Raj Kumar Chauhan Add. H No 10A/10822 Sat Nagar W.E.A Karol Bagh Delhi 110005 Changed my name to Neeraj Chauhan

NAME CHANGE

I, FATIMAH HAQUE D/o Fazle Haque R/o House No 2357 Turkman Gate Delhi- 110006 have changed my name to FATIMA HAQUE D/o Fazle Haque for all future purposes

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD AADIL S/O SHAREEF AHMAD, R/O H.NO - 1758, GALI NO 17-B, RAJIV GANDHI NAGAR NEW MUSTFABAD, GOKAL PURI, DELHI 110094, I HAVE CHANGED MY NAME FROM ADIL TO MOHAMMAD AADIL FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, Vinod Yadav S/O Attar Singh Yadav, R/O H No.1620, Village Mundka, Near Pooja Namkeen Factory, Mundka, West Delhi, Delhi - 110041, have change the name of my minor son Parthiv aged 10 years and he shall hereafter be known as Parth.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shubhangi Gaikwad alias Shubhangi Maruti Gaikwad W/O: Shyam Kumar, R/O 2/51, GEETA COLONY, PO: Gandhi Nagar,Gandhi Nagar,East Delhi, Delhi, 110031,have change my name and shall hereafter be known as SHUBHANGI GAIKWAD.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Suresh Parashar S/O CHHOTE LAL PARASHAR R/O D-31 UNIT NO. B-2, F/F F/P BUDH VIHAR COLONY, TAJPUR EXTN, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, have changed my name and shall hereafter be known as Suresh Chand Sharma.

NAME CHANGE

I, C G Mahto S/o Ramashish Mahto R/o Old No B62/a, New No B 384, New Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, Delhi - 110096 have changed my name to Chatur Gun Mahto.

NAME CHANGE

I, Firoja W/o Maqsood Ahmed R/o D-216, Khadda Colony, Jaitpur, Extn. Part-2, Gali No.7, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Firoj Jahan.

NAME CHANGE

I, SALIM AHMED S/O SHAHEED AHMED R/O H-149/1,Shaheed Nagar Chikamberpur, Ghaziabad-201006, Uttar Pradesh, have changed my name to MOHD SALEEM for all future purpose

NAME CHANGE

I, SHABANA W/O MOHD SALEEM R/O H-149/1,Shaheed Nagar Chikamberpur, Ghaziabad-201006, Uttar Pradesh, have changed my name to SABANA for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता के लिए सूचना है कि राष्ट्रीय जनता गठबंधन के नाम से एक राजनीतिक दल का भारतीय निर्वाचन आयोग, अशोका रोड, नई दिल्ली में पंजीकरण प्रस्तावित है। दल के पदाधिकारियों का नाम/कार्यालय पत्ते निम्न प्रकार है:

राष्ट्रीय अध्यक्ष : सत नारायण
ग्राम- खुटिडिह, थाना- उमगा, औरंगाबाद, बिहार-824208
ईमेल: mydarc@gmail.com

यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो कृपया विज्ञापन की तिथि से 45 दिनों के भीतर उपर लिखित ईमेल और पत्ते पर अपना स्पष्टीकरण भेजें।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती वर्षा मलिक, प्लॉट संख्या 181-D (प्लॉट संख्या 181 का भाग), ब्लॉक-स्न में स्थित, जिसे सामान्यत: संपत्ति संख्या F-181/D के नाम से जाना जाता है, के प्रथम तल (बिना छत/टेरेस अधिकारों के) को क्रय करने की इच्छुक हैं। उक्त संपत्ति का भूमि क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 52/22 से संबंधित है तथा लक्ष्मी नगर कॉलोनी, ग्राम खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है। यह संपत्ति श्री राजीव कुमार वर्मा से क्रय की जानी प्रस्तावित है। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती शकुन देवी थीं, जिन्होंने यह संपत्ति श्रीमती सुषिला सोनी से उनके अभिकर्ता श्री कृष्ण लाल सेठी के माध्यम से दिनांक 22-05-1972 के विक्रय विलेख द्वारा क्रय की थी। तत्पश्चात, श्रीमती शकुन देवी ने यह संपत्ति श्रीमती पुष्पा देवी के पक्ष में सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत, सभी दिनांक 28-12-1978, के माध्यम से स्थानांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती पुष्पा देवी का निधन 17-06-2024 को हो गया, जिनके पश्चात निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी शेष रहे- श्रीमती रंजना सिंह (पुत्री) श्रीमती सीमा वर्मा (पुत्री) श्री राजीव कुमार वर्मा (पुत्र). तत्पश्चात, श्रीमती रंजना सिंह एवं श्रीमती सीमा वर्मा ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी दिनांक 03-12-2025 के त्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से श्री राजीव कुमार वर्मा के पक्ष में त्याग दी। फलस्वरूप, श्री राजीव कुमार वर्मा वर्तमान में उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं। यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, देयता, दावा या अधिकार से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण ऋ बैंक लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, hitherto known as HIMANSHU Alias HIMANSHU CHAUHAN S/O JITENDER SINGH R/O B-76A, PRATAP GARDEN, VTC: UTTAM NAGAR, PO: D.K MOHAN GARDEN, DISTRICT: WEST DELHI, STATE: DELHI, DELHI-110059 have changed my name and shall hereafter be known as HIMANSHU CHAUHAN.

NAME CHANGE

I Tasbir Attri S/o Satish Kumar Attari, R/o Dopana Panjan, Kiloi Dopana (61), Rohtak, Haryana, 124401 have changed my name to Tarun Kumar Attari for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, VANDANA W/o NAVEEN KUMAR R/o 70 C, Block-C C Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088 declare that name of my minor daughter has been wrongly written as MANYA in my minor daughter MANYA KASHYAP aged 17 Years in her SC Certificate No-90510000299828, The actual name of my minor daughter is MANYA KASHYAP which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Re:House No. T-18, admeasuring 163.35 sq, mtrs, Situated at Sector-12, Noida, Distt-Ghaziabad, U.P; hereinafter referred to as "said property".
NOTICE is hereby given to general public that our client,Mr. Krishan Lal Arora(hereinafter called the"owner") is the absolute owner of the said property vide Transfer Deed dated 30.12.1996 executed by Mr. Suresh Rana as a SPA of Mrs. Poonam Kumar registered as Document no. 2/3, on dated 04.01.1997SRO-Noida-III.The said owner has also informed that initially Mrs. Poonam Kumar was the owner of the said property through Allotment letter dated 16.03.1993, Change of Plot no. letter (from D-154 to T-18) issued by NOIDA, Lease Deed dated 16.09.1995 executed by NOIDA and finally Possession letter dated 16.09.1995. Thereafter, Regd. Special Power of attorney executed by Mrs. Poonam Kumar in favour of Mr. Suresh Ranato transfer the said property to the owner and thereafter Transfer Memorandum dated 20.12.1996 issued by NOIDA in favour of Mr. Krishan Lal Arora i.e. owner of the said property. The said owner has informed that the above mentioned documents are mutilated and in torn conditions and original property documents are not readable.

Shivkant Arora
Advocate
For M/s Intellective Law Offices
A-74, Lower Ground Floor,
Defence Colony, New Delhi-110024

NAME CHANGE

I RAHUL KUMAR SINGH S/O PARMOD SINGH R/O H NO-116/6 GALI NO-36 SADAT PUR EXTN KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to RAHUL SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, No-15425344K Rank-HAV Name-MANOHARA PANIGRAHI Presently residing at VPO-SRIMUKHALINGAM, TEH-JALUMURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532428, have changed my mother's name from PROMODHOINI PANIGRAHI to PRAMODINI PANIGRAHI for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/01/1958 instead of her correct date of birth as 01/01/1956 vide Affidavit dated 13/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15425344K Rank-HAV Name-MANOHARA PANIGRAHI Presently residing at VPO-SRIMUKHALINGAM, TEH-JALUMURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532428, have changed my father's name from SUDARSANA PANIGRAHI to SUDHARSHANA PANIGRAHI for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 10/07/1953 instead of his correct date of birth as 02/07/1954 vide Affidavit dated 13/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14850274Y Rank-HAV/CLK (SD) Name-VISHWADEV SINGH CHIB residing at SATRAYAN, RS PURA, SATRAYAN KHURD, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR-181102, have changed my minor daughter's name from SHRADHA to SHRADHA CHIB for all future purposes vide affidavit dated 13/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Navjot Singh S/O Amarjeet Singh, VB-66, 2nd Floor, Gali No-2, Virender Nagar, Janakpuri B-1, Janakpuri B-1, West Delhi, Delhi, 110058 have changed my name to Navjot Singh Ahuja for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rakesh Kumar Pruthi S/o Ved Prakash Pruthi, House No 504, Naveen Apartments, Opposite Sainik vihar, Pitampura, North West Delhi, Delhi 110034 have changed my name to Rakesh Pruthi for all future purposes.

NAME CHANGE

I Samreen Fatima Rizvi W/O Z.H. Rizvi, GH-5/7/1092, MEERA BAGH, paschim vihar, West Delhi, Delhi - 110087 have changed my name to Samreen Rizvi for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री चंद मोहम्मद कुरेशी, प्रश्थम मंजिल के फ्लैट (उत्तरी दिशा वाला पलेट) के स्वामी है, जिसमें साझा छत का अधिकार भी शामिल है, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज है, संपत्ति संख्या R7-2018, गली संख्या 16, खसरा संख्या 522, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110019 में स्थित है। यह संपत्ति श्री शान मोहम्मद कुरेशी, मोहम्मद सलीम कोशी और मोहम्मद जावेद कुरेशी (सभी स्वर्गीय श्री गुलाम मोहम्मद कुरेशी के पुत्र) और श्रीमती गजाला कुरेशी (स्वर्गीय श्री गुलाम मोहम्मद कुरेशी की पुत्री) द्वारा दिनांक 16.09.2021 को निष्पादित वसीयत और वसीयत के अनुसार स्वामित्व में है। और संपत्ति श्रृंखला में विक्रेता के पारा एसएमसी उपलब्ध नहीं है उक्त संपत्ति श्री मनीष कुमार की पत्नी मीनाक्षी कुमारी को बेची जानी है। उक्त संपत्ति नित्तपोषण **शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड** द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व हे या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, Mohd Zabir Hussain S/o Md Nazir Hussain R/o B-18, Gali No.3, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Md Zabir Hussain.

NAME CHANGE

I Mohd Haji Salim s/o Sabir R/o 323 Khail Kalan Kairana Shamli Uttar Pradesh 247774 have changed my name Salim

NAME CHANGE

I, Muskaan W/O Ateeq Mohd Residence of House no C-5/17, Gali no -5, Kabir Nagar, Gokulpur, North East Delhi - 110094, have changed my name and shall called and know as Kumari Muskan Siddiqui in the future.

NAME CHANGE

It is for general information that I IRFAN KHAN S/O ISRAR R/o E – 79 , Gali No – 3 , Chand Bagh , Karawal Nagar , North East Delhi, Delhi-110094 declare that the name of my father has been wrongly written as ISRAR AHMED in my 10th and 12th class Educational Documents and as ISHRAR AHMAD in my Driving License No. DL5 20190012708. The actual name of my father is ISRAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I HARIPAL SINGH S/o MUKHRAM SINGH R/o SMQ 18/4, New Wilingdon Camp, Race Course, Lodi H .O, Dist : South Delhi , Delhi – 110003 declare that the name of mine has been wrongly written as HARI PAL SINGH in my Service record. The actual name of mine is HARIPAL SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MEERA DEVI W/O Late BALARAM CHAUHAN R/O RZC - 2/74, Vijay Enclave, South West Delhi , Delhi – 110045 declare that the name of mine has been wrongly written as MEERA CHAUHAN in my Husband's PPO No. 3728846. The actual name of mine is MEERA DEVI which may be amended accordingly

NAME CHANGE

I hitherto known as RAJESH alias RAJESH DEVI W/o AJAB SINGH R/o 67 , Ram Vihar , Banthla , Loni , PO : Loni , Dist : Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201102 have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH DEVI.

भगवंत मान सरकार द्वारा सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में संपत्ति अधिकारों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक सुधार प्रस्तुत

प्रथम पृष्ठ का शेष

इस अवधि के बाद सामान्य स्टांप ड्यूटी दरें लागू होंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने आगे बताया कि पंजाब सरकार ने सहकारी हाउसिंग सोसायटियों द्वारा वसूली जा सकने वाली ट्रांसफर फीस पर भी एक स्पष्ट कानूनी सीमा निर्धारित की है। उन्होंने कहा, यह कदम सुनिश्चित करता है कि ट्रांसफर या पंजीकरण के समय सदस्यों को अतिरिक्त मांगों या मनमानी का सामना न करना पड़े। इन सुधारों को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि सहकारी हाउसिंग सोसायटियों में बड़ी संख्या में संपत्तियां वर्षों से बिना पंजीकरण के पड़ी हैं, जिसके कारण परिवार स्पष्ट कानूनी स्वामित्व से वंचित रहे हैं और उन्हें विवादों व मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ा रहा है। इस पहल के प्रभाव पर बात करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि ये सुधार नागरिकों के लिए कानूनी रूप से सुरक्षित स्वामित्व, राज्य के लिए स्टांप ड्यूटी की वैध वसूली, बाध्यता के बजाय प्रेरणा के माध्यम से पंजीकरण को बढ़ावा देने और सोसायटियों द्वारा अनुचित ट्रांसफर खर्चों से सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सहकारिता विभाग ने पहले ही पंजाब भर के डिप्टी कमिश्नरों और सब-रजिस्ट्रारों को इन मानकों के सुचारू और एकसमान क्रियान्वयन हेतु विस्तृत निर्देश जारी कर दिए हैं। इन सोसायटियों के निवासियों से अपील करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी पात्र निवासियों से इस सीमित समय के अवसर का लाभ उठाने, अपनी कन्वेयंस डीड पंजीकृत कराने और अपने संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित करने की अपील की है। उन्होंने आगे कहा, यह पहल पंजाब भर में संपत्ति लेन-देन को कानूनी और पारदर्शी बनाते हुए आम नागरिक की सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नाम परिवर्तन

मैं मोहम्मद अशरफ खान, निवासी एफ -3, दूसरी मंजिल, निजामुद्दीन वेस्ट, यह सूचित करता हूँ कि मेरी सही जन्मतिथि 3 फरवरी 1997 है, न कि 27 फरवरी 1997 जैसा कि मेरे पासपोर्ट में लिखा है। मेरा सही जन्म स्थान नई दिल्ली है, न कि इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

NAME CHANGE

I, Zahida Khatoon w/o Mohd Shamim R/o House No. 499, Street No.41, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025 have changed my name to Zaheda Khanam for all future purposes

NAME CHANGE

I MOHAMMAD MEHTAB S/O MOHAMMAD HASHAN R/O H.NO B-776 J J COLONY SAWDA GHEORA DELHI-110081, I have changed my name to MD MEHTAB Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

It is for general information that I, MOHD ZUBAIR S/o KAMRUDDIN, R/o H NO-178, MAIN ROAD, NEAR MARQZI CHOWK, JAFRABAD, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053, declare that name of my father has been wrongly written as MOHD KAMRUDDIN in my all educational documents. The actual name of my father is KAMRUDDIN, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Pramil Aggarwal S/O Changa mal R/O House No-132-c,pocket-12 Lig Flats, Jasola New Friends Colony, South East Delhi-110025, Have Changed My Name to Prameel Aggarwal for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJBIR S/O KARMA R/O H.No-1/3927, Loni Road, Bhagwan Pur Khera, Shahdara, East Delhi, Delhi-110032 have changed my name and shall hereafter be known as RAJBIR KHATRI.

NAME CHANGE

I, Ajit Chandila s/o Girraj Chandila R/o Near Rama Doors By Paas Road, Village Baroli Sector-7, Faridabad-121006, Haryana have changed my name to Ajit Chandela for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Jalaludin s/o Serdeen R/o Bijopur (35), Faridabad, Dhauj, Haryana-121004, have changed my name to Jallu for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Birdos w/o Jallu R/o Bijopur (35), Faridabad, Dhauj, Haryana-121004, have changed my name to Firdos for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I , Majloom S/O Taimur Ali R/O D21/73,gali no 7 Vijay colony Jagjit Nagar, VTC SHASTRI PARK PO SEELAMPUR,EAST DELHI DELHI 110053, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced MUSLIM with effect from 08.12.2025.

NAME CHANGE

I , Majloom S/O Taimur Ali R/O D21/73,gali no 7 Vijay colony Jagjit Nagar, VTC SHASTRI PARK PO SEELAMPUR,EAST DELHI DELHI 110053, have change my name and shall hereafter be known as VIHAAN CHAUDHARY.

NAME CHANGE

I, Mahboob S/O: Alijan, R/O MUGALPURA, NEW BASTI, Baghpat , Uttar Pradesh - 250609, have change the name of my minor son 8 years and he shall hereafter be known as ALISHAN.

NAME CHANGE

I, Mukesh Goel s/o G D Goyal R/o A-9, First Floor, Gali No.5, Shashi Garden, Mayur Vihar Phase-1, Patparganj, Delhi-110091 have changed my name to Mukesh Goyal for all future purposes

NAME CHANGE

I Sunita W/o Radhey R/o Hata Kaptan Habibpur, Sitapur, Biswan Sitapur, Uttar Pradesh - 261001, have changed my name to Sangita.

NAME CHANGE

I, hitherto Known as ASHU VASHISHTHA W/O DEEPAK SINGH R/O- B-109, Indraprastha Villa, Sector-61, Noida, Dist-Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as ASHU SINGH.

NAME CHANGE

I hitherto known as Mahfuj S/o Mohd Siddiq R/o B-195, Chaman Park, Indra Vihar, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Mohd Mahfooj.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanjay Pandey S/o Ram Darash Pandey R/o 201, Gomukh Apartments, Kaushambi, I.E.Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafter be known as Sanjay Kumar Pandey.

NAME CHANGE

I, MOHD ZIQRIYA MIRZA S/O SALEEM MIRZA R/O H NO-41, 1st FLOOR, STREET NO-22, ZAKIR NAGAR, NEAR KHANKAH MASJID, OKHLA, NEW DELHI-110025 have changed my name to MOHD ZIKRIYA MIRZA for all future purposes.

NAME CHANGE

I SANTOSH SINGH S/O RAGHUBAR SINGH R/O PLOT NO - 14 PP NO 3714 NAJAFGARH GOLDEN ENCLAVE RANA JI ENCLAVE DELHI - 110043 , I have changed my name to SANTOSH KUMAR SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, PV SHIJIE wife of JC-313444F, Rank-SUB, Name- VIJAYA KUMAR T residing at CHELLATHAI BHAVAN, MADICHEL, NEAR MADICHEL GOVT SCHOOL, KUZHITHURAI, VILAVANCODE, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629163, have changed my name from PV SHIJIE to SHIJIE P V for all future purposes vide Affidavit dated 13/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, LEKSHMI daughter of JC-313444F, Rank-SUB, Name- VIJAYA KUMAR T residing at CHELLATHAI BHAVAN, MADICHEL, NEAR MADICHEL GOVT SCHOOL, KUZHITHURAI, VILAVANCODE, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629163, have changed my name from LEKSHMI to LEKSHMI V S for all future purposes vide Affidavit dated 13/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRAGESPATHI son of JC-313444F, Rank-SUB, Name- VIJAYA KUMAR T residing at CHELLATHAI BHAVAN, MADICHEL, NEAR MADICHEL GOVT SCHOOL, KUZHITHURAI, VILAVANCODE, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629163, have changed my name from PRAGESPATHI to PRAGESPATHI V S for all future purposes vide Affidavit dated 13/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Vipin Kumar S/o Nanak Chand Jain R/o P No.32, Block-B-1, 3rd Floor, Mianwali Nagar, Rohtak Road, Paschim Vihar, Delhi-110087 have changed my name to Vipin Kumar Jain.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती एकता, संपत्ति संख्या RZ-42, जो प्लॉट संख्या 42 एवं 43 पर स्थित है, के बाएँ ओर (LHS) स्थित तृतीय तल (थर्ड फ्लोर) सहित छत अधिकारों को क्रय करने की इच्छुक हैं। प्रत्येक तल का क्षेत्रफल 60 वर्ग गज है। उक्त संपत्ति खसरा संख्या 429 में स्थित है, जो ग्राम नसीरपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली के क्षेत्र में, कैलाश पुरी, पाम कॉलोनी, नई दिल्ली-110045 नामक कॉलोनी में स्थित है। यह संपत्ति सुश्री गीता एवं श्री रमेश कुमार से क्रय की जानी प्रस्तावित है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त संपूर्ण संपत्ति के मूल मालिक श्री राम रूप, श्री हर किशन, श्री स्वरूप बलवान एवं श्री अजीत सिंह थे। श्री हर किशन, श्री स्वरूप बलवान एवं श्री अजीत सिंह ने श्री राम रूप को अपना सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी धारक नियुक्त किया। तत्पश्चात, श्री राम रूप ने दिनांक 22.09.1982 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्रीमती राज बाला पंवार के पक्ष में किया। इसके पश्चात, श्रीमती राज बाला पंवार ने दिनांक 07.08.1987 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, तथा दिनांक 07.08.1987 की नोटरीकृत एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री ओम प्रकाश शर्मा के माध्यम से श्रीमती सरला शर्मा के पक्ष में किया। तत्पश्चात, श्री ओम प्रकाश शर्मा ने दिनांक 16.12.2002 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री संजय भारद्वाज एवं श्री स्वदेश गोस्वामी के पक्ष में किया। इसके बाद, उन्होंने दिनांक 19.02.2003 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं दो वसीयतों के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री हरकेश पांडेय, श्री सतीश कुमार चंदना एवं श्री कुंदन शर्मा के पक्ष में किया। इसके पश्चात, दिनांक 05.03.2004 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं तीन वसीयतों के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री रवि कांत वर्मा के पक्ष में किया गया। तत्पश्चात, श्री रवि कांत वर्मा ने दिनांक 20.04.2004 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं दो वसीयतों के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री अशोक कुमार गुप्ता एवं श्रीमती नेहा गोयल के पक्ष में किया। इसके उपरांत, दिनांक 14.05.2016 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं दो वसीयतों के माध्यम से संपत्ति का हस्तांतरण श्री किशोर कुमार के पक्ष में किया गया। तत्पश्चात, श्री किशोर कुमार ने दिनांक 29.05.2016 को निष्पादित नोटरीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति का हस्तांतरण सुश्री गीता एवं श्री रमेश कुमार के पक्ष में किया। अत:, सुश्री गीता एवं श्री रमेश कुमार उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं विधिसम्मत स्वामी हैं। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, कौशांबी शाखा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित (फाइनेंस) किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संघ ने किया पंच परिवर्तन के माध्यम से राष्ट्रोत्थान का आह्वान

एजेंसी

झज्जर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बहादुरगढ़ के तत्वावधान में संघ की 100 वर्षीय गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए सिंडिकेट सह विभाग कार्यवाह विक्रम ने पंचशील परिवर्तन के माध्यम से राष्ट्र उत्थान का आह्वान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संघ की राष्ट्रसाधना की अविराम परंपरा पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता सह विभाग कार्यवाह विक्रम ने कहा कि भारत का दर्शन अत्यंत व्यापक और गहन है, किंतु जब तक हमारा आचरण उसके अनुरूप नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण उत्थान संभव नहीं है। इसी कारण आज समाज में पंचपरिवर्तन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ ने घर-घर जाकर पंचपरिवर्तन के विषयों पर जागरूकता फैलाने का कार्य किया है। संघ की 100 वर्षीय यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज पूरा देश संघ की तपस्या, सेवा और संगठन-शक्ति से परिचित है। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वे जन्म से ही भारत राष्ट्र के उपासक थे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वे गांधीजी के नेतृत्व में जंगल सत्याग्रह में जेल गए। बार-बार होने वाली पराधीनता के कारणों का विश्लेषण करते हुए उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि भारतीय समाज अपने महापुरुषों, गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय स्वाभिमान से विमुख हो गया है तथा जातिगत विभाजनों में बंट गया है।

मिड-डे मील बनाने वालों से नहीं लिया जाएगा दूसरा काम

चंडीगढ़। हरियाणा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मिड-डे मील के अंतर्गत कार्यरत 28 हजार रसोइया सह-सहायकों को भोजन तैयार करने के अलावा किसी अन्य कार्य में न लगाया जाए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि यह रसोइया सह-सहायकों की साल में 2 बार चिकित्सा जांच सुनिश्चित करें। यदि विद्यालय में छात्रों की कम संख्या के कारण किसी रसोइया सह-सहायक को हटाया जाता है और उसी गांव के किसी अन्य स्कूल में कोई पद रिक्त होता है, तो उन्हें उस पद पर समायोजित किया जा सकता है। हरियाणा में मिड डे मील वर्कर पिछले कई महीनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। आरोप है कि स्कूलों में कई अन्य काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, जिनमें सफाई, खेल के मैदानों में घास काटना और यहां तक कि छतों की सफाई भी शामिल है। मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन की प्रमुख ललिता खन्ना ने कहा कि फिलहाल मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोइयों को केवल 10 महीने का मानदेय मिलता है। शिक्षा विभाग से मांग है कि अन्य कर्मचारियों की तरह 12 महीने का मानदेय दिया जाए। मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन के महासचिव जय भगवान ने बताया विभाग ने कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं, लेकिन इनसे श्रमिकों को कोई मदद नहीं मिलने वाली है। हम अपनी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मिड-डे मील कर्मचारियों को प्रति माह 7 हजार रुपए मिलते हैं, जो समय पर नहीं दिए जाते हैं।

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्णः सीजेएम

नारनौल। नारनौल के राजकीय बीएड महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने शिरकत की। जबकि अध्यक्ष के तौर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डा रेखा कुमारी मौजूद रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विभिन्न एनजीओ तथा युवा क्लबों ने भागीदारी की। सीजेएम नीलम कुमारी ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए युवाओं को अनुशासन, चरित्र निर्माण एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राचार्या डा रेखा कुमारी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने माय भारत की युवा केंद्रित योजनाओं और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया और युवाओं को गांव-गांव में युथ क्लब बनाकर माय भारत से जुड़ने का आग्रह किया। इस मौके पर डिक्लेमेशन एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

लघु एवं मध्यम उद्योगों को दो रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली सब्सिडीः विक्रम सिंह

गुरुग्राम। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने सी एवं डी श्रेणी ब्लॉकों में स्थित औद्योगिक इकाइयों के लिए पावर टैरिफ सब्सिडी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ऑपरेशन के सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यकारी अभियंताओं एवं उपमंडल अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि यह सब्सिडी योजना हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति (एचईईपी)-2020 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, हरियाणा सरकार द्वारा 29 जुलाई 2021 को अधिसूचित की गई थी। योजना के अंतर्गत माइक्रो एवं स्मॉल एंटरप्राइजेज को डी श्रेणी ब्लॉकों में 40 किलोवाट तथा सी श्रेणी ब्लॉकों में 30 किलोवाट तक की कनेक्टेड लोड सीमा पर दो रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली सब्सिडी प्रदान की जाती है। निगम ने निदेशालय एमएसएमई, हरियाणा द्वारा 29 जुलाई 2024 को जारी ज्ञापन का हवाला देते हुए निर्देश दिए हैं कि सब्सिडी केवल पात्र माइक्रो एवं स्मॉल एंटरप्राइजेज को ही प्रदान की जाए।

शिक्षा उत्थान व महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है सरकारः नायब सिंह सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मजबूत शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत 2047 की अवधारणा के साथ हरियाणा सरकार नए संकल्प के साथ देश की प्रगति में सहभागी बन रही है। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में शिक्षाविद् व महिला प्रतिनिधिगण के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक में सीधा संवाद करते हुए कही। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने बैठक में भारतीय संस्कृति के अग्रदूत स्वामी विवेकानंद जी की जंयती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज ज्ञान की शक्ति के साथ मातृ शक्ति के समागम में आगामी बजट में विशेष पहलुओं के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की आत्मा है और आने वाली पीढ़ियों के चरित्र, कौशल, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की चेतना में शिक्षा सुधार करते हुए विकसित भारत 2047 का शास्वत रूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत वित्त बजट में हरियाणा सरकार ने शिक्षा जगत के लिए बजट पूर्व परामर्श में आए 63 महत्वपूर्ण सुझावों को शामिल करते हुए 21 हजार 893 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया। उच्चतर शिक्षा की आत्मा अनुसंधान एवं शोध कार्य में बसती है। इसलिए प्रदेश सरकार ने चालू वित्त वर्ष में हरियाणा में 20 करोड़ रुपये का हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष बनाया है। हर जिले में एक राजकीय महाविद्यालय को मॉडल संस्कृति महाविद्यालय के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया था। ये 22 मॉडल संस्कृति महाविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी प्रावधानों को वर्ष 2026-27 में पूरी तरह लागू कर देंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप ढालने की स्पष्ट रूपरेखा दी है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए गत 8 जनवरी को पंचकूला में नीव पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। यह पोर्टल एक इंटेलिजेंट, डेटा-ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम है, जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करता है।

स्विदेशी उद्योग आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बनेः बड़खालसा

एजेंसी

सोनीपत। आत्मनिर्भर भारत और विकसित हरियाणा के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में स्वदेशी उद्योग, विकसित भारत विषय पर प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन किया गया। यह आयोजन बलिदानी दादा कुशल सिंह दहिया स्किलिंग एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल की ओर से किया गया, जिसमें स्वदेशी उद्योगों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

सेमिनार का उद्घाटन मुख्यमंत्री के ओएसडी विरेन्द्र बड़खालसा ने किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल एक भावना नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आत्मसम्मान और आर्थिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा सरकार की एकल खिड़की प्रणाली और वैश्विक पहुंच नीति के माध्यम से प्रदेश के उद्यमियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। देसी उद्योगों की मजबूती ही विकसित भारत की वास्तविक नींव है। मुख्य वक्ता डॉ. राज नेहरू ने कहा कि सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 का विकसित हरियाणा रोडमैप कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक मानकों पर आधारित है। युवाओं को सीखो-सिखाओ की भावना अपनाकर अपनी क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का आह्वान किया गया। विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हरियाणा और तंजानिया के बीच व्यापार में पिछले वर्ष 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कार्यक्रम के अंत में परिषद की ओर से युवाओं को कौशल प्रमाण पत्र वितरित किए गए और निर्यात, व्यापार विस्तार तथा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के लिए मार्गदर्शन देने का भरोसा दिलाया गया।

सुमन श्योराण जननायक जनता पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी

हिसार। हिसार की सेक्टर 9-11 निवासी सुमन श्योराण को जननायक पार्टी की हिसार महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुमन श्योराण ने अपनी नियुक्ति पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है उस पर वे खरा उतरेंगी और वे पार्टी संगठन की मजबूती के पूरी मेहनत और निष्ठा से कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि जिले के हर गांव में जाकर चौ. दुष्यंत चौटाला द्वारा सरकार में रहते हुए जो जन हितैषी कार्य करवाए गए उनका प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके साथ ही श्रीमती नैना चौटाला के हर गांव में महिलाओं

के कार्यक्रम आयोजित करवाए जाएंगे और अधिक से अधिक महिलाओं को जन नायक जनता पार्टी से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। ज्ञात रहे कि सुमन श्योराण हिसार संघर्ष के अध्यक्ष जितेंद्र श्योराण की धर्मपत्नी हैं तथा वे हिसार से पार्षद का चुनाव लड़ चुकी हैं।

भाजपा में वंशवाद की नहीं, कर्मठता और योग्यता की होती है पूजाः सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज विवेकानंद की जन्म जयंती का दिन हमारे लिए गर्व का दिन है। उन्होंने मां शीतला और गुरु द्रोण की पवित्र धरती पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि नबीन के आने से हरियाणा के युवाओं में नई उर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की आत्मा को विश्व मंच पर स्थापित किया। भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। वे यहां भाजपा कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के स्वागत समारोह एवं स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह ममें बोल रहे थे।स्वामी विवेकानंद को नमन करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक संयासी नहीं, बल्कि युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवाओं को खुद पर विश्वास होना चाहिए। भगवान भी उस व्यक्ति की ही सहायता करते हैं जिनका खुद पर विश्वास हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन सभी युवाओं को विवेकानंद जी के शब्दों उनके चरित्र और जीवन को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम युग पुरूष स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती हर्षोल्लास के साथ मना रहे है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सुखद अनुभूति है। मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी ने कहा कि नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नबीन को सरकार और संगठन का बड़ा अनुभव है। श्री नबीन युवाओं के लिए एक प्रेरणा के रूप में है। उन्होंने कहा कि भाजपा में वंशवाद की नहीं कर्मठता और योग्यता की पूजा होती है। हमारी सरकार ने 11 वर्षों में हरियाणा की राजनीति की एक नई तस्वीर बनाई है। एक लाख 80 हजार से अधिक युवाओं को नौकरियां देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से हमारी सरकार ने युवा नीति को गति दी है। युवाओं का सम्मान हो इसके लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि मैने विधानसभा चुनाव में वादा किया था कि सरकार बनते ही 24 हजार युवाओं को रोजगार दिया जाएगा और यह वादा हमारी सरकार ने निभाया। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार में बिना पर्ची और बिना खर्ची के युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

लोहड़ी पर्व जीवन, प्रकृति और सामूहिक खुशियों का उत्सवः अशीम कुमार घोष

सोनीपत। जिला बाल भवन में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय लोहड़ी एवं मकर संक्रांति समारोह पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल तथा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर अशीम कुमार घोष, परिषद की उपाध्यक्षा मित्रा घोष और मुख्यमंत्री नायब सैनी की धर्मपत्नी एवं परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लोहड़ी की पवित्र अग्नि में आहुति देकर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल प्रोफेसर अशीम कुमार घोष ने कहा कि लोहड़ी केवल फसल का पर्व नहीं, बल्कि जीवन, प्रकृति और सामूहिक खुशियों का उत्सव है। यह सर्दियों के अंत और नए कृषि चक्र की शुरुआत का प्रतीक है, जो आशा और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं की भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ते हैं, तब परंपराएं जीवंत रहती हैं।

लोहड़ी जैसे पर्व एकता, कृतज्ञता और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं। परिषद की उपाध्यक्षा मित्रा घोष ने कहा कि लोहड़ी कृतज्ञता, प्रकृति और समाज से जुड़ेपन का पर्व है। यह आशा, गर्मजोशी और एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने बंगाल में मकर संक्रांति की परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। मुख्यमंत्री की पत्नी परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने लोहड़ी और राष्ट्रीय युवा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व हमें प्रकृति, परिश्रम और भाईचारे से जोड़ता है। उन्होंने परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि बाल भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में राई से विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत से विधायक निखिल मदान, नगर निगम मेयर राजीव जैन, उपायुक्त सुशील, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली की धर्मपत्नी गीता कौशिक, हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की सचिव सुषमा गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका दहिया, गोहाना नगरपालिका की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, नगराधीश डॉ. अनमोल, भाजपा जिलाध्यक्ष सोनीपत अशोक भारद्वाज, भाजपा जिलाध्यक्ष गोहाना बिजेन्द्र मलिक, महामंत्री नीरज ठरू व तरूण देवीदास, गन्नौर मार्केट कमेटी चेयरमैन निशांत छौक्कर आदि मौजूद रहे।

नूंह में सीबीएसई की इन-हाउस ट्रेनिंग आयोजित

एजेंसी

नूंह। नूंह स्थित हिंदू विद्या निकेतन विद्यालय में सीबीएसई के इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक्टिव लर्निंग' विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक, छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियों से परिचित कराना और कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी व रोचक बनाना रहा। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. संजय कुमार ने शिक्षकों से संवाद करते हुए उनके जीवन के अनुभवों, सामने आए विभिन्न चैलेंजेस तथा उनसे मिली सीख पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे अपने अनुभवों को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़कर विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और सक्रिय सहभागिता विकसित करें। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सभी शिक्षकों ने अपने-अपने जीवन से जुड़े प्रेरक उदाहरण साझा किए। उन्होंने बताया कि कठिन परिस्थितियों में उन्होंने किस प्रकार सीख ली और उन चुनौतियों का सामना करते हुए क्या प्रतिक्रिया दी। यह संवादात्मक गतिविधि प्रशिक्षण को और अधिक सार्थक एवं प्रभावी बनाती

नजर आई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. पृथ्वीराज कौशल ने रिसोर्स पर्सन डॉ. संजय कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 'एक्टिव लर्निंग' के माध्यम से विद्यार्थी न केवल विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझेंगे, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर नूंह में जरूरतमंदों को रेडक्रास ने बांटे कंबल

एजेंसी

नूंह। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस भवन नूंह में सामाजिक सरोकार से जुड़ा एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत जहां 100 जरूरतमंदों को सर्दी से राहत पहुंचाने के लिए कंबल वितरित किए गए, वहीं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें 18 युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमंडल अधिकारी (ना.) नूंह अंकिता पंवार ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला रेड क्रॉस सोसायटी नूंह के सचिव महेश गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसायटी नूंह द्वारा निरंतर समाजहित में विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्य अतिथि अंकिता पंवार ने अपने संबोधन में कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' और मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि रक्तदान से

जहां जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है, वहीं कड़ाके की ठंड में कंबल वितरण भी जरूरतमंदों के लिए जीवन रक्षा का कार्य करता है। उन्होंने कंबल वितरण में सहयोग देने के लिए वरुण बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड, नूंह के प्लांट हेड राज कुमार सिंह एवं मानव संसाधन प्रमुख सुशील मेहरा का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। रेड क्रॉस सोसायटी नूंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश सिंह मलिक ने बताया कि इस अवसर पर कुल 18 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नरेश कुमार, अक्षय कुमार, नितिन वर्मा, भगवत सैनी, रामलाल सहित अन्य सहयोगियों का भी सराहनीय योगदान रहा।

कैथल को नशा मुक्त बनाने को हॉट स्पॉट चिन्हित करेंगे अधिकारी

एजेंसी

कैथल। जिले को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभाग हॉट स्पॉट क्षेत्रों की पहचान करें और इन इलाकों में कड़ी निगरानी के साथ नियमित व औचक छापेमारी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही पुराने और खंडहर हो चुके सरकारी भवनों पर भी विशेष नजर रखी जाए। यह निर्देश अतिरिक्त उपायुक्त डा. सुशील कुमार ने एनकॉर्ड की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी डा. सुशील कुमार ने कहा कि नशा मुक्त जिला बनाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए जमीनी स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर गठित कमेटियां केवल जागरूकता तक सीमित न रहें, बल्कि नशे से संबंधित हर छोटी-बड़ी जानकारी प्रशासन तक समय पर पहुंचाएं, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। एडीसी ने ड्रग कंट्रोल ऑफिसर को अधिक से अधिक छापेमारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए टास्क फोर्स कमेटी गठित करने के आदेश भी जारी किए गए। डीडीपीओ को निर्देश दिए गए कि वे खंड स्तर पर बैठकें लेकर ग्राम पंचायतों के सरपंचों के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित करें, ताकि नशे के कारोबार पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने बैठक में जानकारी दी कि जिले में वर्तमान में 11 नशा मुक्ति केंद्र सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

सीएलजी कार्यालय पहुंची एसपी, दिए दिशा-निर्देश

एजेंसी

कैथल। पुलिस अधीक्षक उपासना थाना शहर कैथल परिसर में स्थित समाजसेवी संस्था कम्युनिटी लाइजन ग्रुप (सीएलजी) के कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने संस्था के पास आने वाली शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट ली और सीएलजी सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसपी उपासना ने कम्युनिटी लाइजन ग्रुप द्वारा किए जा रहे निरंतर और सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए उत्कृष्ट योगदान देने वाले सीएलजी सदस्यों को

NAME CHANGE
It is for general information that I, JYASHU MEHRA S/o PURAN CHAND, R/o Bikaner (221), PO: Rewari, Dist: Rewari, Haryana-123401, declare that name of my father has been wrongly written as PURAN MAL in my CBSE 12th class Educational Documents. And name of my father has been wrongly written as PURANMAL @ PURAN CHAND in my 10th class Educational Documents and my Birth Certificate Registration No. 8382. The actual name of my father is PURAN CHAND.

विवादों जैसे सास-बहू, पति-पत्नी के झगड़े, मारपीट तथा प्लॉट व

जमीन से संबंधित मामलों में आमजन कोर्ट-कचहरी के बजाय सीएलजी के माध्यम से समाधान कराने में रुचि ले रहा है। सीएलजी में विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त अनुभवी समाजसेवियों द्वारा पारिवारिक माहौल में दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर विवादों का समाधान किया जाता है। एसपी उपासना ने कहा कि कम्युनिटी लाईजन ग्रुप आम जनता को थानों और कोर्ट-कचहरी के अनावश्यक चक्कर से बचाकर जनहित में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो प्रशंसनीय है। इससे लोगों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

रविदास जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करेगी सरकारः कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाएगी। जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह 31 जनवरी को कुरुक्षेत्र जिले के उमरी में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समारोह का प्रबंध ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मुख्य मीडिया सलाहाकार सुदेश कटारिया करेंगे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके साथ-साथ प्रदेशभर के सामाजिक, धार्मिक संगठनों और आम नागरिकों को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया जाएगा, ताकि गुरु रविदास के विचारों और संदेशों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के महान संत थे। उन्होंने अपने उपदेशों और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और जातिगत असमानता के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई। गुरु रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और समानता का संदेश देने के लिए प्रेरणास्रोत हैं। पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार संत-महापुरुषों की शिक्षाओं और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 'संत-महापुरुष विचार प्रसार एवं सम्मान योजना' के तहत निरंतर उनकी जयंती और स्मृति समारोह आयोजित करती आ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 98.24 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे कमजोर होकर 90.22 पर पहुंच गया। आज अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी के कारण भी रुपया नीचे आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.24 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सत्र में इसमें हल्की मजबूती जरूर देखने को मिली, लेकिन यह 90.22 के स्तर तक ही सीमित रही, जो पिछले बंद भाव की तुलना में पांच पैसे की गिरावट को दिखाता है। इससे पहले सोमवार को रुपया 90.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 98.73 पर बना रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों के चलते निकट भविष्य में रुपये में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

इंडिगो की न्यू ईयर सेल, घरेलू फ्लाइट 1,499 से शुरू

नई दिल्ली ।

इंडिगो ने मंगलवार को अपनी न्यू ईयर सेल की घोषणा की है। यह सेल 13 जनवरी से 16 जनवरी तक चलेगी। सेल के तहत घरेलू मार्गों पर सभी कर और शुल्क शामिल 1,499 रुपए से टिकट उपलब्ध होंगे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर किराया 4,499 रुपए से शुरू होगा, जिससे यात्रियों को सस्ती फ्लाइट का लाभ मिलेगा। इंडिगो ने यह भी बताया कि चुनिंदा 6ई एडऑन पर 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसमें अतिरिक्त सेवाएं जैसे सीट चयन और अतिरिक्त बैगेज शामिल हो सकते हैं। यात्री इस सीमित अवधि में बुकिंग कर अपनी यात्रा को किफायती बना सकते हैं।

एचसीएल टेक्नॉलजीज का मुनाफा घटा, राजस्व में बढ़त जारी

नई दिल्ली ।

भारत की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल टेक्नॉलजीज का तीसरी` तिमाही का मुनाफा 4,076 करोड़ रुपए रहा, जो सालाना आधार पर 11.1 फीसदी कम है। कंपनी ने बताया कि नवंबर में लागू नई श्रम संहिता के तहत कर्मचारी लाभों के लिए 956 करोड़ रुपए अलग रखना पड़ा, जिससे मुनाफा प्रभावित हुआ। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 13.3 फीसदी बढ़कर 33,872 करोड़ रुपए हुआ। वित्तीय सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्रों से मदद मिली। स्थिर मुद्रा आधार पर राजस्व में 8.1 फीसदी की वृद्धि रही और तिमाही आधार पर 6 फीसदी का सुधार हुआ। राजस्व बाजार अनुमान से बेहतर रहा, जबकि मुनाफा उम्मीद से कम रहा। एचसीएल अब स्थिर मुद्रा में 4-4.5 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर रही है। सेवाओं से राजस्व में 4.75-5.25 फीसदी की बढ़त अनुमानित है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ के पार्: केंद्रीय मंत्री वैष्णव

देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ और निर्यात 3.3 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपये और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये रहा। मंत्री ने कहा कि चार नए सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद 2026 में निर्यात में और वृद्धि होने की उम्मीद है। देश के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में मोबाइल फोन का दबदबा है। 2024-25 में मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये और निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये रहा। उद्योग निकाय इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, 2025-26 के अंत तक मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमेरिकी डॉलर (6.76 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें 30 अरब अमेरिकी डॉलर (2.7 लाख करोड़ रुपये) का निर्यात शामिल है। मंत्री ने बताया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो 2024 में 1.1 लाख करोड़ रुपये था। काउंटरपॉइंट के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार एप्पल ने भारत में अपने विनिर्माण का विस्तार कर निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाया है। भारत में उत्पादित हर चार स्मार्टफोन में से एक का निर्यात किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में लगभग 25 लाख लोग कार्यरत हैं। निर्यात और उत्पादन ने रोजगार सृजन के साथ-साथ विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी मदद की। एप्पल की प्रीमियम और सुपर-प्रीमियम श्रेणियों में अग्रणी स्थिति ने देश के स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि को गति

दी है। 2026 में सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने से निर्यात और उत्पादन में और वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल बाजार में स्थिति और मजबूत होगी।

टीसीएस का मुनाफा घटा, राजस्व अनुमान से बेहतर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में आय के मोर्चे पर विश्लेषकों के अनुमान से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल आधार पर 13.9 फीसदी घटकर 10,657 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 12,380 करोड़ रुपये था।

सितंबर तिमाही के मुकाबले मुनाफे में 11.7 फीसदी की कमी आई है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में टीसीएस की कुल आय 4.8 फीसदी बढ़कर 67,087 करोड़ रुपये रही। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर आय में 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़ा ब्लूमबर्ग के 66,849 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक रहा, हालांकि मुनाफा अनुमानित 13,005 करोड़ रुपये से कम रहा। भौगोलिक स्तर पर उत्तर अमेरिका में आय 0.1 फीसदी और लैटिन अमेरिका में 4.6 फीसदी बढ़ी। यूरोप में 2.1 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ब्रिटेन में आय 1.9 फीसदी घटी। स्थिर मुद्रा आधार पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कुल वृद्धि महज 0.5 फीसदी रही।

कार बाजार में काले रंग की हिस्सेदारी बढ़ी, सफेद रंग के कारों की घटी

2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई

नई दिल्ली ।

कार बाजार में काले रंग के कारों के प्रति लोगों का रुझान बढता जा रहा है वहीं सफेद रंग की कारों का रुझान युवाओं में घटता जा रहा है। एक वैश्विक ऑटोमोटिव डेटा, विश्लेषण और इंटेलिजेंस कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में सफेद वाहनों की हिस्सेदारी 43.9 फीसदी थी, जो 2025 तक घटकर 40.7 फीसदी रह गई। हालांकि, चमक और व्यावहारिक लाभों के कारण यह अभी भी खरीदारों में सबसे पसंदीदा रंग बना हुआ है। वहीं काले रंग की कारों की हिस्सेदारी 2021 में 14.8 फीसदी से बढ़कर 2025 में 20.76 फीसदी हो गई है। मारुति सुजूकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि युवा पीढ़ी और जेन ज़ी में काले रंग की मांग वाहन उद्योग के औसत से अधिक रही। टाटा मोटर्स के एक अधिकारी ने बताया कि अब खरीदार व्यक्तिगत पसंद और जीवनशैली पर ध्यान दे रहे हैं। गहरे रंग आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और स्टेटस का प्रतीक बन गए हैं, जबकि सफेद रंग अपनी व्यावहारिकता और रीसेल वैल्यू की वजह से शीर्ष पर बना हुआ है। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2025 में 45.6 लाख रही, जो 5.06 फीसदी सालाना वृद्धि दर्शाती है। अधिकांश बढ़ोतरी जीएसटी दरों में कटौती के बाद अंतिम तिमाही में हुई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद
सेंसेक्स 250 अंक , निफ्टी 57 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 250.48 अंक टूटकर 83,627.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.95 अंक फिसलकर 25,732.30 पर बंद हुआ। बाजार को हालांकि पीएसयू बैंकों ने सहारा दिया। निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बीईएल, एक्सिस बैंक, भारतीय एयरटेल, एचयूएल, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील नुकसान में रहे। माना जा रहा है कि ईरान के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर संभावित अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं के कारण घरेलू बाजार में गिरावट आई। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। हालांकि, शुरुआती बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। कुछ ही देर में मुनाफावसूली और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते यह गिरावट में आ गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स195.79 अंक की गिरावट के साथ 83,682.38 अंक पर वहीं निफ्टी भी 25,897 के स्तर पर मजबूत शुरुआत करने के बाद फिसल गया। सुबह खुलने के बाद निफ्टी 60.40 अंक टूटकर 25,729.85 पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। निवेशकों ने ईरान और वेनेजुएला में भू-राजनीतिक तनावों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के खिलाफ आपराधिक जांच को फिलहाल नजरअंदाज किया। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.54 फीसदी बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.32 फीसदी चढ़ा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.04 फीसदी ऊपर रहा। जापान का निक्केई 3.22 फीसदी उछल गया। वॉल स्ट्रीट पर भी मजबूती रही। एसएंडपी 500 और डाउ जोंस रातों-रात नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी, डाउ जोंस में 0.17 फीसदी और नैस्डैक में 0.26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़ी

वाहनों की बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा

नई दिल्ली ।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार दिसंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,99,216 इकाई रही, जो पिछले साल दिसंबर में दर्ज 3,14,934 इकाई की तुलना में 26.8 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। इस बढ़ोतरी में विशेष योगदान यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग का रहा।` सियाम ने कहा कि इस सेगमेंट में बिक्री में सुधार उद्योग की चौथी तिमाही की मजबूत गति का संकेत देता है। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री दिसंबर 2025 में 15,41,036 इकाई रही, जो पिछले साल 11,05,565 इकाई की तुलना में 39 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि है। वहीं तिपहिया वाहनों की बिक्री 61,924 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले साल 52,733 इकाई से 17 फीसदी अधिक है।` सियाम ने बताया कि सभी वाहन खंडों में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि ने उद्योग की वर्ष के अंत की स्थिति को सकारात्मक बना दिया है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना हैकि भू-राजनीतिक घटनाओं के बावजूद, वित्त वर्ष 2025-26 सकारात्मक वृद्धि के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। नीतिगत समर्थन और पिछले वर्षों के मजबूत प्रदर्शन की वजह से उद्योग के पास

दौरान थोक और खुदरा बिक्री में स्थिर और मजबूत वृद्धि की संभावना बनी हुई है।

स्थिर वृद्धि बनाए रखने के पर्याप्त अवसर हैं।` सियाम ने यह भी उल्लेख किया कि चौथी तिमाही के

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के चलते 15 जनवरी को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई ।

महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों के चलते 15 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस` दिन बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। पहले यह दिन केवल सेटलमेंट हॉलिडे था, लेकिन अब नए सर्कुलर के अनुसार पूरे कैपिटल मार्केट सेगमेंट में छुट्टी घोषित की गई है। इस दिन इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग, करेंसी और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स एवं कमोडिटी डेरिवेटिव्स में केवल सुबह का सत्र रद्द रहेगा। शेयर बाजार 2026 में कई अवसरों पर बंद रहेगा, जिनमें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), होली (3 मार्च), श्री राम नवमी (26 मार्च), गुड फ्राइडे (3 अप्रैल), महाराष्ट्र दिवस (1 मई), गणेश चतुर्थी (14 सितंबर), दशहरा (20 अक्टूबर), दीवाली बलिप्रतिपदा (10 नवंबर) और क्रिसमस (25 दिसंबर) शामिल हैं। इसके अलावा सप्ताहांत यानी शनिवार और रविवार पर भी नियमित ट्रेडिंग नहीं होती।

अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं और एआई सहयोग पर जोर दिया

वैष्णव ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

नई दिल्ली ।

रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अमेरिका में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत की विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमता को मजबूत करने के लिए खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा को आवश्यक बताया। वैष्णव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस और जर्मनी के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रों को विवेकपूर्ण जोखिम-निवारण उपाय अपनाकर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को दूर करना चाहिए। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भी यह स्पष्ट किया कि उन्होंने पहले से किए गए निवेशों और योजनाओं के माध्यम से मजबूत, सुरक्षित और विविध आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इस दौरान वैष्णव ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय के निदेशक माइकल क्रैट्सियोस और भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा से मुलाकात की। बैठक में भारत में फरवरी 2026 में आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पेक्ट से मिट पर चर्चा हुई।

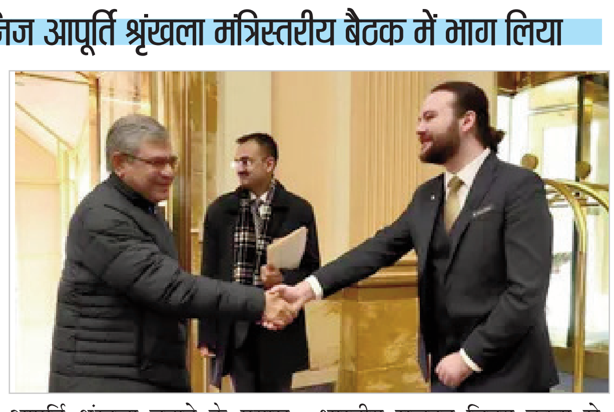

देश की खुदरा महंगाई दिसंबर में बढ़ी, फिर भी आरबीआई की सीमा के नीचे

कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली ।

दिसंबर में देश की खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) 1.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो नवंबर में 0.7 प्रतिशत थी। यह बीते तीन महीनों का उच्चतम स्तर माना जा रहा है। हालांकि, यह अभी भी भारतीय रिज़र्व बैंक की निचली सहनशील सीमा 2 प्रतिशत से नीचे है। साल 2025 में औसतन महंगाई दर लगभग 2.2 प्रतिशत रही, जो पिछले एक दशक में सबसे कम स्तरों में से एक है। इस कम महंगाई का मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट रही। दिसंबर में खाद्य महंगाई लगातार सातवें महीने नकारात्मक रही, लेकिन -3.9 प्रतिशत से -2.71 प्रतिशत पर सुधरी। अनाज में 51 महीनों के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई। सब्जियां और दालें लगातार 11वें महीने सस्ती रहीं, जबकि तेल और फलों की कीमतें भी कई महीनों के निचले स्तर पर रही। खाद्य और ईंधन को छोड़कर कोर महंगाई दिसंबर में 4.8 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो 28 महीनों का उच्चतम स्तर है। यदि सोना-चांदी को हटाया जाए, तो कोर महंगाई 2.4 प्रतिशत पर स्थिर है। पर्सनल केयर महंगाई 28 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि घरेलू सामान, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्रों में महंगाई कई सालों के निचले स्तर पर है।

जनवरी 2026 से नया 2024 आधार वर्ष लागू होगा, जिसमें गैर-खाद्य वस्तुओं का वज़न बढ़ाया गया है। इससे महंगाई आंकड़ों में बदलाव आने की संभावना है। मौद्रिक नीति पर असर की बात करें तो, महंगाई लक्ष्य से नीचे और कोर दबाव सीमित रहने के कारण आरबीआई की फरवरी बैठक में 25 बेसिस प्वाइंट दर कटौती की संभावना बढ़ गई है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञ नए सीपीआई और जीडीपी डेटा का इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि आने वाले महीनों में महंगाई में हल्की बढ़त देखने को मिल सकती है।

ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा स्कार्पियो ने

नई दिल्ली ।

अपने मजबूत लुक, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के चलते महिंद्र की स्कॉर्पियो ने साल 2025 में भी ग्राहकों की पहली पसंद बने रहने का रिकॉर्ड कायम रखा। दिसंबर 2025 में इस एसयूवी की करीब 16 हजार यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जिसके साथ स्कॉर्पियो ने उस महीने टॉप सेलिंग एसयूवी का स्थान हासिल किया। जनवरी से दिसंबर 2025 के पूरे साल की बात करें तो महिंद्रा स्कॉर्पियो की कुल 1,76,988 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा कंपनी के किसी भी दूसरे मॉडल से ज्यादा है। बिक्री के मामले में स्कॉर्पियो ने थार, बोलेरो और एक्सयूवी 3गुणाह्न जैसी लोकप्रिय एसयूवीएस को भी पीछे छोड़ दिया। इससे साफ है कि भारतीय ग्राहकों के बीच स्कॉर्पियो की मांग लगातार बनी हुई है। महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक अपने दमदार और पहचान वाले डिजाइन के लिए जानी जाती है। इसमें सिग्नेचर टॉवरिंग बोनट, नए डुअल-टोन बंपर, एलईडी डीआरएलएस, नई ग्रिल और रिफ्रेश्ड अलॉय व्हील्स जैसे अपडेट्स मिलते हैं। केबिन के अंदर 9-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूटूथ और यूएसबी कनेक्टिविटी, स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल्स, रिमोट कीलेस एंट्री और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

सेफ्टी के लिहाज से इसमें डुअल एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, रियर पार्किंग सेंसर, स्पीड अलर्ट और सीटबेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलते हैं।

महिंद्रा स्कॉर्पियो की एक्स-शोरूम कीमत 12.98 लाख से 16.70 लाख रुपये के बीच है। ऊंची सीटिंग पोजिशन और स्पेशियस केबिन इसे फैमिली के लिए भी उपयुक्त बनाते हैं। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 2.2-लीटर एमहॉक डीजल इंजन दिया गया है, जो 130बीएचपी की पावर और 300एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आता है।

मुकेश अंबानी ने गुजरात में की रिलायंस के पांच बड़े कमिटमेंट्स की घोषणा

5 साल में 7 लाख करोड़ का निवेश करेगी रिलायंस

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में गुजरात के लिए पांच महत्वपूर्ण कमिटमेंट्स की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच साल में रिलायंस ने राज्य में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अगले पांच साल में इसे 7 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और लोगों की आजीविका को मजबूत करना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें सोलर पावर, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन फर्टिलाइजर, सस्टेनेबल एविएशन और एडवांस्ड मटीरियल्स शामिल होंगे। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य जामनगर को भारत का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी और ग्रीन मटीरियल्स एक्सपोर्ट हब बनाना है। रिलायंस कच्छ में मल्टी-गीगावॉट, यूटिलिटी-स्केल सोलर प्रोजेक्ट विकसित करेगा। यह प्रोजेक्ट चौबीसों घंटे क्लीन पावर सप्लाई के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्लीन एनर्जी परियोजनाओं में से एक बताया गया है। जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बनाया जाएगा।` जियो लॉन्च करेगा पीपल-फर्स्ट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, जो भारत और दुनिया के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य हर भारतीय को अपनी भाषा और डिवाइस पर एआई सेवाओं का उपयोग करने का अवसर देना है। रिलायंस फाउंडेशन प्रधानमंत्री के 2036 ओलंपिक को अहमदाबाद लाने के विजन को समर्थन देगा। नारणपुरा में वीर सावरकर मल्टी-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जामनगर में वर्ल्ड-क्लास अस्पताल और रिलायंस स्कूल नेटवर्क का विस्तार भी योजना में शामिल है।

तिल-गुड़ की मिठास में बसा सूर्य पर्व है 'मकर संक्रांति'

योगेश कुमार गोयल

मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है।

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का ऐसा प्राचीन पर्व है, जिसकी जड़ें केवल धार्मिक आस्था में ही नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, खगोल विज्ञान और लोकजीवन की गहरी समझ में भी समाई हुई हैं। यह पर्व मूलतः सूर्य उपासना का उत्सव है, जिसे प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ भारत सहित अनेक देशों में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का महत्व इसलिए भी विशिष्ट है क्योंकि यह पर्व किसी पौराणिक कथा तक सीमित न होकर खगोलीय घटना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। इसी दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करता है और अपनी उत्तरायण यात्रा आरंभ करता है, जिसे अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और जड़ता से चेतना की ओर संक्रमण का प्रतीक माना गया है। इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही है।

मकर संक्रांति केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन का सजीव संकेत भी है। इसी दिन से वसंत ऋतु के आगमन की आहट मिलने लगती है। खरीफ की फसलें घरों तक पहुंच चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहाने लगती हैं। सरसों के पीले फूल खेतों में प्रकृति की मुस्कान बिखेरते हैं और किसान के श्रम का प्रतिफल उसकी आंखों के सामने साकार होने लगता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति को देशभर में फसलों के आगमन और कृषि समृद्धि के पर्व के रूप में भी देखा जाता है। यह उत्सव किसान के लिए आशा, संतोष और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बन जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य देव अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह परिवर्तन केवल खगोलीय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनिदेव से वर्षों पुरानी नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे, इसलिए यह पर्व पारिवारिक समरसता, क्षमा और संबंधों की पुनर्स्थापना का संदेश भी देता है। एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए इसी दिन तर्पण किया था, जिससे इस तिथि को पितृ तर्पण और पुण्यकर्म से भी जोड़ा गया।

खगोल विज्ञान की दृष्टि से मकर संक्रांति का महत्व अत्यंत वैज्ञानिक है। पृथ्वी की गोलाकार संरचना और उसके अक्ष पर झुके हुए भ्रमण के कारण दिन और रात की अवधि में परिवर्तन होता है। जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर बढ़ता है, तब उत्तरी गोलार्द्ध में दिन धीरे-धीरे बड़े होने लगते हैं और रातें छोटी होने लगती हैं। लोकभाषा में कहा जाता है कि मकर संक्रांति से दिन 'तिल-तिल' बढ़ता है। दिन की अवधि बढ़ने से खेतों में बोए गए बीजों को अधिक प्रकाश, ऊष्मा और ऊर्जा मिलती है, जिससे फसलों की वृद्धि बेहतर होती है। यही कारण है कि यह पर्व किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है और कृषि आधारित भारतीय समाज में इसका गहरा स्थान है। 'मकर' शब्द जहां मकर राशि की ओर संकेत करता है, वहीं 'संक्रांति' का शाब्दिक अर्थ है– संक्रमण या प्रवेश। सूर्य जब एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करता है, तो उस खगोलीय घटना को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य वर्षभर में कुल बारह राशियों में क्रमशः प्रवेश करता है, परंतु मकर संक्रांति को सबसे महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है क्योंकि यह उत्तरायण का प्रारंभ बिंदु है। भारतीय परंपरा में उत्तरायण काल को अत्यंत शुभ माना गया है। महाभारत में भी भीष्म पितामह ने उत्तरायण की प्रतीक्षा करते हुए देह त्याग किया था, जिससे इस काल की पुण्यता और अधिक स्थापित होती है।

मकर संक्रांति की एक विशिष्ट विशेषता यह भी है कि यह भारत का ऐसा पर्व है, जो लगभग पूरे देश में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है, हालांकि इसके नाम, परंपराएं और स्वरूप क्षेत्र विशेष के अनुसार बदल जाते हैं। उत्तर भारत में यह पर्व कहीं लोहड़ी, कहीं खिचड़ी, कहीं माघी तो कहीं पतंगोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मध्य भारत में इसे सामान्यतः संक्रांति कहा जाता है, जबकि दक्षिण भारत में यही पर्व 'पोंगल' के रूप में महापर्व का दर्जा रखता है। कहीं इसे उत्तरायण कहा जाता है तो कहीं पौष संक्रांति। असम में यह भोगाली बिहू या माघ बिहू कहलाता है, तो बंगाल में पौष संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। भारत की सीमाओं से बाहर भी मकर संक्रांति का सांस्कृतिक विस्तार देखने को मिलता है। नेपाल में यह माघे संक्रांति या खिचड़ी संक्रांति के रूप में मनाई जाती है। श्रीलंका में इसे पोंगल या उझवर तिरूनल कहा जाता है। बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोंगकरन, म्यांमार में थिंयान, कंबोडिया में मोहा संगक्रान और लाओस में पि मा लाओ के नाम से यह पर्व मनाया जाता है। यह तथ्य दशार्ता है कि सूर्य, ऋतु और कृषि से जुड़ा यह पर्व सीमाओं से परे मानव सभ्यता का साझा उत्सव है।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को अत्यंत पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन तीर्थ स्नान, दान, जप और श्राद्धकर्म को विशेष फलदायी कहा गया है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा जैसी पवित्र नदियों के तटों पर लाखों श्रद्धालु इस दिन स्नान के लिए एकत्र होते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति पर लगने वाला मेला इस पर्व की विराटता और आस्था की गहराई का जीवंत उदाहरण है। कहा जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से न केवल आध्यात्मिक शुद्धि होती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। मकर संक्रांति पर तिल का विशेष महत्व है। तिल को शुद्धता, ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। इस दिन तिल-गुड़ से बने व्यंजनों का सेवन और दान करने की परंपरा लगभग पूरे देश में देखने को मिलती है। माना जाता है कि तिल और गुड़ शरीर को ऊष्मा प्रदान करते हैं और शीत ऋतु में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यही कारण है कि इस पर्व पर 'तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो' जैसी लोक कहावतें सामाजिक सौहार्द और आपसी संबंधों में मधुरता का संदेश देती हैं।

मकर संक्रांति का एक लोकप्रिय स्वरूप पतंगोत्सव के रूप में भी सामने आता है। उत्तर भारत और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में इस दिन आकाश रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है। पतंग उड़ाना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-जोल और स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है। कड़ाके की ठंड के मौसम में खुले आकाश के नीचे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। यह परंपरा अनजाने में ही सूर्य स्नान का रूप ले लेती है, जिससे त्वचा, हड्डियों और संपूर्ण स्वास्थ्य को लाभ पहुंचता है। इस प्रकार मकर संक्रांति केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन का उत्सव है। यह पर्व हमें सूर्य के महत्व, कृषि के मूल्य, सामाजिक सौहार्द और सकारात्मक जीवन दृष्टि का बोध कराता है। विविधताओं से भरे भारतीय समाज में मकर संक्रांति एक ऐसा सूत्र है, जो विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों को एक साझा भाव में बांध देता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता और स्थायी प्रासंगिकता है।

संपादकीय

अमेरिका की निगाह ईरान पर

ईरान में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में आर्थिक संकट से भड़का आंदोलन अब सत्ता के खिलाफ खुले विद्रोह में बदल चुका है। ईरान की सड़कों पर इस समय भयावह मंजर है। एक तरफ सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ सड़कों पर उबाल जारी है, तो वहीं प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है। लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भले खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे योग्य मानें, असल में वे युद्ध अपराधों और मासूमों की जान लेने के दोषी ठहराए जाने चाहिए। वेनेजुएला पर तो ट्रंप अपना दावा ठोंक ही चुके हैं, अभी उन्होंने एक तस्वीर भी जारी की है, जिसमें वो खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति दिखा रहे हैं। किसी देश की संप्रभुता और सम्मान के साथ ऐसा मजाक आधुनिक सभ्यता में नहीं किया जा सकता। लेकिन ट्रंप सभ्यता, कूटनीति और नैतिकता के तकाजों को मानते ही नहीं हैं। उन्हें केवल मुनाफे की परिभाषा समझ आती है। ट्रंप ने वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड हड़पने की चेतावनी दी है। उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच बसा ग्रीनलैंड ट्रंप को अपने लिए सामरिक महत्व का लगता है, लेकिन केवल इस वजह से उस पर कब्जे की इजाजत नहीं दी जा सकती। ग्रीनलैंड डेनमार्क का अर्द्धस्वायत्त वाला देश है, यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। डेनमार्क ने साफ चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई की, तो नाटो खत्म हो जाएगा। फ्रांस, इटली, जर्मनी जैसे बाकी देश भी अब ट्रंप से सावधान हो चुके हैं। जब अमेरिका की पूंजीवादी विस्तारवादी नीति एशिया या अफ्रीका के देशों को अपनी चपेट में लेती रही, तो ये यूरोपीय देश लोकतंत्र और उदारवाद के नाम पर अमेरिका का साथ देते आए। मगर अब खुद उन पर आंच आनी शुरू हुई तो उन्हें समझ आ रहा है कि-

लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में,
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।।
-राहत इंदौरी।

बहरहाल, यूरोपीय देशों को जो खतरा अब दिख रहा है, ईरान से उसे पहले ही भांप लिया था। हालांकि इसमें ईरानी शासन की अपनी खामियां भी हैं, लेकिन उसे अपने स्तर पर सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए, न कि इसमें बाहरी ताकतों का दखल होना चाहिए। इस समय ईरान में आर्थिक संकट से खड़े हुए आंदोलन के बाद तख्तापलट का खतरा बढ़ गया है। पिछले साल 28 दिसंबर को शुरू हुए जनआंदोलन में अब तक 5 सौ से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं और 10 हजार से ज्यादा लोग बंदी बनाए गए हैं। 1979 में हुई इस्लामिक क्रांति के बाद 47 साल में ऐसा आंदोलन कभी नहीं देखा गया। हालांकि इस बीच महसा अमीनी की मौत के बाद महिला अधिकारों को लेकर 2022 में आंदोलन हुआ था, लेकिन उसकी प्रकृति अलग थी।

चिंतन-मनन

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। ह्यमै हंह्न ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। ह्यमै हंह्न का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ह्य मै हंह्न भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

बिना ईडी के किसी राज्य में चुनाव संभव नहीं?

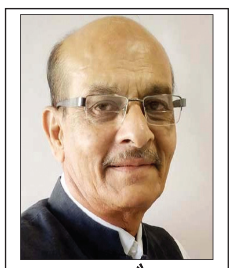

सनत जैन

कुछ ही महीनो में पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। पिछले 4 वर्ष में जहां-जहां विधानसभा, लोकसभा और अन्य महत्वपूर्ण चुनाव होते हैं, वहां पर केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय के अधिकारी (ईडी) ठीक उसी तरह से पहुंच जाती है जिस तरह से चुनाव आयोग वहां पर चुनाव कराने के लिए पहुंचता है। महाराष्ट्र, दिल्ली, झारखंड, छत्तीसगढ़ के जब चुनाव हुए थे, तब ईडी की कार्यवाही को सबने देखा है। लोकसभा के जब चुनाव हो रहे थे उस समय भी ईडी देश भर में सक्रिय हो गई थी। अब असम, केरल, पांडुचेरी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में चुनाव होना है। वहां पर भी ईडी बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गई है। चुनाव के कुछ महीने पहले ही कई वर्षों पुराने मामले की जांच और छापे की कार्यवाही ईडी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं या उनसे जुड़े हुए लोगों के खिलाफ कर देते हैं। भाजपा इसका इस्तेमाल चुनाव के लिए करती है। ईडी की इस टाइमिंग को लेकर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को विपक्षी दलों की शिकायतों को सुनने का ना तो समय है और ना ही वह सुनना चाहते हैं। केंद्र सरकार की शह पर ईडी सक्रिय होती है। इस तरह का आरोप विपक्षी नेता लगाते हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार कोई हस्तक्षेप करेगी, इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। पहले चुनाव आयोग जरूर निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सजग रहता था। सभी राजनीतिक दलों को चुनाव में समान अवसर मिलें। इसको ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग समय-समय पर कार्यवाही करता था। पिछले 4 वर्षों में चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। चुनाव आयोग के तीनो आयुक्त को विपक्षी दल गांधी जी के तीन बंदर बताने लगे हैं। जो भाजपा के खिलाफ शिकायत होने पर ना बुरा देखते हैं, ना बुरा सुनते हैं, ना बुरा कहते हैं। विपक्षी दल इसकी शिकायत कोर्ट में भी करते आ रहे हैं। हाल ही में ईडी के अधिकारी बंगाल के साथ-साथ तमिलनाडु, केरल और असम भी पहुंच गए हैं। सबसे बड़ी तीखी प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी ने दी है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी पार्टी के आईटी सेल के आईपैड कंपनी पर ईडी के अधिकारियों ने छापा डाला। यह मामला 2020 में दर्ज किया गया था। दो चुनाव पहले हो चुके हैं। अब विधानसभा चुनाव के ठीक पहले ईडी के अधिकारी छापा मारने पहुंच गए। छापा स्थल पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंची। उन्होंने ईडी के अधिकारियों से पार्टी से संबंधित दस्तावेजों को छुड़ा लिया। ईडी के अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। वहां से ईडी के अधिकारियों को भागना पड़ा। अब यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ईडी लेकर गई है।

इसी तरह से तमिलनाडु में शराब और रियल एस्टेट घोटाले को लेकर ईडी के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। इसी तरह केरल में गोल्ड तस्करी और सहकारी बैंक घोटाले के पुराने मामलों को खोलकर एलडीएफ के नेताओं और सरकार को घेरने की कोशिश ईडी के अधिकारी कर रहे हैं। केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों का यह पैटर्न कोई नया नहीं है। इसके पहले भी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनाव के दौरान गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी तिहाड़ जेल की हवा खिलाई गई थी। महाराष्ट्र के चुनाव में शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को भी ईडी ने अपने शिकंजे में कसा था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े हुए लोगों के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई की थी। लोकसभा चुनाव के समय कांग्रेस के सभी खातों को बंद कर दिया गया था। पिछले 4 वर्षों में ईडी का कोई विरोध नहीं हो रहा था, जिसके कारण ईडी का दायरा बढ़ता चला गया। लोकसभा-विधानसभा चुनाव के बाद अब स्थानीय संस्थाओं के चुनाव में भी ईडी के अधिकारी चुनाव से पहले सक्रिय हो जाते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग इन मामलौं में चुप्पी साधकर बैठा रहता है। विपक्षी राजनीतिक दल शिकायत करते हैं। चुनाव आयोग उस पर कोई कार्यवाही नहीं करता है। विपक्षी दल आरोप लगाते हैं, यह सब केंद्र सरकार के इशारे पर होता है। अब तो विपक्षी दल न्याय पालिका के खिलाफ भी खुलकर बोलने लगे हैं। विपक्षी दल जब न्यायपालिका में न्याय पाने के लिए जाते हैं, वहां से उन्हें न्याय तो नहीं मिलता है, हां तारीख पर तारीख जरूर मिलना शुरू हो जाती है। बिहार एसआईआर के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। बिहार में चुनाव भी हो गए, मामले की सुनवाई अभी भी सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। ऐसी स्थिति में लोगों का संवैधानिक संस्थाओं से भरोसा उठने लगा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बता दिया है, वह इस लड़ाई को अब सड़कों पर लड़ने के लिए तैयार हैं। इससे विपक्षी दलों का डर और भय अब खत्म होने लगा है। विभिन्न राज्यों में यह प्रतिरोध अब देखने को मिलने लगा है। ममता बनर्जी के बाद अब अन्य विपक्षी दल के नेता बड़ी तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। जिसके कारण आने वाले समय में चुनाव आयोग तथा ईडी के अधिकारियों की मुसीबतें बढ़ना तय है। ऐसा लोग अब कहने लगे हैं। न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के प्रति सजग होना होगा। भारतीय संविधान में संविधान की रक्षा और मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व न्यायपालिका का है। न्यायाधीशों में न्याय की नैतिकता और न्यायप्रियता तथा न्याय उचित समय पर मिले इसका ध्यान रखना होगा। अन्यथा देश अराजकता की ओर आगे बढ़ेगा, इसमें देश और सभी का नुकसान होगा।

वैश्विक उथल-पुथल में भारतीय विवेक और विकास का संतुलन

नीलेश वर्मा

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य गहरी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है और हम भारतीय आनंद के साथ अपने तीज-त्यौहार मना रहे हैं, पूरे देश में भव्य रूप में विभिन्न उत्सवों व समारोहों का आयोजन हो रहा है। हमें यह भी याद रखना होगा कि इसके पीछे हमारे पूर्वजों का बलिदान और भावी योजना है, क्योंकि आज जब हम देखतें हैं तो एशिया, यूरोप, अफ्रीका और मध्य-पूर्व के अनेक हिस्सों में युद्ध, गृहसंघर्ष, सत्ता संघर्ष और तख्तापलट की घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लगातार कमजोर कर रही हैं। सीमाई विवाद सशस्त्र टकराव में बदल रहे हैं, लोकतांत्रिक संस्थाएँ दबाव में हैं और विश्व अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर दिख रहा है। परिणामस्वरूप ऊर्जा संकट, बढ़ती महँगाई और आपूर्ति-श्रृंखला में बाधाओं ने विशेष रूप से विकासशील देशों के सामने अस्तित्व और स्थिरता की दोहरी चुनौती खड़ी कर दी है।

ऐसे संकटों से भरे वातावरण में भारत का दृष्टिकोण संतुलित, परिपक्व और दूरदर्शी दिखाई देता है। जहाँ कई देश युद्ध और टकराव को ही समाधान मान रहे हैं, वहीं भारत ने कूटनीति, संवाद और संयम को प्राथमिकता दी है। भारत ने यह करके दिखाया है कि स्थायी समाधान शक्ति-प्रदर्शन से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णयों से निकलता है। पड़ोसी पाकिस्तान के संदर्भ में भी भारत का यही दृष्टिकोण रहा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों में भारत ने सैन्य दृढ़ता के साथ-साथ रणनीतिक संयम का परिचय दिया। उकसावे के बावजूद स्थिति को व्यापक युद्ध में बदलने से रोकना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तथ्यों के साथ शांतिपूर्ण पक्ष रखना और क्षेत्रीय शांति को प्राथमिकता देना भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

आज पूरा विश्व देख रहा है बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंदू अल्पसंख्यकों का नरसंहार हो रहा है, अमेरिका-रूस और वेनेजुएला विवाद, ईरान में आंतरिक विरोध, इजरायल-लेबनान संघर्ष, मध्य-पूर्व में तनाव, सीरिया की सैन्य कार्रवाइयाँ, यूक्रेन, गाजा, सूडान और म्यांमार के युद्ध, अफ्रीका में तख्तापलट, चीन-ताइवान तनाव, पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हिंसा, अफगानिस्तान की अस्थिरता और नेपाल की राजनीतिक कमजोरी यह सब दशार्ता है कि वैश्विक व्यवस्था गहरे संकट में है। ऐसे समय में भारत का संयमित व्यवहार और विकास-केंद्रित सोच यह संदेश देती है कि स्थायी शक्ति संवाद, सामाजिक सद्भाव और समावेशी प्रगति से ही बनती है।

इन सबके बावजूद भारत के भीतर विकास की गति निरंतर बनी रही। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढाँचों का विस्तार होने के साथ ही डिजिटल इंडिया के माध्यम से तकनीकी समावेशन, स्वदेशी रक्षा उत्पादन और ह्यमेक इन इंडियाह्न को बढ़ावा मिलना भारत की विकास-केंद्रित नीति को दशार्ते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति के नागरिक तक विकास पहुँचाने का प्रयास जारी है। नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत को मजबूत आधार दिया है। भारत ने विकास और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखा है। एक ओर सैन्य तैयारी और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया, तो दूसरी ओर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया। यही संतुलन भारत को उन देशों से अलग करता है, जहाँ सत्ता संघर्ष और अस्थिरता ने विकास को वर्षों पीछे धकेल दिया।

देश के भीतर सुधारों की प्रक्रिया भी समानांतर रूप से आगे बढ़ी है। महिला आरक्षण, जीएसटी के माध्यम से कर-व्यवस्था का एकीकरण, तीन तलाक पर प्रतिबंध, अनुच्छेद 370 का निरसन, नागरिकता संशोधन अधिनियम, नई शिक्षा नीति, श्रम संहिताओं का सरलीकरण, दिवालियापन संहिता, डिजिटल डेटा संरक्षण कानून, औपनिवेशिक आपराधिक कानूनों के स्थान पर नई न्याय संहिताएँ, आतंकवाद और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त प्रावधान तथा चुनावी-प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए एसआईआर जैसे कदम यह दशार्ते हैं कि सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर लागू किए जा रहे हैं। विकास के ये प्रयास जमीन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिनमें दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर, वंदे भारत ट्रेनें, अमृत भारत स्टेशन योजना, अयोध्या, काशी और सोमनाथ का सांस्कृतिक पुनर्विकास, मुंबई की कोस्टल रोड और अटल सेतु, सौर-पवन ऊर्जा परियोजनाएँ, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों का विस्तार, हर-घर जल योजना, गगनयान और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में निवेश तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क-सुरंग-पुल निर्माण ने यह साबित किया है कि भारत की विकास योजनाएँ ठोस कार्यों में बदल रही हैं।

वर्ष 2025 में सुरक्षा की दृष्टि से भारत ने विवेकपूर्ण भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना के सीमावर्ती जंगलों में ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत नक्सल-माओवादी नेटवर्क पर निर्णायक कार्रवाई की गई। बीजापुर (छत्तीसगढ़) में नक्सली हिंसा के बाद क्षेत्र-नियंत्रण और तलाशी अभियान चलाए गए। नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सतत गश्त और त्वरित तैनाती से स्थिरता बनाए रखी गई। साथ ही अजेय वॉरियर-25 (राजस्थान), हरिमाऊ शक्ति-2025 (मलेशिया), ऑस्ट्राहिंद-2025 (ऑस्ट्रेलिया) और ब्राइट स्टार-2025 (मिस्र) जैसे अभ्यासों से अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग को मजबूती मिली। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल-2025 और रक्षा आधुनिकीकरण ने भारत की तैयारी को और सुदृढ़ किया।

स्पष्ट है कि युद्ध और अराजकता के इस दौर में भारत ने विवेक, संवाद और समावेशी विकास के मार्ग को चुना है। यही भारतीय दृष्टिकोण न केवल देश के भविष्य को सुरक्षित करता है, बल्कि वैश्विक शांति में भी सकारात्मक योगदान देता है। भारतीय विवेक की यही विजय है और संतुलित विकास ही उसकी पहचान है, जो भविष्य में भारत के विश्व गुरू बनने की राह प्रशस्तप करते हैं। हमें गर्व है कि हम ऐसे महान देश के नागरिक हैं और हमारा सौभाग्य है जो हमने भारत भूमि पर जन्म लिया है। अपने कर्तव्यों और दायित्वों का ईमानदारी से पालन कर हमें देश के स्वाभिमान की रक्षा करनी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी आनंद व उमंग के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपने गौरवमयी इतिहास को देख सके।
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

अलेप्पो में संघर्ष के बाद कुर्द लड़ाकों को निकाला गया

अलेप्पो , एजेंसी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में कई दिनों से चल रही हिंसक झड़पों के बाद कुर्द लड़ाकों को एक विवादित इलाके से बाहर निकाल लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम संघर्ष को खत्म करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, बसों के जरिए शेख मकसूद इलाके से आखिरी कुर्द लड़ाकों को पूर्वोत्तर सीरिया भेजा गया, जो कुर्द नेतृत्व वाले बलों के नियंत्रण में है। कुर्द बलों के कमांडर मजलूम अब्दी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए युद्धविराम पर सहमति बनी और लड़ाकों, घायल लोगों व फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी की भी मांग की। मौके पर मौजूद पत्रकारों के अनुसार, करीब 360 लड़ाकों को बसों से ले जाया गया, जबकि इससे पहले नागरिकों को भी सुरक्षित निकाला गया था।

युद्धविराम के तीन महीने बाद भी गाजा में हिंसा, इस्राइली फायरिंग में तीन की मौत

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइली फायरिंग की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम तीन फलस्तीनी मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक अक्तूबर में हुए युद्धविराम के बाद भी हिंसा पूरी तरह थमी नहीं है और तनाव बना हुआ है। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि गाजा सिटी के तुफ्फाह इलाके में, जो फलस्तीनी नियंत्रण में है, एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के पूर्व स्थित बनी सुहैला कस्बे में दो लोगों की जान गई, जहां अब भी इस्राइली मौजूदगी बताई गई है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा पट्टी में उनके नियंत्रण वाले क्षेत्र में घुसने वाले एक आतंकी पर फायरिंग की गई, जो तत्काल खतरा पैदा कर रहा था। सेना के अनुसार, निशाना साधा गया। हालांकि, गाजा के दक्षिण में हुई घटना पर सेना की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई। अक्तूबर में हमास और इस्राइल के बीच युद्धविराम के बाद लड़ाई में कमी आई है, लेकिन घटनाएं पूरी तरह बंद नहीं हुईं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर समझौते के उल्लंघन के आरोप लगाते रहे हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 440 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें अधिकांश नागरिक हैं।

पाकिस्तान : गैस सिलेंडर ब्लास्ट में नवविवाहित जोड़े सहित 8 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार तड़के हुए गैस सिलेंडर विस्फोट में एक नवविवाहित जोड़े सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। यह हादसा सेक्टर त्र-7/2 में एक घर में हुआ, जहां शादी का कार्यक्रम चल रहा था। विस्फोट इतना तेज था कि घर ढह गया और आसपास के चार मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 19 लोगों को बाहर निकाला, जिनमें कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में आपातकाल घोषित किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती जांच में गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फटने की बात सामने आई है।

रूस में ड्रोन हमले में महिला की मौत, तीन घायल

वोरोनिश, एजेंसी। रूस के वोरोनिश शहर में शनिवार को यूक्रेन के ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। राज्यपाल अलेक्जेंडर गुसेव के अनुसार, हमला उस समय हुआ जब ड्रोन का मलबा एक घर पर गिरा। घायल तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही, इस हमले में 10 से अधिक अपार्टमेंट, निजी घर और एक हाई स्कूल क्षतिग्रस्त हुआ।

पाकिस्तान में 11 आतंकवादियों को बनाया निशाना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया है। एक अभियान में टीटीपी से जुड़े आतंकी मारे गए। इसके अलावा, कुर्रम जिले में पुलिस-सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से एक अन्य अभियान में पांच आतंकवादी ढेर किए। वहीं, एक धार्मिक मदरसे के पास हुए भीषण धमाके में एक वरिष्ठ मौलवी की मौत हो गई।

इंडोनेशिया ने मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक पर लगाया प्रतिबंध

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार को एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। इंडोनेशिया इस एआई टूल को ब्लॉक करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। सरकार ने यह कदम ग्रोक द्वारा तैयार की गई आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री के जोखिम के कारण उठाया है।

ट्रम्प बोले- ईरान 'रेड लाइन' पार कर रहा, अमेरिका के सामने कड़े विकल्प मौजूद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने के लिए ईरान की कार्रवाई रेड लाइन पार कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका 'कड़े विकल्पों' पर विचार कर रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों के साथ जो हो रहा है, उस पर अमेरिका की नजर है। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान रेड लाइन पार कर चुका है, तो उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि वे ऐसा करने लगे हैं। ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका से संपर्क कर बातचीत का प्रस्ताव रखा है। बैठक तय करने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, हालात को देखते हुए उन्हें पहले कार्रवाई करनी पड़ सकती है, क्योंकि मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है और गिरफ्तारियां जारी हैं। ईरान में बीते दो हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इनमें अब तक 538 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10,600 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। न्यूज एजेंसी ने प्रदर्शनकारियों के हवाले से बताया कि मरने वालों में 490 प्रदर्शनकारी और 48 सुरक्षाकर्मी हैं।

ईरानी विदेश मंत्री बोले- प्रदर्शनकारियों ने पुलिसवालों को जिंदा जलाया : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिसवालों को मारने और जिंदा जलाने का आरोप लगाया है। अराघची ने इसे इजराइली की खुफिया एजेंसी मोसाद की साजिश बताया। अराघची ने पुलिसवालों पर हमले का वीडियो भी शेयर किया है।

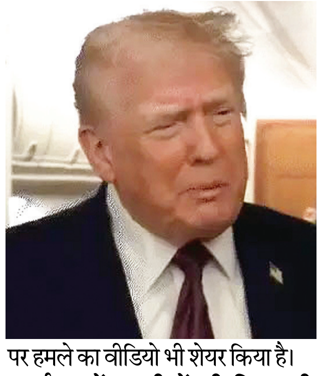

ईरान में भारतीयों की गिरफ्तारी की खबर झूठी : ईरान में प्रदर्शनों के बीच भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी की खबरों को ईरान ने खारिज कर दिया है। भारत में ईरान के राजदूत ने साफ कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही यह जानकारी पूरी तरह गलत है। राजदूत मोहम्मद फथाली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कुछ विदेशी अकाउंट्स द्वारा ईरान के हालात को लेकर फैलाई जा रही खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी भारतीय नागरिक की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

अमेरिका में भी ईरानियों का प्रदर्शन, भीड़ में ट्रक घुसा : अमेरिका के लॉस एंजिलिस में ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के दौरान हंगामा हो गया। एक तेज रफ्तार ट्रक प्रदर्शनकारियों की भीड़ के बीच से निकल गया, जिससे लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने ट्रक ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की। घटना रविवार दोपहर वेस्टवुड इलाके की वेटरन एवेन्यू पर हुई, जहां सैकड़ों लोग ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के समर्थन में मार्च कर रहे थे। ट्रक के गुजरते ही कई प्रदर्शनकारी उसके पीछे दौड़े और ड्राइवर को रोकने की कोशिश की।

पुलिस के मुताबिक, ट्रक को कुछ ही ब्लॉक आगे जाकर रोका गया। तब तक ट्रक की खिड़की और साइड मिरर टूट चुके थे। प्रदर्शनकारी ड्राइवर पर मुक्के बरसाने और झंडों के डंडे ट्रक के अंदर घुसाने की कोशिश कर रहे थे।

ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी : प्रदर्शनों के बीच ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उस पर हमला किया तो वह अमेरिकी सैनिकों और इजराइल को निशाना बनाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागर गालीबाफ ने रविवार को कहा कि अगर अमेरिका ने हमला किया तो इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी मिलिट्री बेस, शिप्स और इजरायल हमारे टारगेट पर होंगे। यह बयान संसद के लाइव सत्र के दौरान दिया गया, जहां सांसद 'डेथ टू अमेरिका' के नारे लगा रहे थे। कालीबाफ ने ईरान की सुरक्षा एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हालात में मजबूती से काम किया है। प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी कि गिरफ्तार किए गए लोगों से सबसे सख्त तरीके से निपटा जाएगा और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

ट्रम्प को ईरान पर हमले का प्लान बताया गया : ईरान में जारी प्रदर्शन के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ईरान पर संभावित सैन्य हमलों के विकल्पों की ब्रीफिंग दी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई करती है तो ट्रम्प सैन्य कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर लिखा, 'ईरान आजादी की ओर देख रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।' वहीं, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालीबाफ ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका या इजराइल ने ईरान पर हमला किया तो दोनों को सख्ती से जवाब देंगे। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान में दंगे भड़काकर अराजकता और अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानियों से दंगाइयों और आतंकवादियों से दूर रहने को कहा। पजशकियान का कहना है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे। लेकिन दंगाइयों की नहीं, जो पूरे समाज को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं। पजशकियान ने कहा, 'हम लोगों की समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन दंगाइयों को पूरे समाज को खत्म करने की इजाजत नहीं दे सकते।

तीन हफ्तों में दूसरी बार न्यूजीलैंड के टौरंगा में सिख नगर कीर्तन का विरोध

टौरंगा, एजेंसी। न्यूजीलैंड के टौरंगा शहर में रविवार को सिख समुदाय के वार्षिक नगर कीर्तन के रास्ते में स्थानीय राइट-विंग धार्मिक समूह के लोगों ने फिर से दखल दिया। यह तीन हफ्तों में दूसरी बार है जब इस तरह का विरोध देखा गया है। नगर कीर्तन सुबह 11 बजे गुरुद्वारा सिख संगत मंदिर से शुरू हुआ और कैमरन रोड से टौरंगा बॉयज कॉलेज की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से सुरक्षा बढ़ा रखी थी क्योंकि पिछले कुछ समय में इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।

बता दें कि प्रदर्शन करने वाले समूह जो पेंटेकोस्टल नेता ब्रायन तमाकी के डेस्टिनी चर्च से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस समूह के लोगों ने कीर्तन के सामने मैओरी हाका नामक पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन किया और यह न्यूजीलैंड है, भारत नहीं, जैसे नारों वाले बैनर दिखाए। हालांकि कोई बड़ी हिंसा नहीं हुई और पुलिस तथा कीर्तन के स्वयंसेवकों की संयुक्त मदद से यह कार्यक्रम शांति से पूरा हो गया।

तमाकी ने सोशल मीडिया पर भी किया पोस्ट : इस विरोध प्रदर्शन को लेकर तमाकी ने सोशल मीडिया पर खुद एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने इस प्रदर्शन को शांति पूर्ण बताया। साथ ही वीडियो के कैप्सन में लिखा कि किसकी सड़के? कीवी की सड़के! हालांकि दूसरी ओर शिरोमणि गुरुद्वारा परबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस विरोध की कड़ी निंदा की है।

एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने कहा कि नगर कीर्तन सिख धर्म का पवित्र और शांतिपूर्ण प्रतीक है, और इसे रोकने की कोशिश धार्मिक आजादी तथा सामाजिक सद्भाव को चुनौती देना है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय हमेशा स्थानीय कानून और संस्कृति का सम्मान करता रहा है, लेकिन ऐसे व्यवस्थित विरोध ने समुदाय को गहरा दुख पहुंचाया है।

न्यूजीलैंड और भारत सरकार से कार्रवाई की अपील : एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने इस विरोध प्रदर्शन को लेकर न्यूजीलैंड तथा भारत सरकार से सख्त कदम उठाने की अपील की है। गौतरलब है कि यह दूसरी बार है जब नगर कीर्तन का विरोध हुआ है। इससे पहले लगभग तीन हफ्ते पहले भी ऑकलैंड में एक नगर कीर्तन को इसी समूह के विरोध का सामना करना पड़ा था, जिससे स्थानीय सिख समुदाय में तनाव बढ़ गया था और पंजाब के मुख्यमंत्री व एसजीपीसी समेत कई धार्मिक व राजनीतिक नेताओं ने उस घटना की भी निंदा की थी।

मार्को रुबियो बनेंगे 'क्यूबा के राष्ट्रपति'?

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह सुनने में अच्छा लग रहा है...

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों में एक बार फिर तीखापन नजर आ रहा है। लैटिन अमेरिका में बदलते समीकरणों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने जहां क्यूबा को अमेरिका के साथ डील करने की खुली चेतावनी दी, वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो को क्यूबा का राष्ट्रपति बनाने के सुझाव पर सहमति जताकर सियासी हलचल बढ़ा दी। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 'क्यूबा के राष्ट्रपति' बनते हैं तो यह विचार उन्हें अच्छा लगता है। साथ ही उन्होंने क्यूबा को चेतावनी दी कि बहुत देर होने से पहले अमेरिका के साथ समझौता कर ले।

सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा यह मामला : ट्रंप ने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए की। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा था, 'मार्को रुबियो क्यूबा के राष्ट्रपति होंगे'। ट्रंप ने इसे शेयर करते हुए लिखा, 'यह सुनने में अच्छा लग रहा है। हालांकि अपने बड़बोलेपन के लिए प्रसिद्ध आए दिन कई ऐसे दावे सोशल मीडिया पर करते रहते हैं।

अमेरिका की क्यूबा को चेतावनी- समझौता करो वरना तेल के पैसे बंद : इसके साथ ही ट्रंप ने रविवार को क्यूबा को कड़ा संदेश भेजा है कि अगर वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ समझौता नहीं करता, तो अब वेनेजुएला से तेल और आर्थिक मदद बंद कर दी जाएगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि वेनेजुएला ने वर्षों तक क्यूबा को तेल और पैसा देकर सहारा दिया, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई तेल या पैसा क्यूबा को नहीं मिलेगा, शून्य और कहा कि क्यूबा को समझौता करना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए। ट्रंप ने आरोप लगाया कि क्यूबा ने वेनेजुएला को सुरक्षा सेवाएं दी थीं, लेकिन अब वेनेजेला को संरक्षण के लिए अमेरिका की मदद की जरूरत है। इससे पहले अमेरिका ने वेनेजुएला में अपने कदम बढ़ाए हैं और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण की कोशिश की है। गौरतलब है कि क्यूबा लंबे समय से वेनेजुएला के तेल पर निर्भर रहा है।

'किसी भी तरह से ग्रीनलैंड को हासिल करेंगे', ट्रंप की फिर दो टूक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मंशा जगजाहिर कर चुके हैं। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को लेकर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं। इस बीच एक बार फिर ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि वह ऐसा होने नहीं देंगे और 'किसी भी तरह' ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बनेगा। ट्रंप ने दो टूक बयान देते हुए कहा कि हम ग्रीनलैंड को किसी भी कीमत पर हासिल करेंगे। साथ ही उन्होंने नाटो को भी निशाने पर लिया है।

अब ग्रीनलैंड पर क्या बोले राष्ट्रपति ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने अब कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन ग्रीनलैंड ले लेंगे। और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। मुझे उनके (ग्रीनलैंड के साथ) एक डील करना पसंद आएगा। यह आसान है। लेकिन किसी भी तरह से, हम ग्रीनलैंड लेने वाले हैं।

ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। ग्रीनलैंड रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है, जहां प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ आर्कटिक क्षेत्र में सैन्य और भू-राजनीतिक संतुलन भी जुड़ा हुआ है। इसी के साथ ट्रंप ने नाटो को लेकर भी अपनी सख्त प्रतिक्रिया दी।

नाटो पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि नाटो को बचाने वाले वही हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सदस्य देशों को उनके रक्षा बजट पर खर्च करने के लिए मजबूर किया। पहले वे जीडीपी का सिर्फ 2 प्रतिशत भी नहीं देते थे, अब वे 5 प्रतिशत तक भुगतान कर रहे हैं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता, तो शायद आज नाटो ही नहीं होता।' ट्रंप ने यह भी सवाल उठाया कि जरूरत पड़ने पर क्या नाटो देश अमेरिका के साथ खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने नाटो पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन बदले में भरोसे की कोई गारंटी नहीं है। साथ ही उन्होंने यह संकेत भी दिया कि अगर अमेरिका नाटो से बाहर निकलता है, तो इससे नाटो को आर्थिक नुकसान होगा।

नाटो को भी दिखाया ट्रंप ने आईना : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैंने ही उन्हें जीडीपी का 5.5% हिस्सा देने के लिए राजी किया। पहले यह 2 फीसदी था, और वे नहीं देते थे। अब वे 5 प्रतिशत दे रहे हैं। नाटो को बचाने वाला मैं ही हूं। अगर मैं राष्ट्रपति नहीं होता तो नाटो होता ही नहीं। हो सकता है नाटो नाराज हो जाए अगर मैं ऐसा करूं (अगर मैं अमेरिका को नाटो से बाहर निकाल लूं)। हो सकता है नाटो से बहुत सारा पैसा बच जाए। मुझे नाटो पसंद है। मैं बस सोचता हूं कि अगर हमें नाटो की जरूरत पड़ी, तो क्या वे हमारे लिए मौजूद रहेंगे? मुझे यकीन नहीं है कि वे होंगे। हमने नाटो पर बहुत पैसा खर्च किया है।'

वेनेजुएला पर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान: खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई कर और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर पूरी दुनिया में भूचाल ला गया था। वहीं अब वेनेजुएला से जुड़ा एक पोस्ट कर नई सनसनी फैला दी है। अपने ट्रूथ सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट कर ट्रंप ने खुद को वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया है, उन्होंने इससे जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की है।

खुद को 'वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया : डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने खुद को 'वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति' बताया है। ट्रुथ सोशल पर साझा की गई इस पोस्ट में वेनेजुएला में हाल के घटनाक्रमों के बाद ट्रंप को कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में दर्शाने वाली एक डिजिटल रूप से संपादित तस्वीर दिखाई गई है। यह तस्वीर ऐसे वक्त पर साझा की गई है, जब ट्रंप लगातार वेनेजुएला के तेल भंडार को लेकर तेल कंपनियों के साथ बैठक कर रहे हैं और लगातार ईरान-ग्रीनलैंड पर धमकी भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला पर शासन! : विकिपीडिया की संपादित तस्वीर में डोनाल्ड ट्रंप को जनवरी 2026 तक वेनेजुएला के वर्तमान राष्ट्रपति के रूप में दर्शाया गया। बता दें कि वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप ने यह भी दावा किया कि है जब तक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक अमेरिका वेनेजुएला सरकार का 'संचालन' करेगा।

तेल कंपनियों को ट्रंप की दो टूक : बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दुनिया की दिग्गज तेल-गैस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने साफ कर दिया कि वेनेजुएला में निवेश अब सीधे अमेरिका के साथ होगा, ना कि वेनेजुएला सरकार के साथ। ट्रंप ने सुरक्षा की गारंटी देते हुए तेल उद्योग को बड़े निवेश के लिए खुला न्योता दिया। ट्रंप ने ये भी कहा कि अगर अमेरिका ने समय रहते कार्रवाई नहीं की होती, तो चीन या रूस वेनेजुएला में अपनी मजबूत मौजूदगी बना चुके होते।

अमेरिका वेनेजुएला में क्या करना चाहता है : अमेरिका चाहता है कि उसकी तेल कंपनियां वेनेजुएला में निवेश करें। तेल उत्पादन और बुनियादी ढांचे को दोबारा खड़ा किया जाए। वेनेजुएला के तेल की वैश्विक बिक्री पर अमेरिका की पकड़ बनी रहे। ट्रंप प्रशासन इसे आर्थिक पुनर्निर्माण का रास्ता बता रहा है।

नेपाल में चुनाव से पहले फिर राजा की वापसी की मांग क्यों?

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आम चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है। राजधानी काठमांडो में रविवार को राजशाही समर्थकों ने रैली निकालकर राजा की बहाली की मांग की। यह रैली जेन-जी आंदोलन के बाद अपदस्थ राजा ज्ञानेंद्र विक्रम शाही के समर्थकों की पहली बड़ी सार्वजनिक मौजूदगी मानी जा रही है। मार्च में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले इस प्रदर्शन ने नई बहस छेड़ दी है। राजशाही समर्थकों का कहना है कि जेन-जी आंदोलन और उसके बाद बने हालात ने देश को अस्थिर कर दिया है। सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद अंतरिम सरकार बनी और अब मार्च में चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी बीच राजशाही समर्थक सड़कों पर उतरे और दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था देश को स्थिरता नहीं दे पा रही है। प्रदर्शन में क्या नारे लगे? रैली में शामिल लोग हम अपने राजा से प्यार करते हैं और राजा को वापस लाओ जैसे नारे लगाते दिखे। प्रदर्शनकारी 18वीं सदी में शाह वंश की नींव रखने वाले पृथ्वी नारायण शाह की मूर्ति के आसपास एकत्र हुए। रविवार को पृथ्वी नारायण शाह की जयंती भी थी, जिसे रैली के लिए प्रतीकात्मक दिन माना गया। राजशाही समर्थक क्या दलील दे रहे हैं? प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राजशाही ही देश के लिए आखिरी विकल्प है। जेन-जी आंदोलन के बाद हालात संभालने में सरकार नाकाम रही है। राजनीतिक अस्थिरता और अव्यवस्था बढ़ी है। राजा की वापसी से देश में एकता आएगी। गणतंत्र व्यवस्था से लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। भारत पहुंचे जर्मनी के चांसलरः पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात, 52 हजार करोड़ के पनडुब्बी सौदे पर लग सकती है मुहर पिछला अनुभव और सुरक्षा इंतजाम कैसे रहे? पिछले वर्षों में ऐसी रैलियों के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुई थीं और हिंसा भी देखी गई थी। इस बार हालांकि रैली शांतिपूर्ण रही। इसके बावजूद दंगा रोधी पुलिस को तैनात रखा गया और पूरे कार्यक्रम पर कड़ी नजर रखी गई। प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क दिखा। नेपाल में राजशाही कब खत्म हुई? नेपाल में 2008 में राजशाही खत्म कर देश को गणतंत्र घोषित किया गया था। अंतिम शाह राजा ज्ञानेंद्र को गद्दी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। अब एक बार फिर राजशाही की मांग उठने से चुनावी राजनीति पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। जानकारों का मानना है कि आने वाले चुनावों में यह मुद्दा बड़ा राजनीतिक हथियार बन सकता है।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करे ईरान सरकार'; यूएन महासचिव गुटेरेस की सख्त अपील

जिनेवा, एजेंसी। ईरान में लगातार बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ईरानी सरकार से सख्त लेकिन संवेदनशील अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार को हालात संभालते समय अधिकतम संयम बरतना चाहिए और जनता के अभिव्यक्ति, संगठन और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों का पूरी तरह सम्मान करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब बीते 15 दिनों में ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 420 लोगों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी मानवाधिकार कार्यकर्ता इन ईरान (एचआरए) ने दी है, जिसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी रिपोर्ट किया है।

अनावश्यक बल प्रयोग से बचें- गुटेरेस : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने बयान में गुटेरेस ने कहा कि वे ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और अत्यधिक बल प्रयोग की खबरों से स्तब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अनावश्यक या असमानुपातिक बल का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि ईरान में सूचना तक पहुंच बहाल की जाए, खासकर संचार सेवाओं को फिर से शुरू किया जाए ताकि लोग सच्चाई तक पहुंच सकें।

इजरायल का समर्थन, नेतन्याहू का बयान : इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी ईरान की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ईरान में हो रहे घटनाक्रम पर करीबी नजर बनाए हुए है और ईरानी नागरिकों की बहादुरी को पूरा विश्व देख रहा है।

कैसे शुरू हुए प्रदर्शन : गौरतलब है कि ये विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही ये देशव्यापी आंदोलन में बदल गए। कई शहरों में झड़पें,

गिरफ्तारियां और सख्त सरकारी कार्रवाई देखने को मिली। मानवाधिकार संगठनों ने लगातार मौतों की संख्या और प्रदर्शनकारियों के साथ किए जा रहे व्यवहार पर चिंता जताई है। वहीं, ईरानी सरकार का कहना है कि यह सब विदेशी हस्तक्षेप और दंगाइयों की वजह से हो रहा है।

सख्त कार्रवाई की चेतावनी : ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। उनके अनुसार, सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसे आरोप होंगे और सख्त सजा दी जाएगी।

मशहूर रॉकस्टार बॉब वियर का 78 की उम्र में निधन : वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर रॉकस्टार और अमेरिकी रॉक बैंड द ग्रेटफुल डेड के सह-संस्थापक, गायक बॉब वियर का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर बताया कि वियर लंबे समय से कैंसर और फेफड़ों की समस्याओं से जूझ रहे थे। वह अपने अंतिम क्षण में अपनों के बीच थे। छह दशकों के अपने संगीत सफर में वियर ने अमेरिकी संगीत को एक नई पहचान दी।

इक्वाडोर के एक बीच पर इंसानी सिर लटके मिले : क्विटो , एजेंसी। पुलिस ने रविवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी इक्वाडोर के एक बीच पर रस्सियों से पांच इंसानी सिर लटके मिले, क्योंकि देश ड्रग तस्करी से जुड़ी हिंसा की लहर से जूझ रहा है। इक्वाडोर के मीडिया आउटलेट्स द्वारा पब्लिश की गई तस्वीरों में खूनी मंजर दिख रहा था। सिरों के पास प्यूर्टो लोपेज़ के छोटे मछली पकड़ने वाले बंदरगाह में मछुआरों से कथित तौर पर जबरन वसूली करने वालों के लिए एक चेतावनी का साइन लगा था। रस्सियां बीच पर लकड़ी के खंभों से बंधी थीं। एक पुलिस रिपोर्ट में इस घटना का कारण आपराधिक गिरोहों के बीच संघर्ष बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कार्टेल से जुड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क इस इलाके में एक्टिव हैं और उन्होंने अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए मछुआरों और उनकी छोटी नावों का इस्तेमाल किया है। इलाके और ड्रग तस्करी के रास्तों पर कंट्रोल के लिए विवाद ने मनाबी प्रांत में हिंसक घटनाओं को जन्म दिया है, जहां प्यूर्टो लोपेज स्थित है।

यस बॉस

कामकाजी लोगों का ज्यादातर वक्त दफ्तर में गुजरता है। ऐसे में अगर उनके बॉस तुनक मिजाज हैं, तो उनका ऑफिस का जीवन हो सकता है तनाव भरा। अलग-अलग मिजाज वाले बॉस से कैसे किया जा सकता है सामना और रखा जा सकता है खुद को व ऑफिस के माहौल को फिट।

उलझे व्यक्तित्व के बॉस

ऐसे मिजाज वाले बॉस से प्रशंसा पाना पत्थर में से पानी निकालने के बराबर होता है। आप अकेले होकर कितना भी बड़ा खिताब क्यों न जीत लें पर वे उसमें से भी खामी निकालने में नहीं चूकेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

वे लोग जो दूसरों में दोष निकालते हैं, वे खुद में भी कमियां महसूस करते हैं। वे सोचते हैं कि उनका छोटी-छोटी बातों पर आलोचना करना अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए मददगार साबित होता है। ऐसे बॉस इस बात से चिंतित रहते हैं कि अगर वे आपकी प्रशंसा करते हैं, तो आप अपनी उन्नति से संतुष्ट हो जाते हैं और ठहर जाते हैं।

नुकसान

प्रशंसा और प्रोत्साहन के बिना कर्मचारियों का मनोबल कम हो जाता है और उनके उत्साह में कमी आ जाती है।

यूं कीजिए सामना

बॉस की ओर से प्रशंसा कभी नहीं मिलेगी, तो फिर इसकी उम्मीद छोड़ दें। किसी भी बड़े काम के बाद अपने बॉस से मीटिंग करें व कुछ सवाल पूछें जैसे कि क्या चीज सही रही इस क्षेत्र में मेरा सहयोग कैसा रहा यह आपके लिए सकारात्मक फीडबैक उत्पन्न करता है, जो कि आपको सही ढंग से काम करने में फायदा देता है।

बड़े बॉस

इस तरह के मिजाज वाले बॉस के दरवाजे पर हमेशा डू नॉट डिस्टर्ब की तख्ती लगी रहती है। वे रूखे स्वभाव के होते हैं, उन्हें चाय की पूछने के लिए भी आपको मानसिक तौर पर तैयार होना पड़ता है।

क्यों होते हैं ऐसे

उन्हें सदा अपनी खामियां उजागर होने का भय सताता है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि वे हमेशा असमंजस में रहते हैं, यहां तक कि उन्हें अपनी उन्नति पर भी विश्वास नहीं होता।

नुकसान

इससे डरा देने वाली स्थिति बन जाती है। एक समस्या के बाद दूसरी समस्या पैदा हो जाती है।

यूं कीजिए सामना

आप अगर ऐसे बॉस के पास कोई भी समस्या लेकर जाते हैं, तो याद रखें कि उसका हल भी आप ही साथ ले जाएं, इस प्रकार के बॉस ऊपरी भावों से प्रभावित हो जाते हैं। इसलिए जब भी आप उनसे बात करें, तो केवल कॉन्सेप्ट व उसके फायदे के बारे में ही करें। विषय की गहराई तक न जाएं।

दोस्त या बॉस

बेस्ट फ्रेंड बॉस महिला कर्मचारियों पर विशेष ध्यान रखते हैं। उनका मकसद सिर्फ लोकप्रियता हासिल करना होता है, बजाय कामकाज के।

क्यों होते हैं ऐसे

ऐसे बॉस सभी कर्मचारियों को खुश रखने में माहिर होते हैं। उन्हें सभी पसंद करते हैं। वे किसी भी बात के लिए इंकार नहीं करते और न ही किसी तरह के कोई मतभेद पैदा करते हैं।

नुकसान

काम से जी चुराने वाले कर्मचारी मजे करते हैं और मेहनती कर्मचारी काम में उलझे रहते हैं।

यूं कीजिए सामना

उनके निर्णयों के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएं। जैसे ही वे किसी बात के लिए मान जाएं, तो पहले अच्छी तरह से उनसे कहें कि मैं जो सोच रहा हूं इससे आप सहमत हैं और फिर उसे लिख लें। ऐसा करने से वे पीछे नहीं हटेंगे। फिर एक लिस्ट बनाएं, जिसमें पूरे काम का विवरण हो और ये भी नोट करें कि किस काम के लिए कौन जिम्मेदार है। अगर आप काम समय सीमा में व सही तरह से खत्म करना चाहते हैं, तो बेहतर रहेगा कि आप खुद ही सभी के पीछे पड़कर काम करवाएं, बजाए बॉस पर निर्भर रहने के।

सनकी बॉस

इनिशिएटिव व क्रिएटीविटी इस तरह के बॉस के लिए बुरे शब्द हैं। उनके पास न केवल आइडिया है, साथ ही उन्हें लागू भी कर लेंगे।

क्यों होते हैं ऐसे

साधारण तौर पर ये बॉस पूर्णतावादी होते हैं। वे चाहते हैं कि हर काम उनकी क्षमता अनुसार ही किया जाए। हर समय हताश रहने वाले ये बॉस खुद कुछ भी नहीं कर पाते।

नुकसान

जब भी आपकी रचनात्मकता को रोका जाएगा आप ऊबने लगेंगे और आपको निराशा हाथ लगेगी। अगर आपको कुछ नया सीखने का मौका नहीं मिला, तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे।

यूं कीजिए सामना

आपको उनसे मुकाबला करना चाहिए, लेकिन भाषा पर काबू रखना जरूरी है। तुम ऐसे हो, तुमको व कभी नहीं का इस्तेमाल न करें। रिजॉल्विंग कॉनफ्लिक्ट के लेखक शेए मेकोनन कहते हैं कि अगर आप अपने बॉस से कहते हैं कि आपने मुझे कोई जिम्मेदारी नहीं दी है, तो सबसे पहले वे खुद को बचाने की कोशिश करेंगे फिर अपना स्पष्टीकरण देंगे, यह आपके लिए बेकार होगा। इसकी जगह अगर आप कहें कि मैं निर्णय लेने में शामिल होना चाहता हूं तो यह वाक्य आपकी जरूरत पर फोकस करेगा न कि बॉस के व्यवहार पर।

अपनाएं सही तरीका बालों की सफाई का

सिल्की, मुलायम, काले घने बाल मिनटों में नहीं बन जाते। उन्हें ऐसा बनाने के लिए, उनकी देखभाल के लिए पूरा समय निकालना होता है। अगर आप अपने बालों की देखभाल सही तरीके से करती हैं तो उन्हें बस कुछ ही मिनट में अपना मनचाहा स्टाइल दे सकती हैं। इसके लिए आपको ध्यान रखना है उनकी सफाई के सही तरीके पर। आजमाइए ये टिप्स -

- बालों को धोने के बाद अधिक देर तौलिए में लपेटे न रखें। अकसर लंबे बालों वाली स्त्रियां अपने बालों को धोने के बाद तौलिए से घुमाकर बालों को उसमें लपेट देती हैं। गीले बालों को संभालने का यह तरीका आपके लिए सुविधाजनक जरूर हो सकता है, लेकिन बालों के लिए खतरनाक। गीले बालों में अधिक देर तक तौलिया लपेटने से वे कमजोर हो जाते हैं और टूटते भी हैं। ऐसा करने से बचें।
- जरूरत से ज्यादा बालों को न धोएं। गर्मी में बालों का धोना रोज आवश्यक हो तो बेशक धोएं, लेकिन रोज शैंपू न लगाएं।
- बालों में सीधे शैंपू न लगाएं। थोडे से पानी में घोल कर गर्दन के पीछे पहले लगाएं, फिर ऊपर की तरफ हाथ करते हुए बालों में लगाएं।
- कंडीशनर का इस्तेमाल जब करें, तब कंघी की सहायता से पूरे बालों में उसे फैलाएं, ताकि कोई भी बाल छूटने न पाए।
- अपने बालों को ब्लो ड्राई न करें। अगर आप रात में बालों को धोती हैं, तब भी ब्लो ड्राई न करें। चाहें तो अपने तकिये पर मुलायम तौलिया रखकर सोएं।

टेबल सेटिंग

आप डायनिंग टेबल को दो तरह से सेट कर सकती हैं। एक वेस्टर्न स्टाइल दूसरा इंडियन।

वेस्टर्न स्टाइल

टेबल क्लॉथ

अगर टेबल का टॉप ग्लास या मार्बल का है, तो ढकने की जरूरत नहीं है। टेबल क्लॉथ का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो व्हाइट या पेस्टल कलर्स का ही चयन करें। ऐसा बैकग्राउंड भोजन को एलिगेंट और सिम्पल लुक देता है।

टेबल मैट्स

टेबल क्लॉथ या मैट्स में से किसी एक का ही इस्तेमाल करना ठीक रहता है। हालांकि आजकल दोनों का ही प्रयोग किया जा रहा है ताकि टेबल क्लॉथ अनचाहे दागों से बचा रहे। टेबल के किनारे और कुर्सी के सामने मैट्स को रखें। मैट्स में समान दूरी रखें।

डिनर प्लेट्स

प्लेट को मैट के ठीक बीच में रखें जिस व्यक्ति को खाना खाना है उसके बिल्कुल सामने। टेबल के किनारे से 2.5 से.मी. की दूरी पर। बाकी के बर्तन प्लेट के अनुसार ही रखें।

कटलरी

कटलरी को कैसे सजाना है यह आपकी पसंद और आपका भोजन किस तरह का है उस पर निर्भर करता है। चाकूऔर चम्मच प्लेट के राइट साइड में रखे जाते हैं और फोक लेफ्ट में। नाइफ का तेज किनारा अंदर की ओर घुमा कर रखा जाता है। कटलरी प्लेट से 1.5 से.मी. की दूरी पर होना चाहिए और वह भी सीधी लाइन मे। डेजर्ट कैसा है उसी के मुताबिक डेजर्ट कटलरी का चयन करें। इस प्लेट के ऊपरी हिस्से में सामने की ओर रखें।

गिलास

रंगीन गिलासों का प्रयोग न करें। नाइफ से ऊपर की ओर इसका मतलब पानी का गिलास लेफ्ट साइड में।

नेपकिन्स

नेपकिन्स को प्लेट की लेफ्ट साइड में रखें चाहें तो प्लेट के ऊपर या फिर गिलास के अंदर भी रख सकती हैं।

इंडियन स्टाइल

प्लेट

हालांकि भारतीय भोजन में चपाती रसेदार सब्जी के साथ खाई जाती है इसलिए एक साइड प्लेट का होना जरूरी है। इसे डिनर प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें। ध्यान रखें मैट पर डिनर प्लेट बीच में रहनी चाहिए। एक सीध में प्लेट्स होनी चाहिए। हाथ से खाने के कारण पानी के गिलास को प्लेट के लेफ्ट साइड में रखें।

बाउल

एक बड़ा बाउल जिसमें सब्जी होती है और छोटी कटोरियों में रायता डाला जाता है। इन्हें डिनर प्लेट के राइट साइड में रखा जाता है। भारतीय भोजन में केवल एक चम्मच, एक नाइफ और एक फोक का ही इस्तेमाल किया जाता है बजाय वेस्टर्न के। चाकू और चम्मच को प्लेट के राइट साइड में रखें और फोक को लेफ्ट पर। अगर सूप भी सर्व कर रही हैं, तो सूप बाउल को राइट साइड में रखें।

पोटैटो काठी रोल्स

सामग्री: 8 रोटी भर के लिए गेहूं का आटा, दूध, नमक स्वादानुसार, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर इलायची पाउडर।

टॉपिंग के लिए: दही, हरी धनिया.

फिलिंग के लिए: 4-5 उबले हुए आलू, 1 टीस्पून जीरा, 2 टीस्पून कद्दूकस किया हुआ अदरक, 1-2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटी हुई शिमला मिर्च, 3-4 कटे हुए टमाटर, नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार, गरम मसाला, कसूरी मेथी।

विधि: आटे में शक्कर, इलायची, नमक और दूध मिलाकर गूंध लें। आटे की लोई बना लें। पतली-पतली रोटियां बेलकर सेंक लें। फिलिंग के लिए आलू को छीलकर टुकड़ों में काट लें। फ्राइंगपैन में तेल गरम करके जीरा, हरी मिर्च और अदरक डालें। अब इसमें टमाटर, नमक और काली मिर्च मिलाएं। कटी हुई शिमला मिर्च, कसूरी मेथी, गरम मसाला, हरी धनिया और आलू के टुकड़े डालें। रोटी में उपरोक्त मिश्रण को भरकर लपेट कर रोल कर लें। दही के साथ गरमा गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1956

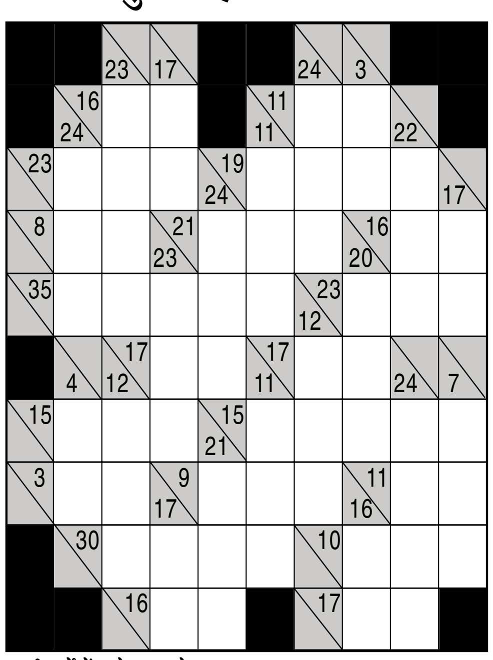

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

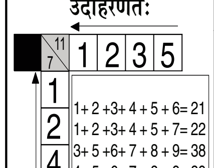

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1955 का हल

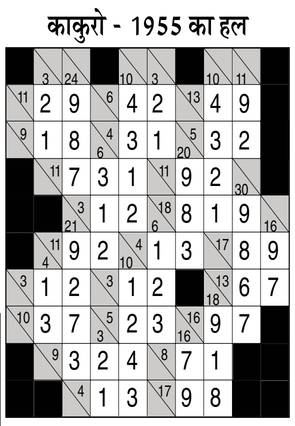

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1956

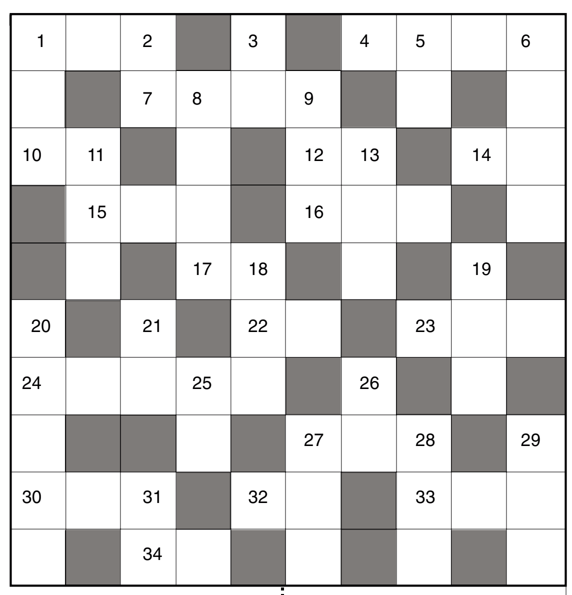

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 1955

सूडोकु -1956

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1955 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 1956

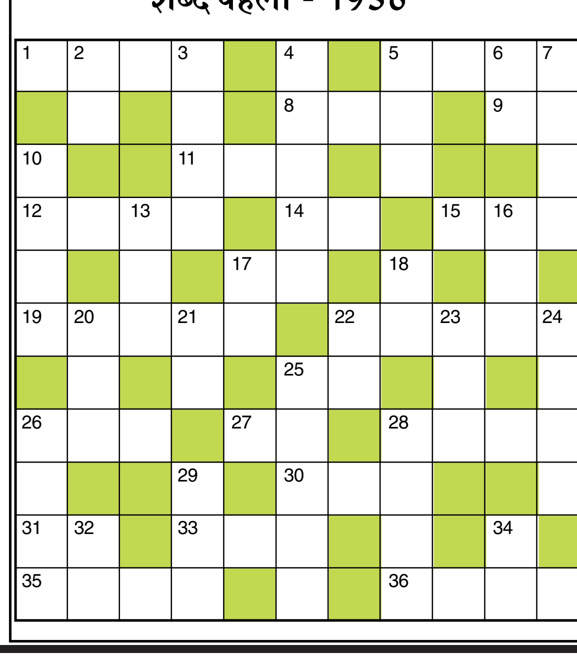

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली - 1955 का हल

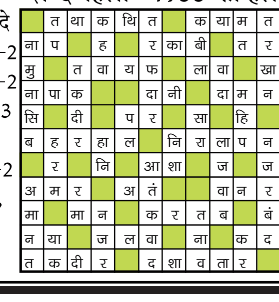

अवैध खनन को वैध दर्शाकर राजस्व हानि का मामला : एसीबी ने खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, क्रेशर मालिक व ठेकेदारों के विरुद्ध दर्ज किया केस

एजेंसी

भरतपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भरतपुर इकाई द्वारा प्राथमिक जांच के उपरांत अवैध खनन को वैध खनन दर्शाकर सरकार को राजस्व हानि पहुंचाने के गंभीर मामले में संबंधित आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। एसीबी को इस आशय की शिकायत प्राप्त हुई थी कि खनिज विभाग भरतपुर के अधिकारी-कर्मचारियों, क्रेशर मालिकों एवं रॉयल्टी ठेकेदारों द्वारा बंद पड़ी खदानों के रवन्नों का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर अवैध खनन कराया जा रहा है। शिकायत पर की गई जांच में एसीबी द्वारा प्रथम दृष्टया निम्न आरोपियों की संलिप्तता पाई गई–रामनिवास मंगल, तत्कालीन खनिज अभियंता, भरतपुर (वर्तमान में खनिज अभियंता, कोटा) वीरेन्द्र कुमार, खनिज कार्यदेशक द्वितीय, राजेन्द्र सिंह, तत्कालीन खनिज अभियंता, संजू सिंह, तत्कालीन सर्वेयर, भीम सिंह, तत्कालीन कार्यदेशक प्रथम, अभिषेक तंवर, लीज मालिक, जेपी एंड ब्रांस, क्रेशर मालिक, पारस इन्फ्रा, सीडीएस इन्फ्रा, बालाजी एंड कम्पनी, शुभ लाभ स्टोन क्रेशर, रॉयल्टी ठेकेदार मैसर्स देव दशरथ सहित अन्य। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से लाखों टन खनिज संपदा का अवैध खनन कर बंद खदानों के रवन्नों का दुरुपयोग करते हुए अवैध खनन को वैध दर्शाया। इस दौरान पद का दुरुपयोग कर सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाई गई। प्रकरण में रिपोर्ट प्राप्त होने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

एजेंसी

गांधीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास प्रदेश की अनिवार्य आवश्यकता है, किंतु यह पर्यावरण की कीमत पर नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस वर्ष प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा सरकार की नीति है कि किसी भी परियोजना में अपरिहार्य स्थिति में ही वृक्षों की कटान की जाए और जितने वृक्ष कटें, उससे अधिक संख्या में पौधरोपण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे। मुख्यमंत्री प्रदेश में संचालित एवं प्रस्तावित भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलावार

समीक्षा करते हुए उन्होंने एनएचएआई के स्थानीय अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के बीच बेहतर, सतत और प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि प्रत्येक जनपद के जिलाधिकारी एनएचएआई परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित करें। जहां भी किसी स्तर पर कोई विषय लंबित हो, उसे मुख्य सचिव की सोमवारीय समीक्षा बैठक में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मुख्य सचिव स्वयं इन परियोजनाओं की पाक्षिक समीक्षा करें, जिससे कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो और निर्णय शीघ्रता से लिए जा सकें। भूमि अधिग्रहण से संबंधित विषयों पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सीधे किसानों से संवाद स्थापित किया जाए। किसी भी स्थिति में बिचौलियों को हस्तक्षेप का अवसर न मिले, ताकि किसानों के हित सुरक्षित रहें और परियोजनाएं पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क परियोजनाएं प्रदेश के आर्थिक विकास, औद्योगिक विस्तार और आमजन की सुविधा से सीधे जुड़ी हैं। अतः सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं, जिससे उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से विकास को नई गति मिल सके।

श्रमिकों के रोजगार छीन उनके साथ अन्याय कर रही केंद्र सरकार : सिद्धारमैया

एजेंसी

कलबुर्गी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार पर श्रमिकों के रोजगार के अधिकार को छीनकर उनके साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कलबुर्गी जिला प्रशासन, जिला पंचायत कल्याण और कर्नाटक विकास बोर्ड, कलबुर्गी के संयुक्त तत्वावधान में सेडम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के जीटीटीसी केंद्रों सहित 680 करोड़ रुपये की विभिन्न विभागीय परियोजनाओं की आधारशिला रखने, उद्घाटन करने और लाभार्थियों को सुविधाएं वितरित करने के बाद यह बात कही। एमएनआरईजीए योजना पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में लागू की गई थी, लेकिन अब कानून में महात्मा गांधी का नाम बदलकर वीबीजी राम जी कर दिया गया है। ऐसा करके महात्मा गांधी की दूसरी हत्या की जा रही है। इस

योजना के तहत केंद्र सरकार को 60फीसदी अनुदान और राज्यों को 40फीसदी अनुदान देना चाहिए। हमारी पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है और कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विशेष अधिवेशन बुलाया जाएगा। इस मामले पर चर्चा की जाएगी। यह अधिनियम न तो दशरथ राम के लिए है और न ही कौशल्या राम के लिए। यह नाथूराम के लिए है। उन्होंने कहा कि जबतक यह अधिनियम निरस्त नहीं हो जाता, हमारा संघर्ष नहीं रुकेगा।

काकीनाडा आग हादसे पर सीएम चंद्रबाबू नायडू सख्त, पीड़ितों को राहत और पुनर्वास के दिए निर्देश

काकीनाडा । काकीनाडा जिले के सरलंकापल्ले गांव में हुई भीषण आग की घटना को लेकर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में आग से हुए नुकसान, राहत कार्यों और आगे की मदद को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि संक्रांति जैसे खुशी के त्योहार के दौरान यह घटना गांव के लिए एक बड़ी त्रासदी बन गई है। इस आग दुर्घटना में गांव के 38 फूस के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का है और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। गृह मंत्री अनीता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अब तक दी जा रही राहत की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तत्काल राहत के तौर पर प्रत्येक प्रभावित परिवार को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही, जरूरतमंद परिवारों को भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जिन परिवारों के घर आग में पूरी तरह जल गए हैं, उन्हें सरकार की ओर से नया घर स्वीकृत किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक नए घरों का निर्माण पूरा नहीं हो जाता, तब तक पीड़ित परिवारों के लिए अस्थायी आवास की व्यवस्था की जाए, ताकि उन्हें रहने में कोई दिक्कत न हो। साथ ही, भोजन और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी लगातार उपलब्ध कराई जाएं।

शीतलहर का असर : नर्सरी से 8वीं तक अवकाश, 9 से 12वीं के स्कूल समय में बदलाव

श्रीगंगानगर। राज्य में जारी अत्यधिक शीतलहर को देखते हुए जिले की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप श्रीगंगानगर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। इसके तहत नर्सरी से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि कड़ाके की सर्दी के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में 14 जनवरी से 15 जनवरी 2026 तक नर्सरी से कक्षा 8 तक अवकाश रहेगा। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों तथा पूर्व निर्धारित परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा। आदेशों की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं गैर-राजकीय विद्यालयों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर को मिला देश के शौर्य को समर्पित नया प्रतीक, बना ब्रह्मोस मिसाइल सर्कल

जोधपुर। देश के शौर्य, पराक्रम और सैन्य शक्ति को समर्पित एक नया प्रतीक आज जोधपुर शहर को मिला। रातानाडा क्षेत्र में स्थित सब्जी मंडी से सेनापति भवन की ओर जाने वाला प्रमुख चौराहा, जो अब तक गुमनाम था, अब 'ब्रह्मोस मिसाइल सर्कल' के नाम से जाना जाएगा। देश के पराक्रम और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को दर्शाने के उद्देश्य से इस चौराहे पर ब्रह्मोस मिसाइल का आकर्षक और भव्य प्रारूप स्थापित किया गया है। मिसाइल का यह स्वरूप भारतीय सेना की सामरिक ताकत और आत्मनिर्भर भारत की सैन्य क्षमता का प्रतीक माना जा रहा है। इस नव विकसित चौराहे का उद्घाटन स्थानीय विधायक अतुल भंसाली और भाजपा शहर जिला अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल द्वारा किया गया।

देश में मनाया जा रहा लोहड़ी का पर्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की सर्दी के बीच मंगलवार को देश में लोहड़ी का त्योहार मनाया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने इस मौके पर देशवासियों को बधाई दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं! दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'उत्साह, उमंग व नई ऊर्जा के प्रतीक 'लोहड़ी' पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पर्व सभी की सुख-समृद्धि का माध्यम बने।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हर्ष और उल्लास के पावन पर्व लोहड़ी और भोगी की हार्दिक शुभकामानाएं। यह पावन पर्व सभी को खुशहाली, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करे।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अन्नदाताओं के परिश्रम को समर्पित पावन पर्व 'लोहड़ी' की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां, ऊर्जा और नई उमंग लेकर आए, यही कामना है।' उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लिखा,

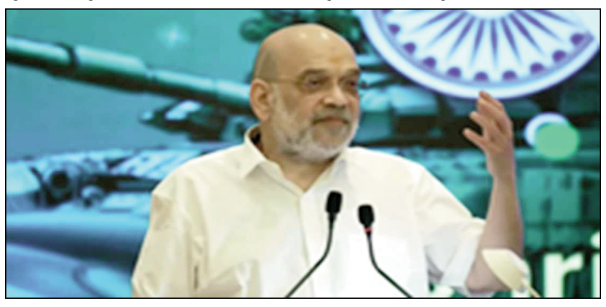

'समस्त प्रदेशवासियों को हर्ष और उल्लास के पावन पर्व लोहड़ी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, आरोग्यता और नई ऊर्जा का संचार करे, यही कामना है।' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिखा कि समस्त प्रदेशवासियों को खुशियों और नई उमंगों के पावन पर्व लोहड़ी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! एकता, समृद्धि, और उत्साह का संदेश देने वाला लोहड़ी का पर्व नकारात्मकता को जलाकर सकारात्मकता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'आप सभी को लोहड़ी पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। लोहड़ी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है, जो सह-अस्तित्व, सामूहिक उल्लास और आपसी सौहार्द की भावना को मजबूत करती है। सूर्य के उत्तरायण होने का यह शुभ संकेत और नई फसलों का आगमन हमारे अन्नदाताओं के परिश्रम और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है।'

संत प्रेमानंद महाराज से आशीर्वाद लेने पहुंचे सिंगर कुमार शानू, आध्यात्मिक ज्ञान लेकर सुनाया भावुक गीत

एजेंसी

मथुरा। मशहूर गायक पद्मश्री कुमार शानू वृंदावन के श्रीहित राधा केलीकुंज आश्रम पहुंच कर संत प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे। अमेरिका से सीधे वृंदावन आए कुमार शानू ने संत प्रेमानंद के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पद्मश्री गायक कुमार शानू वृंदावन आश्रम पहुंचने पर प्रेमानंद महाराज के शिष्य ने उनका परिचय कराते हुए बताया कि वह 90 के दशक से लगातार गायन कर रहे हैं और अब तक लगभग 27 हजार से अधिक गीत गा चुके हैं। दर्शन के दौरान कुमार शानू ने कहा कि वह महाराजजी के दर्शन और आशीर्वाद के उद्देश्य से ही यहां आए हैं। इस पर संत प्रेमानंद महाराज ने कहा कि सांस अनमोल है, इसलिए भगवान के नाम का निरंतर स्मरण करते रहना चाहिए। महाराज ने कुमार शानू की लोकप्रियता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पूर्व जन्म में उन्होंने बड़े तप किए हैं, तभी आज वे इतने लोकप्रिय हैं, लोकप्रिय होना कोई छोटी बात नहीं होती, आपने जनमानस के हृदय में स्थान बनाया है। आपकी वाणी भारतीय संगीत प्रेमियों के लिए कर्णप्रिय है, यह आपके पूर्व जन्म के पुण्य का प्रताप

है। महाराज ने उन्हें प्रेरणा देते हुए कहा कि ऐसे भजन और लोकोपकार के कार्य करें, जिससे अगला जन्म भी भारत में हो और यश बना रहे। इस पर कुमार शानू ने बताया कि उनका एक गीत उनके दिल के बेहद करीब है, जिसे कोई भी अपने प्रियजनों के लिए गा सकता है- चाहे वह भगवान हों, भाई-बहन हों या जीवनसाथी। इसके बाद उन्होंने 'जब कोई बात बिगड़ जाए, जब कोई मुश्किल पड़ जाए... तुम देना साथ मेरा' गीत गाकर सभी को भावविभोर कर दिया। शानू के साथ मौजूद लोगों ने बताया कि वह विशेष रूप से अमेरिका से वृंदावन सीधे केवल महाराज के दर्शन के लिए आए हैं।

धारा 342 को समाप्त कर देने से बहुत हद तक समाप्त होगा धर्मांतरण : होसबाले

एजेंसी

रांची। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले प्रवास के दौरान रांची पहुंचे। रांची के हरमू स्थित एक बैंक्वेट हॉल में सामाजिक सद्भाव को लेकर बैठक का आयोजन किया गया, इसमें समाज के विभिन्न संगठन, विभिन्न जाति और समुदायों के सैकडों प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक का उद्देश्य समाज में व्याप्त समसामयिक समस्याओं पर चर्चा करना और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर विचार करना था।

बैठक के प्रथम सत्र में समाज के विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने अपने कार्यों के दौरान सामने आ रही सामाजिक चुनौतियों को भी साझा किया।इनमें प्रमुख रूप से धर्मांतरण,

घुसपैठ, नशाखोरी, अशिक्षा, अंधविश्वास, परस्पर सहयोग की कमी, बाल-विवाह, लव-जिहाद जैसी गंभीर समस्याओं का उल्लेख किया गया। वहीं, द्वितीय सत्र में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय ने समाज के प्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए प्रश्न और विषयों पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। धर्मांतरण पर उन्होंने तीन प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख किया। इसमें झारखंड का छोटानागपुर क्षेत्र, पूर्वोत्तर राज्यों के जनजातीय क्षेत्र और दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय क्षेत्रों में साजिश के तौर पर चर्च से जुड़े लोगों का प्रवेश कराया गया और हिंदू धर्मगुरुओं को रोकने का प्रयास हुआ। होसबाले ने गरीबी, अशिक्षा और अंधविश्वास को उन्होंने धर्मांतरण के प्रमुख कारण बताया। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में तथाकथित 3-डी समस्या का उल्लेख किया, जिसमें धर्मांतरण, डीजे संस्कृति और शराब शामिल है।

धर्मांतरण की समस्या को कम करने के उपायों पर उन्होंने समाज में परस्पर सहयोग, छुआछूत और जातिगत भेदभाव से दूरी, ऊंच-नीच की भावना त्यागने और हिंदू समाज की जनसंख्या सुदृढ़ करने की जरूरत पर जोर दिया।

प्रयागराज में संगम पर माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति एवं मौनी अमावस्या को क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे वाहन

एजेंसरी

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)। प्रयागराज के संगम (गंगा-यमुना-सरस्वती) पर विश्व प्रसिद्ध माघ मेला के मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 एवं मौनी अमावस्या 18 जनवरी को लेकर श्रद्धालुओं एवं वाहनों के आवागमन में परिवर्तन लागू कर दिया गया है। आज 13 जनवरी की शाम आठ बजे इसे लागू कर दिया जाएगा। माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने दी।

उन्होंने बताया कि माघ मेला-2026 द्वितीय एवं तृतीय मुख्य स्नान पर्व को सम्पन्न करने के लिए 13 जनवरी की शाम आठ से 19 जनवरी को समय 24 बजे तक अथवा मेला क्षेत्र की भीड़ समाप्ति तक सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में प्रशासनिक चिकित्सकीय वाहनों के अतिरिक्त सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन प्रतिबन्धित रहेगा। सम्पूर्ण मेला के परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में आने वाले श्रद्धालु स्नानार्थी सम्बन्धित परेड, झूंसी, अरैल क्षेत्रों में बनाये गये संगम स्नान घाटों पर ही स्नान करेंगे। शहर, कानपुर मार्ग, लखनऊ मार्ग से आने वाले श्रद्धालु एवं स्नानार्थी अपने वाहनों को प्लाट नंम्बर 17 पार्किंग में अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग द्वारा अपर संगम मार्ग से संगम घाट, संगम हनुमान घाट व संगम रामघाट पर स्नान के जा सकेगें। स्नान के उपरान्त श्रद्धालुगण स्नानार्थी अक्षयवट मार्ग, खडंजा वापसी मार्ग होकर त्रिवेणी मार्ग द्वारा सम्बन्धित पार्किंग में पहुंच कर अपने वाहनों से गन्तव्य को वापस जा सकेगें।

उत्तर प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोसिस्टम को सशक्त बनाने को एमओयू साइन

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश को देश का अग्रणी टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन डिजिटल इंडिया कारपोरेशन की स्वतंत्र इकाई इंडिया एआई मिशन और उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) लखनऊ के बीच एक एमओयू का आदान प्रदान किया गया। यह एमओयू उत्तर प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इकोसिस्टम को सशक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। एमओयू प्रमुख सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, अनुराग यादव तथा इंडिया एआई मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह के बीच हुआ। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों और विशेषज्ञों ने इसे राज्य और केंद्र सरकार के बीच मजबूत सहयोग का प्रतीक बताया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप सरकार पिछले पौने नौ वर्षों से डिजिटल गवर्नेंस, स्टार्टअप्स, आईटी पार्क, डाटा सेंटर और उभरती तकनीकों को लगातार बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री

की एआई, मशीन लर्निंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना प्राथमिकताओं में शामिल है। यही वजह है कि इंडिया एआई मिशन के तहत एमओयू प्रदेश के युवाओं, छात्रों और स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अनुराग यादव ने कहा कि इंडिया एआई मिशन के तहत यह पहल प्रदेश के युवाओं को भविष्य के लिए आवश्यक डिजिटल और एआई कौशल प्रदान करने में सहायक होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि योगी सरकार युवाओं के कौशल विकास, नवाचार को प्रोत्साहन देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर रही है। यह पहल प्रदेश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यूपीडेस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन ने बताया कि इंडिया एआई मिशन परियोजना के क्रियान्वयन के लिए आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को नोडल प्रशासकीय विभाग तथा यूपीडेस्को को राज्य की नोडल एजेंसी नामित किया गया है।

उत्तराखंड के बागेश्वर में भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग, प्रशासन सतर्क

देहरादून। उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के बागेश्वर में आज सुबह 7:25 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई है। सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस होने लोग घरों से बाहर निकल गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, बागेश्वर में भूकंप का केंद्र था। जमीन के 10 किलोमीटर नीचे केंद्र होने के कारण लोगों को झटके महसूस हुए। भूकंप का असर बागेश्वर से 174 किलोमीटर दूर ऋषिकेश और 183 किलोमीटर दूर हरिद्वार तक महसूस किया गया। राज्य आपदा प्रधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप के बाद से स्थानीय प्रशासन को सतर्क कर दिया गया है। इससे किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। कुछ लोगों ने बताया कि झटकों के साथ गड़गड़ाहट जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे डर और बढ़ गया। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों के अनुसार कम तीव्रता का भूकंप आमतौर पर नुकसानदेह नहीं होता, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में सतर्कता बरतना जरूरी है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण रोजगार को देगा नया आयाम : मनोहर लाल

एजेंसरी

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने की, जबकि केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यशाला में अधिनियम को लेकर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने तथा इसकी विशेषताओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर मंथन किया गया। इसमें जिला स्तर पर गठित समितियों के सदस्य और जिलों की कार्यशालाओं में भाग लेने वाले वक्ता शामिल हुए। कार्यशाला और बाद में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 ग्रामीण रोजगार को सतत विकास का साधन बनाने वाला कानून है और यह विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि कमजोर प्रशासनिक व्यवस्था, भ्रष्टाचार और विकासोन्मुख दृष्टिकोण की कमी के कारण मनरेगा का

दीर्घकालिक प्रभाव कमजोर होता गया।

मनोहर लाल ने कहा कि मनरेगा में मांग आधारित काम की व्यवस्था खुली होने के कारण वित्तीय असंतुलन उत्पन्न होता था और कई बार अनावश्यक योजनाओं का सृजन करना पड़ता था, जिससे सरकारी धन और श्रम की बर्बादी होती थी। नए अधिनियम में गांव की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं की स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अब ग्रामीण कार्यों की योजना विकसित ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से बनेगी, जिसे ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर समेकित किया जाएगा। इसके तहत वार्षिक रोजगार गारंटी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। साथ ही मजदूरों को समय पर पारिश्रमिक भुगतान और रोजगार नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता का भी प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि योजनाओं को चार श्रेणियों– जल सुरक्षा एवं प्रबंधन, कोर ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से जुड़ी संरचनाएं और जलवायु प्रभाव आधारित योजनाएं में विभाजित किया गया है, जिससे समन्वित राष्ट्रीय विकास को गति मिलेगी।

मनोहर लाल ने दावा किया कि मोदी सरकार ने कांग्रेस सरकारों की तुलना में मनरेगा में अधिक राशि खर्च की है। महिलाओं की भागीदारी 56.74 प्रतिशत तक बढ़ाई गई, आधार सीडेड सक्रिय श्रमिकों की संख्या 76 लाख से बढ़कर 12.11 करोड़ हो गई, लेकिन डिजिटल टैगिंग के अभाव में कई राज्यों में गबन जारी रहा।

उन्होंने कहा कि झारखंड, पश्चिम बंगाल और पंजाब की ऑडिट रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। नए अधिनियम में एआई आधारित निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग, केंद्र-राज्य संचालन समितियां, पंचायत स्तर पर निगरानी और साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण जैसे प्रावधान किए गए हैं। साथ ही राज्यों की भागीदारी 60:40 अनुपात में सुनिश्चित की गई है।

पश्चिम बंगाल के एम्स कल्याणी में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले, केंद्र ने तैनात की संयुक्त प्रतिक्रिया टीम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कल्याणी स्थित एम्स में आईसीएमआर की वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी (वीआरडीएल) में 11 जनवरी को निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की।निपाह वायरस एक जूनोटिक रोग है, जिसकी मृत्यु दर अधिक होती है और इसके तेज़ी से फैलने की आशंका रहती है। इसी को देखते हुए मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संभाला जा रहा है। सूचना मिलते ही केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा की और त्वरित व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को सहयोग देने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त आउटब्रेक प्रतिक्रिया टीम तैनात की है। इस टीम में कोलकाता स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड पब्लिक हाइजीन, पुणे का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), चेन्नई का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई), एम्स कल्याणी तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वन्यजीव विभाग के विशेषज्ञ शामिल हैं। निपाह वायरस को लेकर संक्रामक रोग अलर्ट के तहत दिशानिर्देश राज्य की इंटीग्रेटेड डिज़ीज़ सर्विलांस प्रोग्राम (आईडीएसपी) इकाई को साझा किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), दिल्ली में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर को सक्रिय कर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय किया जा रहा है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर केंद्र की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। नड्डा ने मुख्यमंत्री से टेलीफोन पर भी बातचीत कर आवश्यक हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार राज्य को तकनीकी, लॉजिस्टिक और परिचालन स्तर पर व्यापक समर्थन दे रही है। प्रयोगशाला सहायता, निगरानी बढ़ाने, रोगियों के उपचार, संक्रमण की रोकथाम व नियंत्रण उपायों तथा विशेषज्ञ मार्गदर्शन सहित सभी आवश्यक संसाधन पहले ही जुटा दिए गए हैं।राज्य सरकार को तैनात विशेषज्ञ टीमों के साथ घनिष्ठ समन्वय रखते हुए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और अन्य नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करने की सलाह दी गई है।

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

राजकोट (एजेंसी)। पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निरंजन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकारार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा।

पहले एकदिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने रहना चाहेगी। भारतीय टीम को इस मैच में वाशिंगटन सुंदर के बिना ही उतरना पड़ेगा क्योंकि वह चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर है। ऐसे में इस मैच उनकी जगह शामिल आयुष बाडोनी को शामिल किया जा सकता है। अगर आयुष को जगह मिलती है तो अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।

दोनो ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), ज़ाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक।

एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिया हीली ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 साल की हीली ने कहा कि वह भारत के साथ होनेवाली सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। हीली पिछले 15 साल से ज्यादा समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सक्रिय हैं। टीम की कप्तानी करते हुए हीली ने छह टी-20 और तीन एकदिवसीय विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलायी है। हीली के पति ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क हैं।

हीली ने कहा, 'आगामी भारत दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी, यह कहते हुए मुझे हालांकि मिलाजुला अहसास हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से की मेरी इच्छा अभी भी बनी हुई है पर प्रतिस्पर्धा की वह भावना जो मुझे शुरुआत से प्रेरित करती रही है, अब कम हो गयी है। इससके साथ ही मानसिक थकान का भी अहसास हो रहा है। मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने का सही समय आ गया है। मुझे संन्यास के बाद अपने साथियों की, टीम गीत गाने की और ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने की बहुत याद आएगी।

हीली ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू करते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सात शतकों लगाकर 3563 रन जबकि टी-20 में एक शतक के साथ ही 3054 रन बनाए थे। इसके अलावा उन्होंने विकेटकीपर रहते हुए 275 शिकार भी किये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हीली क्रिकेट की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभायी। हीली ने महिला क्रिकेट में अपनी अलग ही जगह बनायी। इस क्रिकेटर ने पहले ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। अब फरवरी और मार्च में भारत के खिलाफ होने वाली तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच की सीरीज में वह अंतिम बार नजर आयेंगी।

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है।

वहीं आईसीसी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों द्वारा की गई स्वतंत्र सुरक्षा जांच में भारत में खेलने पर बांग्लादेश टीम के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं पाया गया। इन जांचों में कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश टीम, अधिकारियों या मैच स्थलों के लिए कोई विशेष खतरा नहीं पाया गया। आईसीसी ने यह भी कहा कि कई बार आकस्मिक योजना बनायी जाती है पर उसे कभी जोखिम नहीं माना जा सकता है। ये पेशेवर जांच का हिस्सा होती है पर इसे कई बार गलत समझा जाता है। ये किसी प्रकार के वास्तविक खतरे को नहीं दिखाती है। वहीं बांग्लादेश के राष्ट्रीय खेल सलाहकार, आसिफ नजरुल ने दावा किया था कि आईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरुल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर: आकाश चोपड़ा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को उनका विकेट न मिले क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम तक पहुंचने का अवसर मिल जाता। राणा के विकेट के बाद राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की

राहुल ने 49वें ओवर तक संयम रखते हुए बड़े शॉट नहीं खेले। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रनों की जरूरत थी, तो राहुल ने तेजी दिखाई और लगातार चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों में एक छक्का लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। चोपड़ा राहुल की इसी शांत और समझदारी भरी पारी से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि राहुल में बहुमुखी प्रतिभा है। वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान दबाव के बीच भी शांत बने रहे और उन्होंने धैर्य बनाये रखा। चोपड़ा ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में केएल राहुल का बल्लेबाजी का तरीका अलग ही था। हम उन्हें एक आक्रामक खिलाड़ी के तौर पर देखते आये हैं। कई बार आपको लगता है कि वह तेजी से रन बनाएंगे और बड़े शॉट लगाकर मैच जल्दी समाप्त करने का प्रयास करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह उन गेंदों पर एक रन बना रहे थे जिन पर वह आमतौर पर शॉट मारते हैं, लेकिन उन्होंने सही अवसरों का इंतजार किया। एक एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी शुरु कर सकते हैं। मध्यक्रम में उतर सकते हैं और जरुरत पड़ने पर विकेट कीपिंग भी कर सकते हैं।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं। विश्व रैंकिंग में 576वें स्थान पर काबिज सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से शुरू होगा। होबार्ट में पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेज्सिकोवा को पेटन स्टर्न्स से 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा।

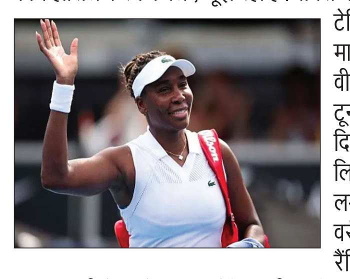

अंडर19 विश्वकप में वैभव तोड़ सकते हैं कई रिकार्ड

मुम्बई। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की नजरें अब 15 जनवरी से शुरु हो रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। वैभव ने हाल ही में दक्षिण अफीका में हुए यूएथ एकदिवसीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और वह ये सिलसिला आगे भी बनाये रखना चाहेंगे। विश्वकप में भारतीय टीम को अपना पहला मुकाबला अमेरिकी टीम से खेलना है। वैभव ने अब तक जिस प्रकार से बल्लेबाजी कर नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे तय है कि वह एकदिवसीय विश्वकप में भी इतिहास रच सकते हैं। विश्वप में तय है कि कई रिकार्ड वह तोड़ देंगे। वैभव अपनी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनके अधिकतर रन चौकों और छक्कों से आते हैं। अंडर-19 विश्व कप के एक सत्र में सबसे ज्यादा 22 छक्कों का रिकॉर्ड। अभी दक्षिण अफ्रीक के डेवाल्ड ब्रेविस के नाम है जो वैभव इस बार तोड़ सकते हैं। वहीं अंडर-19 वर्ल्ड कप इतिहास में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट का रिकॉर्ड अभी भारत के ही पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन के नाम है, जिन्होंने 2004 में 93.51 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इस बार वैभव इसे भी तोड़ देंगे क्योंकि वह 150 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन सरफराज खान ने साल 2014 से 2016 के बीच 566 रन बनाए थे। वैभव जिस प्रकार से खेलते है उससे ये रिकार्ड भी टूट सकता है। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अभी जैक बर्नहैम और शिखर धवन के नाम संयुक्त रुप से है, दोनों ने ही तीन-तीन शतक लगाए हैं। वैभव अधिक से अधिक शतक लगाकर इसे भी तोड़ना चाहेंगे।

आइस हॉकी लीग की सीजन 3 के साथ लद्दाख में वापसी, तारीखों का हुआ ऐलान

लेह (लद्दाख) (एजेंसी)। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 3, 29 जनवरी से 14 फरवरी 2026 तक लद्दाख में आयोजित की जाएगी। रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा, लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख के सहयोग से आयोजित इस सीजन में लीग के विस्तार की एक अहम झलक देखने को मिलेगी।

इस बार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यापक राउंड-रॉबिन फॉर्मेट अपनाया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम कुल 75 मुकाबलों में एक-दूसरे से भिड़ेगी। यह लीग एक समग्र तकनीकी विकास कार्यक्रम का प्रतिस्पर्धात्मक चरण है, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक डैरिल ईसन के नेतृत्व में आइस हॉकी कोचों के प्रशिक्षण से हुई थी। इसके बाद प्रशिक्षित कोच अपने-अपने समुदायों में लौटकर प्रतिभाओं की पहचान करने और लीग में भागीदारी के लिए टीमों को व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित कर रहे हैं।

इस प्रकार, यह लीग सामुदायिक स्तर पर प्रशिक्षण और संगठित, उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्पर्धा के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करती है। आइशर ग्रुप फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा,%रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग की जड़ें सामुदायिक विकास में हैं। हमारा फोकस स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने, युवाओं और महिलाओं को अवसर देने और हिमालयी क्षेत्रों से उभरती प्रतिभाओं के लिए एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने पर रहा है।

यह लीग संस्कृति और गर्व का उत्सव भी है, जहां खेल लंबे शीतकाल के दौरान समुदायों को एकजुट करता है और साझा पहचान तथा दृढ़ता की भावना को मजबूत करता है।% लेह में आयोजित यह टूर्नामेंट स्थानीय प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना हुआ है, जो खेल को नए क्षेत्रों तक विस्तार देता है और दूरदराज के हिमालयी समुदायों के खिलाड़ियों को संरचित लीग फॉर्मेट तथा पेशेवर रूप से प्रबंधित प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करता है। 2026 संस्करण में भाग लेने वाली टीमें लेह, नुब्रा, कारगिल, ज़ांस्कर, चांगथांग और आसपास के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस सीजन में खारू से दो नई टीमें- खारू ईगल्स (महिला) और खारू फाल्कन्स (पुरुष)-भी लीग में शामिल होंगी। लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए तैयार ब्लूप्रिंट के अनुरूप, यह लीग खेल के इकोसिस्टम को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने में केंद्रीय भूमिका निभाती है- जिसमें जमीनी स्तर की भागीदारी को प्रतिस्पर्धात्मक अवसरों से जोड़ा जाता है। लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ी गांव और क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविरों से चुने जाते हैं, जिन्हें रॉयल एनफील्ड समर्थित क्षमता निर्माण पहलों के तहत प्रशिक्षित कोचों और अधिकारियों का मार्गदर्शन मिलता है।

खेल के इकोसिस्टम को और सशक्त बनाते हुए दिसंबर 2025 में पहली बार एक समर्पित रेफरी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के ऑफिशिएटिंग इंस्ट्रक्टर पीटर गेबी ने किया। इस पहल का उद्देश्य मैच संचालन के मानकों को ऊंचा उठाना, लीग के लिए पेशेवर गेम डिलीवरी सुनिश्चित करना और भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित रेफरी तैयार करना है। खेल से परे, रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग लद्दाख में सामुदायिक जुड़ाव, युवाओं की भागीदारी और शीतकालीन पर्यटन को भी मजबूती प्रदान करती है।

मुकाबलों के दौरान जमी हुई रिंक सामूहिक सामुदायिक स्थलों में बदल जाती हैं, जहां परिवार, स्थानीय समर्थक और पर्यटक एक साथ जुटते हैं, और इस क्षेत्र में आइस हॉकी की गहरी सांस्कृतिक जड़ों को और मजबूत करते हैं। इस लीग के माध्यम से, रॉयल एनफील्ड अपने सोशल मिशन को आगे बढ़ाते हुए खेल के जरिए हिमालयी समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है-स्थानीय खेल इकोसिस्टम को मजबूत करना, आजीविका के अवसर तैयार करना, युवाओं और महिलाओं के लिए मार्ग बनाना और पूरे हिमालय क्षेत्र में समग्र शीतकालीन खेल संस्कृति को बढ़ावा देना।

विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने लिया संन्यास

ओटावा। विंबलडन के पूर्व फाइनलिस्ट मिलोस राओनिच ने टेनिस से संन्यास ले लिया है। राओनिच 2016 में विंबलडन में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कनाडा के पहले पुरुष खिलाड़ी बने थे। उन्होंने सेमीफाइनल में रोजर फेडरर को 6-3, 6-7, 4-6, 7-5, 6-3 से हराया था लेकिन फाइनल में एंडी मरे से हार गए थे। उस वर्ष उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी। वह उस वर्ष अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग तीन पर भी पहुंचे थे। राओनिच ने एक्स पर लिखा, 'अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।' अपनी तीखी सर्विस के कारण 'मिसाइल' नाम पाने वाले राओनिच ने 2011 में पेशेवर बनने के बाद आठ एटीपी एकल खिताब जीते। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर तीन सेट के मैच में सबसे अधिक ऐस (47) लगाने का रिकॉर्ड है, जो उन्होंने 2024 में क्वींस क्लब टूर्नामेंट में बनाया था। उन्होंने अपने करियर का अंतिम मैच पेरिस ओलंपिक में खेला था, जिसमें उन्हें पहले दौर में डोमिनिक कोएफ़र से 7-6, 6-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा था।

मैरीकॉम पर उनके पति ने लगाये गंभीर आरोप

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम पर उनके पति ओनलर कोम ने गंभीर आरोप लगाये हैं। मैरीकॉम के पति ओनलर का कहना है कि उनकी पत्नी का जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इसी कारण उन दोनो का तलाक हुआ है। ओनलर का कहना है कि उनके पास प्राइवेट चैट भी हैं जो वह सबूत के तौर पर पेश कर सकते हैं। उनका कहना है कि इन्हीं सब कारणों से उनकी 18 साल की शादीशुदा जिंदगी में तूफान आया। कहना है कि कि मैरीकॉम के करियर को मजबूत बनाने में मैंने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं . मैरीकॉम ने हाल में अपने पति ओनलर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था जिसके बाद ओनलर ने ये आरोप लगो हैं।

ओनलर कहा, 'मैं बताऊंगा कि उन्होंने लोक अदालत में क्या कहा। सबसे पहले, 2013 में उनका एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इससे हमारे परिवारों में झगड़ा हुआ था, और उसके बाद हमने समझौता कर लिया. इसके बाद साल 2017 से उनका मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी में काम करने वाले किसी व्यक्ति के साथ रिश्ता है. मेरे पास उनके व्हाट्सएप्प मैसेज सबूत के तौर पर हैं. मेरे पास उस व्यक्ति के नाम के साथ सबूत है जिसके साथ उसका अफेयर था। मैं चुप रहा।' मैरीकॉम ने हाल में कहा था कि जब तक मैं खेल रही थी और मेरी फाइनेंशियल हालत में मेरा कम दखल था, तब तक सब ठीक था लेकिन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले जब मुझे चोट लगी, तब मुझे लगा कि मैं झूठ की जिंदगी जी रही थी। मैं कई महीनों तक बिस्तर पर रही। उसके बाद मुझे चलने के लिए सहारे की जरूरत पड़ी। तब मुझे अहसास हुआ कि जिस इंसान पर मैंने भरोसा किया था, वह वैसा नहीं था जैसा मैंने सोचा था। मैं नहीं चाहती थी कि यह सब दुनिया के सामने तमाशा बने, इसलिए कई बार सुलह की कोशिश के बाद मैंने तलाक ले लिया. उन्होंन पति पर आरोप लगाया कि उनके साथ करोड़ों की धोखाधड़ी हुई है और उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई से खरीदी गई जमीन भी खो दी है। दूसरी ओर ओनलर ने इस प्रकार की बातों को आधारहीन बताया है।

2025 के सफल साल के बाद आयुष शेट्टी का 2026 में टॉप 15 रैंकिंग का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 साल की उम्र में, आयुष शेट्टी भारत के सबसे होनहार शटलरों में से एक हैं, 2025 का साल उनके लिए बहुत सफल रहा जब उन्होंने यूएस ओपन सुपर 300 जीता और हाइलो ओपन में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को हराया, वह 2026 में देश के लिए और भी सम्मान हासिल करने के लिए उत्सुक हैं। सोमवार को योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के लॉन्च इवेंट के मौके पर यूनीवार्ता से बात करते हुए, उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, 'इस साल बहुत सारे बड़े टूर्नामेंट हैं, ऑल इंग्लैंड (ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप), घर पर विश्व चैंपियनशिप (2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप), फिर एशियाई खेल, मुझे उम्मीद है कि मैं सभी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करूंगा। मेरा लक्ष्य इस साल के अंत तक टॉप 15 या टॉप 10 रैंकिंग में पहुंचना है।' आयुष ने कहा, 'यूएस ओपन की जीत ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि मैं दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का सामना कर सकता हूं। मलेशियाई ओपन में मैंने ली ज़ी जिया और शी यूकी के खिलाफ खेला, मैं और भी टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने और जीतने की तरफ रहने के लिए उत्सुक हूं।'

आयुष हाल ही में समाप्त हुए मलेशिया ओपन 2026 में अच्छे प्रदर्शन के बाद आए हैं, जहां उन्होंने पहले राउंड में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली ज़ी जिया को हराया और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन एक करीबी मैच में हार गए। कर्नाटक के रहने वाले खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें पहले लंबी रैलियां खेलने में झिझक होती थी, लेकिन अब उन्होंने इस पर काबू पा लिया है। 'मुझे लगता है कि मैंने इस पर काबू पा लिया है, अगर आप देखें, तो मैंने कोडाई (कोडाई नाराओका) के खिलाफ दो बार अच्छा खेला, वह लंबी रैलियां खेलते हैं, मुझे लगता है कि मैं इसे बेहतर तरीके से मैनेज कर पाया।'

आयुष, जो अपने कोर्ट पर अनुमान लगाने के कौशल और जानलेवा स्मैश के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि वह अभी भी अपने करियर के शुरुआती दौर में हैं और सुधार की बहुत गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि वह गेम के दौरान स्पीड में बदलाव लाना चाहते हैं और फिजिकली ज़्यादा बेहतर बनना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'गेम के दौरान स्पीड में बदलाव और फिजिकल पहलू के मामले में सुधार की बहुत गुंजाइश है, यह एक प्रोसेस है।'

आयुष 195 सेंटीमीटर (6 फीट 5 इंच) लंबे हैं और उनकी तुलना अक्सर डेनिश बैडमिंटन के महान खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन से की जाती है क्योंकि वह भी बहुत लंबे हैं। शेट्टी इस तुलना पर हंसते हुए कहते हैं कि यह दो बार के ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन के साथ नाइंसाफी है। उन्होंने कहा, 'वह मेरे आइडल हैं, मैं लंबे समय से उनके गेम को फॉलो कर रहा हूं, मुझे लगता है कि मेरा गेम कुछ हद तक उनके जैसा है, लेकिन यह तुलना उनके साथ नाइंसाफी है क्योंकि उन्होंने बैडमिंटन में सब कुछ हासिल कर लिया है, मैं अपना रास्ता खुद बनाना चाहता हूं।'

सच्ची घटना पर आधारित सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म 'चीकाटिलो' लेकर आ रही हैं शोभिता धुलिपाला

'द नाइट मैनेजर' जैसी वेब सीरीज में नजर आईं अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। यह एक सस्पेंस-क्राइम थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का नाम 'चीकाटिलो' है। फिल्म की घोषणा के साथ ही इसका पहला पोस्टर भी जारी हुआ है, जिसमें शोभिता इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं।

एक पॉडकास्टर की कहानी है फिल्म

'चीकाटिलो' प्राइम वीडियो की ओरिजिनल तेलुगू भाषा की फिल्म है। हालांकि, यह हिंदी में भी रिलीज होगी। हैदराबाद की पृष्ठभूमि पर बनी 'चीकाटिलो' एक रोमांचक क्राइम-सस्पेंस फिल्म है। कहानी संध्या नाम की लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रू-क्राइम पॉडकास्टर है। इस किरदार को शोभिता धुलिपाला ने निभाया है। अपने इंटर्न की रहस्यमयी मौत के बाद न्याय पाने की अपनी लगातार कोशिश में संध्या को खौफनाक अपराधों की एक चौंकाने वाली कड़ी का पता चलता है। जिसके बाद उसके सामने शहर के कुछ सबसे खौफनाक और काले राज सामने आते हैं। फिल्म 23 जनवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। शरण कोपिशेट्टी द्वारा निर्देशित 'चीकाटिलो' को डी. सुरेश बाबू ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी चंद्र पेम्माराजू और शरण कोपिशेट्टी ने लिखी है। फिल्म में शोभिता धुलिपाला और विश्वदेव राचकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा चैतन्य विशालक्ष्मी, ईशा चावला, झांसी, आमानी और वडलामणि श्रीनिवास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

द ब्लफ में समुद्री डाकू बनीं हैं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल आइकॉन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की फिल्म द ब्लफ की झलक ने ही फैंस को दीवाना बना दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो आग की तरह फैल गई हैं। उनके हर अवतार से फैंस इंप्रेस हो गए हैं। फिल्म को आप कब और कहां देख सकते हैं, इसका भी ऐलान कर दिया गया है। हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्मसंघर्ष का गहरा मेल देखने को मिलेगा। इस फिल्म के जरिए प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटतीं। उनकी फिल्म द ब्लफ एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इसमें प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी ब्लडी मैरी के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी।

प्रियंका ने रिलीज डेट का किया ऐलान

फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ द ब्लफ की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया। एक तस्वीर में प्रियंका खून से लथपथ, हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वहीं, एक और तस्वीर में प्रियंका तलवार लिए गुस्से में लड़ती दिख रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में वह खाने की टेबल पर फैमिली के साथ बैठी हैं। बाकी की तस्वीरों में वह कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इस नए अवतार को देखकर काफी उत्साहित हैं।

द ब्लफ रिलीज डेट

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने एक खास कैप्शन लिखा, मां... रक्षक... समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। द ब्लफ 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

थलापति विजय और प्रभास को पीछे छोड़ सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी 'धुरंधर' की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है।

आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक धुरंधर को जाता है।

आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'इस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है।'

थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे

सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर 'धुरंधर' के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलापति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे।

मुकेश भट्ट ने आवारापन 2 की रिलीज में देरी पर तोड़ी चुप्पी

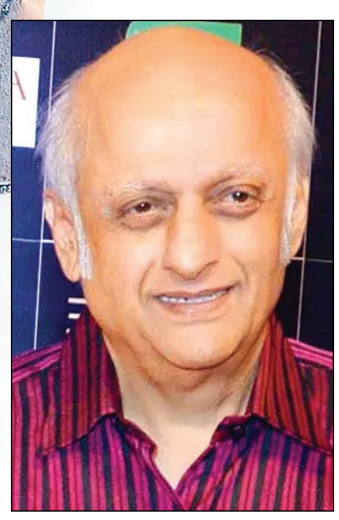

फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट ने अपनी फिल्म आवारापन 2 की रिलीज में देरी की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि फिल्म में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि फिल्म पर अभी कुछ काम बाकी है, न कि इसलिए कि वे फिल्म धुरंधर 2 के आसपास थिएटर्स में फिल्म लाने से डर रहे हैं। दरअसल, आवारापन 2, साल 2007 की एक्शन-रोमांटिक ड्रामा फिल्म आवारापन का सीक्वल है, जिसमें इमरान हाशमी लीड रोल में थे। मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि आवारापन 2, 13 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी, क्योंकि फिल्म धुरंधर पार्ट 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज हो रही हैं। मुकेश भट्ट ने कहा कि फिल्म की रिलीज डेट अब मई या जून में शिफ्ट की गई है, क्योंकि शूटिंग के दौरान इमरान हाशमी का एक्सीडेंट हो गया था और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। मुकेश भट्ट ने यह भी कहा, इस वजह से उन्हें 45 दिनों तक एक्शन करने की इजाजत नहीं है। इसलिए सारे एक्शन सीक्वेंस बाद में शूट किए जाएंगे। मैं धुरंधर 2 और टॉक्सिक से बिल्कुल नहीं डरता। प्रोड्यूसर के मुताबिक, आवारापन 2 का करीब 20 दिनों का एक शूटिंग शेड्यूल अभी बाकी है, जो मार्च में मलेशिया में पूरा किया जाएगा।

आलिया भट्ट ने टॉक्सिक में यश के लुक पर दी प्रतिक्रिया

फिल्म टॉक्सिक का टीजर आज यश के जन्मदिन पर रिलीज किया गया। एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का टीजर सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। एक्शन से भरे इस टीजर ने फिल्म को लेकर फैंस के उत्साह को और अधिक बढ़ा दिया है। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने टॉक्सिक के टीजर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने टीजर की बहुत तारीफ की। उन्होंने टॉक्सिक के टीजर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और सिर्फ एक शब्द लिखा- डाइनामाइट। साथ में दो फायर इमोजी भी बनाए। उन्होंने फिल्म की कास्ट और टीम को टैग भी किया। आलिया के अलावा रितेश देशमुख, संदीप रेड्डी वांगा, राम गोपाल वर्मा और करण जौहर जैसे कई स्टार्स ने भी टीजर की प्रशंसा की है।

टीजर की शुरुआत एक अंतिम संस्कार के सीन से होती है, जहां कई लोग बंदूक लिए पहरा देते नजर आ रहे हैं। फिर एक कार आती है और सीन एक लड़के-लड़की के रोमांटिक सीन में बदल जाता है। अचानक धमाका होता है। वह आदमी बिना शर्ट के कार से बाहर निकलता है, काला कोट पहनता है और धुएं में सबको गोली मारता हुआ आगे बढ़ता है। पता चलता है कि वह यश हैं। आखिर में यश कहते हैं, पापा घर आ गए हैं। निर्माताओं ने टीजर के कैप्शन में लिखा, अपने खतरे को अच्छे से देख लो- पेश है राया...

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

टॉक्सिक एक गैंगस्टर फिल्म है। इसका निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। प्रोडक्शन यश और वेंकट के. नारायण ने अपने बैनर और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस से किया है। यश और गीतू ने कहानी भी लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और रुक्मिणी वसंत मुख्य रोल में हैं।

करियर की शुरुआत में मैं टाइपकास्ट हो गया था, फिर मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने पसंद किया

इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने करियर की शुरुआत में लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में खूब शोहरत हासिल की। लेकिन फिर वक्त बदला तो अपने हुनर से गजब का इमेज मेकओवर भी किया। वाय चीट इंडिया, चेहरे, ग्राउंड जीरो, बाई ऑफ ब्लड, हक जैसे तमाम प्रोजेक्ट्स ने उन्हें एक सशक्त अभिनेता के रूप में पहचान दी। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि इमरान हाल के दिनों में पर्दे पर नेगेटिव किरदारों में भी खूब पसंद किए गए। फिर चाहे वह टाइगर 3 हो या फिर दे कॉल हिम ओजी, सिनेमा का यह सितारा हर रंग में दमका।

आपकी मम्मी क्रिश्चियन, पिता मुस्लिम और पत्नी हिंदू हैं, आप गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मैं इस गंगा-जमुनी तहजीब पर गर्व करता हूं। मेरे घर में मंदिर भी है और नमाज भी पढ़ी जाती है। मैं मानता हूं कि हमारे देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी एक्सक्लूसिवनेस यानी समग्रता। माना कि हर एक किलोमीटर पर बोली और रहन-सहन बदल जाता है, मगर इसके बावजूद हम को-एग्जिस्ट करते हैं, तो यही हमारी सबसे बड़ी खूबी है। माना कि कई बार कॉन्फ्लिक्ट्स होते हैं, मगर हम एक ऐसा देश है, जो अपनी एक्सक्लूसिवनेस के लिए जाना जाता है। एक सेक्युलर माइंडसेट के साथ लोग रहते हैं। हालांकि मेरा विश्वास सही है और आपका गलत, ये सोच तो कुछ लोगों में रहने ही वाली है, मगर एक बड़ी तादाद में लोग जिस तरह से मिल-जुलकर रहते हैं, वो शानदार है।

आपके बेटे अयान 15 साल के हो गए हैं, अब पिता के रूप में आपकी असुरक्षाएं क्या हैं?

एक कहावत है न कि आपको पिता होने की असुरक्षा का अहसास तब तक नहीं होता, जब तक आप पिता नहीं बनते, तो ये सही बात है। अब जब से मैं पिता बना हूं, तो उस डर को समझता हूं। अगर मैं बाहर हूं, तो ये ख्याल डराता है कि वो क्या कर रहा होगा? स्कूल में है, तो अलग चिंता रहती है। आप जब ट्रैवल करते हैं, तब भी दिमाग बच्चे में लगा रहता है। मगर इन तमाम इनसिक्योरिटीज के बीच कोशिश यही रहती है कि अपने बेटे के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता सकूं, हालांकि मैं शूटिंग में मसरूफ रहता हूं, मगर समय निकालने का प्रयास करता हूं। देखिए, जब तक बच्चे 18 साल के नहीं हो जाते, तब तक का वक्त बड़ा कीमती होता है। उसके बाद तो आपके पास 15-20 पर्सेंट ही वक्त बचता है। उसके बाद तो उनकी अपनी जिंदगी होती है। अलबत्ता अब तो 13 साल के बाद ही बच्चे अपनी चीजों में मसरूफ रहने लग जाते हैं, तो मैं सभी पैरेंट्स से कहूंगा कि बच्चे के 12 साल होने तक का आपके पास एक गोल्डन पीरियड है, उसे कैश कर लीजिए बच्चे के साथ समय बिताकर वरना आप बाद में पछताएंगे।

अगर मैं आपकी अभिनय यात्रा के बारे में कहूं, तो लवर बॉय और सीरियल किसर के रूप में शुरुआत करने के बाद अब आप अभिनेता के रूप में समृद्ध हो चुके हैं, इस ट्रांसफॉर्मेशन को कैसे देखते हैं?

इसका श्रेय मैं नहीं ले सकता। इसका क्रेडिट उन्हें जाना चाहिए, जिन्होंने मुझे उन अर्थपूर्ण कहानियों का हिस्सा बनाया। जब कोई फिल्मकार अपने कन्विक्शन के साथ मुझ पर दांव खेलता है, तो सेल्फिश एक्टर के रूप में उस मौके को झपट लेता हूं। सभी जानते हैं कि करियर की शुरुआत में तकरीबन दस साल तक मैं टाइपकास्ट हो गया था। मगर फिर मुझे लगा कि एक लंबी रेस का घोड़ा होना है, तो अलग-अलग किरदार जीने पड़ेंगे। मैंने भी प्रयोग किए और लोगों ने मुझे पसंद किया।

आम तौर पर दीपिका पादुकोण, तापसी पन्नू, विद्या बालन सरीखी कई अभिनेत्रियों को शिकायत रही है कि हीरोइन ओरिएंटेड फिल्म में बड़े स्टार्स काम नहीं करते, मगर अपनी पिछली फिल्म हक के नायिका प्रधान होने के बावजूद आप उसका हिस्सा बने?

अगर मुझे कहानी अच्छी लगे, अपना रोल पसंद आए, ये जानने को मिले कि परफॉर्मर के रूप में मैं कुछ अलग और नया कर पाऊंगा और निर्देशक के विजन से मैं इत्तफाक रखूं, तो फिर मैं उस रोल को करने से हिचकता नहीं। ये मैंने पहले भी किया है। मैं डर्टी पिक्चर में विद्या बालन के साथ था। मैं जानता हूं कि बहुत सारे हीरोज फीमेल ओरिएंटेड फिल्में करने से कतराते हैं। शायद उन्हें इनसिक्योरिटी लगती होगी या वो सोचते होंगे कि एक मेल प्रोटागोनिस्ट ही होना चाहिए। मगर इस फिल्म में मुझे अपनी भूमिका काफी दिलचस्प लगी। यह फिल्म एक चर्चित केस पर था और मुझे लगा कि अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनूंगा, तो शायद पछताऊंगा।

जब बच्चों की मस्ती हर पल आसमान में उड़ती दिखे तो समझो पतंग उड़ाने के दिन आ गए हैं। दुकानें और बाजार भी तो पतंगों से सजने लगे हैं। अब हर शाम पतंगें पेंच लड़ाएंगी और खुशियां चरखी, सद्दी, मांजा, ढील दे और आई बो काटा की आवाज में पूरे आसमान में गूंजेंगी, और क्या होगा, जानते हैं...

मेरी पतंग बड़ी मतवाली

बड़े-बड़े पतंगबाज

यदि तुम्हें यह लगता है कि पतंग के इस खेल पर तुम बच्चों का ही अधिकार है तो तुम गलत हो। दुनियाभर में जितने अधिक बच्चे इसके दीवाने हैं, उससे कहीं अधिक संख्या बड़े पतंगबाजों की है। राजा-नवाब भी इसके शौक से दूर नहीं थे। उनके लिए महलों की छतों पर पतंग उड़ाने के लिए खास इंतजाम किए जाते थे। मुगल राजाओं के समय पतंगबाजी को खूब पसंद किया जाता था। उसके बाद लखनऊ, रामपुर और हैदराबाद के नवाबों में भी इसका खुमार चढ़ा। ये लोग अपनी पतंगों के साथ अशर्फियां बांधकर उड़ाते थे। जिन घरों पर ये पतंगें टूट कर गिरती थीं, उन घरों में खुशियां मनायी जाती थीं। पतंग की खोज कब और किसने की, इस बात की निश्चित तिथि तो किसी को पता नहीं, पर इसकी शुरुआत लगभग दो हजार वर्ष पहले चीन में मानी जाती है। कहा जाता है कि पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक मो जी ने बनाई थी। उसके बाद पतंगबाजी का यह खेल विभिन्न देशों में फैलता चला गया।

भारत में कहां-कहां

यदि तुम्हें लगता है कि पतंग केवल 15 अगस्त के दिन ही उड़ायी जाती है तो तुम गलत हो। 15 अगस्त पर पतंगें दिल्ली में उड़ायी जाती हैं। यहां तक कि लाल किला मैदान में भी लोग इकट्ठे होकर पतंगें उड़ाते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। हरियाणा में पतंगें तीज पर, पंजाब में बैसाखी पर, गुजरात, बिहार में मकर संक्रांति पर, उत्तर प्रदेश में वसंत पंचमी व मकर संक्रांति के अलावा दिवाली के अगले दिन भी खूब उड़ायी जाती हैं।

यहां लगते हैं पतंगों के मेले

पतंग उड़ाना दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल माना जाता है। खासतौर पर चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका में हर साल इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है, जहां दुनियाभर के पतंगबाज तरह-तरह की पतंगों से अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हैं। हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं।

जापान काइट फेस्टिवल

जापान में यह फेस्टिवल हर साल मई माह के पहले वीक में हमामात्सु शहर में आयोजित किया जाता है। इस समय यहां का साफ चमकता नीला आसमान एक दूसरे की पतंगों से पेंच लड़ाते पतंगबाजों का युद्ध का मैदान बन जाता है। हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपने रंग-बिरंगे हैप्पी कोट्स में पतंग उड़ाने का मजा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान फेस्टिवल म्यूजियम तक पहुंचने के लिए हमामात्सु रेलवे स्टेशन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खास व्यवस्था की जाती है।

चीन काइट फेस्टिवल

चीन में हर साल अप्रैल माह में वाइफैंग शहर में काइट फेस्टिवल लगाया जाता है। यहां चीन के साथ-साथ दुनियाभर से पतंग के शौकीन इकट्ठे होते हैं। यहां खास तरह की हैंडीक्राफ्ट पतंगें देखने को मिलती हैं। सप्ताहभर चलने वाले इस पतंगों के त्योहार में पूरे शहर को रंग-बिरंगी लालटेन और स्टीमर्स से सजाया जाता है। वाइफैंग काइट म्यूजियम दुनियाभर में सबसे बड़े म्यूजियमों में से एक है।

जकार्ता काइट फेस्टिवल

यह इंडोनेशिया का सबसे प्रसिद्ध और पुराना फेस्टिवल है। यह हर साल जुलाई के महीने में दो दिन तक आयोजित किया जाता है। चीन, जापान, मलेशिया और नीदरलैंड से पतंगबाज इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। यहां की बड़ी-बड़ी ड्रेगन काइट खास आकर्षण का केंद्र होती हैं।

वॉशिंगटन स्टेट इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल

नॉर्थ अमेरिका के वॉशिंगटन शहर का यह सबसे लोकप्रिय आयोजन है। अगस्त के तीसरे वीक में सात दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम हर साल लॉन्गबीच पेनिन्सुला में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए जितनी बड़ी संख्या में दर्शक जुटते हैं, उतने ही उत्साह से देश और विदेश के पतंगबाज भी अपने कौशल को दिखाने के लिए यहां आते हैं। काइट ट्रेड एसोसिएशन इंटरनेशनल द्वारा इसे दुनियाभर में सबसे अच्छे काइट फेस्टिवलों में से एक माना गया है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल फेस्टिवल

यूं तो भारत में पतंगें किसी एक खास चौक या नदी के किनारों पर ही नहीं, हर गली-मोहल्ले में उड़ती देखी जा सकती हैं, पर जिस काइट फेस्टिवल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है, वह है गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल। यह मकर संक्रांति के अवसर पर यानी 13 जनवरी से शुरू होता है। यह आयोजन तीन दिन तक चलता है। इन दिनों पूरे गुजरात की चहल-पहल सिमट कर अहमदाबाद में अपने रंग दिखाने लगती है। विदेशों के पतंगबाज भी इसमें शामिल होते हैं।

पतंगें ऐसी भी..

कागज का अविष्कार होने से पहले से पतंग उड़ायी जाती रही हैं। कहते हैं कि लगभग 3000 साल पहले उड़ायी गयी पहली पतंग पत्तियों से बनी थी। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगसल आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति मालूम की थी। कहते हैं कि 1901 में मार्कोनी ने एक हैक्सागन यानी छह भुजाओं वाली पतंग का प्रयोग अटलांटिक महासागर के पार सिग्नल भेजने के लिए किया था। यदि तुम यह मानते हो कि पतंग उड़ाना बच्चों का खेल है, तो यह जानकर हैरानी होगी कि पतंग उड़ाने वालों में बच्चों से कहीं अधिक संख्या बड़ की है। हर साल उत्तरी अमेरिका में लगभग 5 करोड़ पतंगों की बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर सप्ताह कम से कम एक पतंगों का त्योहार मनाया जाता है। थाईलैंड में होने वाली पतंगबाजी में 78 नियमों का पालन करना पड़ता है। ओरिएंट में लोग खुशियां, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे को पतंग भेंट करते हैं। जापान में 1760 में पतंग उड़ाने पर बैन लगा दिया गया था। इसका कारण था कि लोग काम करने से ज्यादा समय पतंग उड़ाने में बिताते थे।

अलबेली पतंगें

दुनिया भर में कई तरह की अजीबोगरीब पतंगें बनाई जाती हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से उड़ाते भी हैं। चलो ऐसी ही कुछ पतंगों के बारे में और जानते हैं-

हवा भरी पतंग (इनफ्लैटेबल्स) – काइट फेस्टिवल्स में सबसे ज्यादा हवा भरी फूली हुई पतंगें दिखायी पड़ती हैं। ये पतंगें अपने बड़े आकार और रंगों के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। आमतौर पर ये पतंगें नायलॉन या पॉलिस्टर की बनी होती हैं और इन्हें समुद्री जीवों के आकार का बनाया जाता है, जिसके कारण ये बच्चों को बहुत पसंद आती हैं। इन्हें बनाने में मेहनत अधिक लगती है। हालांकि ये आगे की ओर से ज्यादा फूली हुई होती हैं, पर इन्हें इस तरह बनाया जाता है, जिससे पतंग के हर हिस्से पर हवा का दबाव संतुलित रहे।

पैराफॉएल्स – पैराफॉएल्स पतंगें दिखने में पैराशूट की तरह लगती हैं। ये कई तरह की होती हैं, पर पतंगों के जमघट में सबसे ऊंची दिखायी पड़ने वाली पतंग है सिंगल लाइन पैराफॉएल। ये पतंग दिखने में ऐसी लगती है मानो कोई फूली हुई चटाई हवा में उड़ रही हो। ये पतंगें लंबी धारियों वाले सेल्स में विभाजित होती हैं, जैसा कि पैराग्लाइडर्स में होता है। डबल लाइन और क्वैड लाइन पतंगें औरों से ज्यादा हार्ड होती हैं। आमतौर पर इनके साथ दूसरी चीजों को जोड़कर उड़ाया जाता है।

डेल्टास – मंद हवा में बड़ी शान से खूब ऊंचाई पर उड़ने वाली हैं ये पतंगें। नीचे से देखने पर पक्षी की तरह दिखने वाले ये बड़े डेल्टा फाइबरग्लास रॉड्स या ट्यूब्स के साथ हल्के पर मजबूत नायलॉन के कपड़े से बने होते हैं। आमतौर पर ये डेल्टास त्रिभुजाकार होते हैं। हालांकि इनमें टेल नहीं होती, पर बहुत बड़े आकार वाले डेल्टा के लिए पतंग के पीछे बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अलग-अलग शेप दी जाती हैं।

रोक्काकूस – हवा में मजबूती से टिकने के मामले में ये पतंगें डेल्टा पतंगों को मात देती हैं। इन पतंगों की शुरुआत जापान से हुई थी, पर अब इन्हें हर जगह पसंद किया जाता है। डेल्टा की तुलना में ये सस्ती भी होती हैं और देर तक साथ भी देती हैं। अच्छी डेल्टा पतंगों की तरह इन्हें भी टेल की जरूरत नहीं होती। इन्हें आकर्षक बनाने के लिए 3डी डिजाइन का लुक भी दिया जाता है।

सेल्युलर या बॉक्स काइट्स – इन पतंगों में एक या दो से अधिक सेल आगे की ओर होते हैं और इसी के संतुलन में पीछे भी वैसा डिजाइन बनाया जाता है। कुछ लोग इसे डायमंड कट्स वाली पतंग भी कहते हैं।

डायमंड्स – पश्चिमी देशों में इस पतंग को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। यह पतंग चटक रंगों से बनी होती है और इस पर मनोरंजक और हंसाने वाले डिजाइन बनाए होते हैं। अच्छी तरह उड़ान भरने के लिए इसके पीछे टेल लगायी जाती है। डेल्टा की महंगी पतंगों की तरह देखने में यह भले ही उतनी सुंदर न हो, पर बच्चों से लेकर बड़े तक इस पतंग को आसानी से उड़ा सकते हैं। यह छोटे-बड़े सभी आकारों की होती है।

ट्रेडिशनल पतंगें – पतंग महोत्सव में कुछ पतंगें ऐसी भी होती हैं, जो किसी खास पहचान से जुड़ी होती हैं। आमतौर पर इन्हें नेचुरल मैटीरियल से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया की बुलान पतंगें अपनी शेप और उन पर बने ट्रेडिशनल डिजाइन के कारण बहुत ऊंचाई पर उड़ने के बावजूद सबसे अलग दिखती हैं। बाली, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, जापान और न्यूजीलैंड की ट्रेडिशनल पतंगों को खासतौर पर पसंद किया जाता है।

कैसे उड़ती रहती हैं पतंग

हवा के संग ऊंची उड़ती पतंगों को देखकर तुम्हारे मन में भी जरूर आता होगा कि ये पतंगें बिना ईंधन यानी बिना फ्यूल के कैसे हवा में उड़ती चली जाती हैं? इसके दो कारण हैं, पहला ग्रेविटी (गुरुत्वाकर्षण बल) और दूसरा लिफ्ट (ऊंचा उठाना)। ग्रेविटी यानी वह बल जो ऊपर फेंकी किसी भी चीज को नीचे खींचता है। अब यदि ऊपर उड़ती हुई पतंग ग्रेविटी के बावजूद नीचे नहीं आती तो इसका कारण है हवा से उसे मिलने वाली लिफ्ट। हवा उसे अपने दबाव के साथ ऊंचे ऊपर उठाती रहती है।

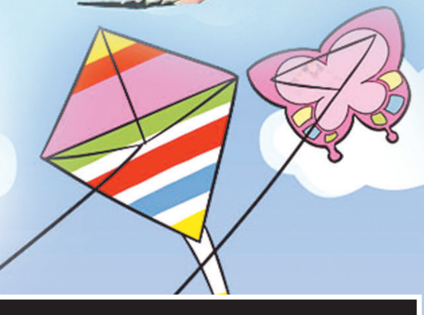

पतंग उड़ाने के फायदे

यदि तुम पूरा दिन कंप्यूटर पर गेम खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हो तो पतंग उड़ाना एक अच्छे ब्रेक का काम करेगा। इससे आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे दोस्तों के साथ खेलते समय समूह में काम करना आता है। धागे पर नजर बनाकर रखते हुए पतंग की ओर लगातार देखना नजर को तेज करता है, साथ ही फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। गर्दन का व्यायाम होता है। ताजी हवा सांस के जरिए शरीर में

हिमालय के ये अद्भुत पक्षी

हिमालय पर्वत पर छोटी और सुंदर सी धोबिन पक्षी चहकती मिलती है। यह अन्य समतुल्य पक्षियों के अंडों पर हाथ साफ करती है। पक्षियों का हिमालय पर्वत से बड़ा घनिष्ठ संबंध है। कुछ पक्षी स्थायी रूप से हिमालय पर ही रहते हैं। वे कभी नीचे मैदानों में नहीं आते और पर्वत श्रृंखला पर ही अपना घोंसला बनाते हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो ये यहां की बारहमासी चिड़िया हो। इनके पांव में छल्ले पहनाकर यह देखा गया कि ये हर साल निश्चित स्थान पर आती हैं। इनके पेट के नीचे का रंग सफेद और गला काला होता है। प्रकृति की विचित्र लीला है कि ये साल में अनेक बार अपना रंग बदलती हैं। झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे ये झुंड बनाकर उछलती-कूदती रहती है। वहीं जल क्रीड़ा करती हैं। शायद इसीलिए इनका नाम धोबिन पड़ा है। ये पक्षी प्रवासी हैं, फिर भी इस देश में इनका महत्व और लोकप्रियता सर्वोपरि है। ऐसा लगता है, मानो यह हमारे देश का ही पक्षी है। जब सहेली चली जाती हैं, तो हमारा घर-आंगन, बाग-बगीचे सूने और उजाड़ से लगने लगते हैं।

जोकर की हंसी है बड़ी पुरानी

बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। इसके अलावा, अपने रोचक संवादों से दर्शकों का दिल जीतने वाले चॉकलेट जोकर, जिन्हें मेकअप की खास जरूरत नहीं थी। चेहरे का गहरा रंग होने के कारण वे केवल सफेद रंग का इस्तेमाल करते थे। जेम्स मैकइन्टायर और टॉम हीथ ने सन् 1874 में 'ट्रैम्प क्लाउन' को ईजाद किया, जिसमें काले चेहरेवाले अफ्रीकी जोकर के चेहरे पर सफेद रंग लगाया जाता था। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिंग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था। सारी दुनिया में इस हास्य किरदार ने अपनी पहचान बना ली थी। आज यह संसार के किसी भी कोने में जाना-पहचाना चेहरा है। हमारे देश में इस दिलचस्प किरदार की कोई कमी नहीं।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है, जिसमें राजकपूर ने बड़ी ही संजीदगी से 'राजू जोकर' की भूमिका को निभाया। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया

जोकर भी होते हैं अंधविश्वास के शिकार...

जोकर कभी भी चेहरे पर नीला रंग इस्तेमाल नहीं करते हैं। उनके अनुसार, यह रंग अशुभता की निशानी है। इतना ही नहीं, प्रदर्शन से पहले जोकर अपने साथियों को शुभकामना नहीं देते, ऐसा करना उनके लिए श्राप देने जैसा है।